ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पंचमसाली लोगों को पिछड़ा वर्ग आयोग से संपर्क करना चाहिए: सीएम. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 14 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । ✻ । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-344

संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर बोले राजनाथ

संविधान नागरिकों के कल्याण के लिए है कांग्रेस ने इसे 'हाईजैक' कर लिया

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत का संविधान सभी वर्गों के कल्याण के लिए है और सबको समान अधिकार देता है, गरीब को शीर्ष पद पर बैठने की अनुमति देता है लेकिन इस संविधान को आज एक पार्टी 'हाईजैक' करना चाहती है, संविधान पर अपना एकाधिकार मानती है और मौका मिलते ही इसी संविधान का अपमान करती है।

श्री सिंह ने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत का संविधान सब नागरिकों को एक समान अधिकार देता है और देश की संस्कृति तथा परंपरा को अक्षुण्ण रखने की अनुमति देता है। संविधान में कमल का फूल है और भगवान राम की तस्वीर है, जो दर्शाता है कि हमारा संविधान हमारी परंपरा और विरासत का वाहक है और मोदी सरकार इन्हीं मूल्यों का अनुसरण कर देश के विकास के लिए सबको साथ लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान को अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने पर आज संदन में चर्चा की जा रही है। भारत के स्वतंत्रता सेनानियों और आम भारतीयों ने जो सपना देखा था वह आज के दिन पूरा हुआ था। इसी दिन 26 नवंबर को भारत सरकार ने अपना संविधान अंगीकार किया था और देश में राजतंत्र, ब्रिटिश तंत्र समाप्त होकर लोकतंत्र आ गया था। इस मौके पर सदन तथा देशवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले महान देशभक्तों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि हमारा संविधान सार्वभौम है जो नागरिकों को संवैधानिक और मौलिक अधिकार प्रदान करता है। हमारा संविधान राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं को छूते हुए देश के लिए सबको समान अधिकार देने का रास्ता प्रदान करता है तथा सबको मिलजुलकर काम करने की अनुमति प्रदान करता है। संविधान धर्म और कर्तव्य के निर्वहन का अधिकार देता है।

संविधान संशोधन के नाम पर कांग्रेस सरकारों ने संविधान को बदलने का काम किया

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान भारत को एक आदर्श राष्ट्र बनाने, राष्ट्रीय एकता, देश के विकास, नागरिकों की गरिमा सुरक्षित करने तथा राष्ट्र को आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का रोड मैप है। हमारा संविधान सभी नागरिकों के कल्याण की अनुमति देता है और इसी का परिणाम है कि देश के गरीब परिवार में जन्मा व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी बन सकता है। यह संविधान भारत के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करता है और उन्हें सम्मान से जीने का अधिकार देता है। संविधान को सुनिश्चित करना चाहिए कि देश के नागरिकों के अधिकारों का कभी हनन नहीं हो और सभी धर्मों के लोगों को समान अधिकार मिलते रहें।

श्री सिंह ने कहा कि पिछले कुछ समय से यह माहौल बनाया जा रहा है कि देश का संविधान सिर्फ एक ही पार्टी का है और इसमें सिर्फ उसी का अधिकार है। आज संविधान की रक्षा करने की बात की जा रही है, लेकिन यह सब समझते हैं कि किसने संविधान की रक्षा की है और किसने संविधान का अपमान किया है। कांग्रेस ने संविधान में बदलाव करने का प्रयास किया है और यह बदलाव जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह की सरकार में हुआ है। संविधान संशोधन के नाम पर कांग्रेस सरकारों ने संविधान को बदलने का काम किया है। पहले संविधान संशोधन में प्रेस में कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी तो 1950 में कांग्रेस सरकार ने रोक लगाने का प्रयास किया था। आज संविधान का राग अलापने वाली कांग्रेस ने 1951 में आम चुनाव होने से पहले ही नागरिकों के अधिकारों को कुचलने का काम किया है। संविधान लागू होने के बाद कांग्रेस ने मौलिक अधिकारों को कमजोर किया है और संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर इसके खिलाफ पूरे जीवन भर लड़ते रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला किया और कहा कि जिन लोगों ने कभी संविधान को नहीं माना, वे संविधान की प्रति जेब में रखकर चलते हैं और वे इसका महत्व नहीं समझते हैं जबकि भाजपा संविधान को जेब में नहीं, सिर माथे पर रखती है।

▶10पर

महाकुंभ एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी : मोदी

प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के लिए 5,500 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण किया

प्रयागराज, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा कि यहां दिन-रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा जा रहा है। उन्होंने महाकुंभ को लेकर कहा कि यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ 2025 के लिए शुक्रवार को प्रयागराज में 5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें प्रयागराज में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सड़क जैसी विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाएं शामिल हैं।

इस दौरान पीएम मोदी एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है।

उन्होंने कहा कि प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है।

प्रयाग के बारे में कहा गया है : ममाघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।फ

अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। यह वो स्थान है जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। यह एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है।

उन्होंने कहा कि यह चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामुहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानव सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं।

अविश्वास प्रस्ताव पर राज्यसभा में भिड़े पक्ष और विपक्ष

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

राज्यसभा में शुक्रवार को सभापति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के संबंध में मीडिया में आयी रिपोर्टों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य आपस में भिड़ गए और सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी गयी। सभापति जगदीप धनखड़ ने सुबह सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद को जन्मदिन की बधाई दी और आवश्यक विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखवायें। श्री धनखड़ ने सबसे कम उम्र की आयु में विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर डी गुकेश को शुभकामनाएं दी तो सदस्यों ने मेज थपथपा कर उसका स्वागत किया। इसके बाद सदन ने मौन खड़े होकर 13 दिसंबर 2001 में संसद पर आतंकवादी हमले के दौरान शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

श्री धनखड़ ने कहा कि उन्हें नियम 267 के अंतर्गत चार नोटिस मिले हैं, जिन्हें अस्वीकार किया जाता है। इस पर सदन में विपक्ष के सदस्य शोर शराबा करने लगे और जोर-जोर से बोलने लगे।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी के राधा मोहन दास अग्रवाल ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान के अनुच्छेदों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव देने के बाद 14 दिन का इंतजार करना चाहिए लेकिन कांग्रेस मीडिया और सोशल मीडिया में आरोप पत्र जारी कर रही है तथा उपराष्ट्रपति के विरुद्ध आरोपों का लगातार प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह उपराष्ट्रपति पद का अपमान है। कांग्रेस को 14 दिन की प्रतीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान का सम्मान नहीं करती है और ना ही संवैधानिक पदों के लिए उसके पास कोई सम्मान है।

▶10पर

दिन-रात केवल सभापति के खिलाफ अभियान चल रहा है : धनखड़

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सदन में अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलना राष्ट्र और समाज के लिए आवश्यक है। श्री धनखड़ ने आज सुबह सदन में शून्यकाल के दौरान व्यथा के साथ कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, दिन-रात केवल सभापति के खिलाफ अभियान चल रहा है यह अभियान मेरे खिलाफ नहीं, ▶10पर

दिल्ली के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

दिल्ली के छह स्कूलों को शुक्रवार सुबह ईमेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी मिली। अधिकारियों को सूचित किए जाने के तुरंत बाद स्कूलों में मौजूद छात्रों को घर भेज दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, बम का पता लगाने वाली टीम और अग्निशमन अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गये।

उन्होंने बताया कि पश्चिम विहार में भटनागर इंटरनेशनल स्कूल, श्रीनिवासपुरी के कैम्ब्रिज स्कूल, अमर कॉलोनी स्थित डीपीएस, डिफेंस कॉलोनी केसाउथ दिल्ली पब्लिक स्कूल, एसजे एन्क्लेव डीपीएस और रोहिणी स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल को सुबह 4:30 से 8:30 बजे के बीच धमकियां मिलीं। गौरतलब है कि एक सप्ताह के भीतर यह स्कूलों में बम की धमकी से संबंधित दूसरी घटना है। सप्ताह की शुरुआत में भी राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्कूलों को भी ईमेल के जरिये बम की धमकी मिली थी।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 21°

भारतीय सुरक्षा बल देप्सांग के सभी गश्ती बिंदुओं तक जा सकेंगे: जयशंकर

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं लेकिन सरकार ऐसी स्थितियों में बहुत समझदारी के साथ काम करती है।

श्री जयशंकर ने शून्य काल में कांग्रेस के मनीष तिवारी के प्रश्न के उत्तर में कहा कि चीन के साथ लगने वाली सीमा के देप्सांग क्षेत्र में सभी गश्ती बिन्दुओं पर भारतीय सुरक्षा बल जा सकेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि इस संबंध में वह लोकसभा में पहले ही विस्तार से वक्तव्य दे चुकी है।

उन्होंने भाजपा के नवीन जिंदल के प्रश्न के उत्तर में कहा कि सरकार पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध चाहती है, सरकार का सदैव ऐसा ही नजरिया रहा है, लेकिन गेंद अब पाकिस्तान के पाले में है, पाकिस्तान को दिखाना होगा कि उसका व्यवहार बदला है। श्री जयशंकर ने कहा कि बंगलादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किये जा रहे व्यवहार को लेकर वहां की सरकार के समक्ष अपनी चिंता रख चुके हैं। हाल ही में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपने बंगलादेश दौरे के दौरान भी यह मसला वहां के अधिकारियों के समक्ष उठाया था।

उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि सरकार विदेशों में नौकरियों के लिये जाने वाले कामगारों के हितों का ध्यान रखने के पूरे प्रयास करती है और संबंधित देशों के भारतीय दूतावासों से हर जरूरतमंद की तत्काल मदद की जाती है। विदेशों में संकट में फंसे भारतीयों को वापस लाने में पूरी तत्परता से काम किया जाता है। ▶10पर

अतुल सुभाष आत्महत्या मामला

अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई: बेंगलूरु पुलिस आयुक्त

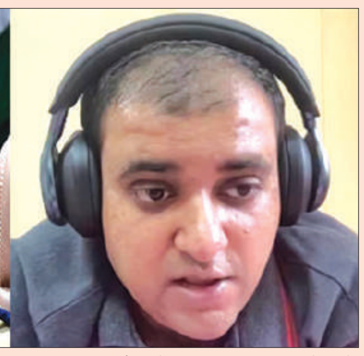

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने शुक्रवार को कहा कि अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। मीडिया से बात करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि मामले में अभी तक कोई गिरफ्त-ारी नहीं हुई है और पुलिस विभाग की विशेष टीमों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने कहा मराठाहल्ली पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है। मामले की व्यापक जांच की गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और समाज में इस मामले की व्यापक चर्चा हो रही है। दयानंद ने कहा मृतक को न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है और आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। पुलिस मामले में सबूत जुटा रही है। इससे पहले, सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक पुलिस ने दिवंगत अतुल सुभाष की सास और साले को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने 9 दिसंबर को अपनी पत्नी के परिवार द्वारा समझौते के तौर पर 3 करोड़ रुपये की मांग के चलते आत्महत्या कर ली थी।

इस सनसनीखेज मामले ने देश में विवाहित पुरुषों के उत्पीड़न और दहेज प्रावधानों के दुरुपयोग पर बहस छेड़ दी है। अतुल सुभाष ने सोमवार को अपनी जान दे दी। उसने 40 पन्नों का एक डेथ नोट और 90 मिनट का एक वीडियो छोड़ा है, जिसमें बताया गया है कि उसकी पत्नी ने उसे कैसे प्रताड़ित किया। अतुल सुभाष ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और सुप्रीम कोर्ट को मेल भेजकर उनसे आग्रह किया था कि वे प्रताड़ित पतियों की मदद करें और मामले में आरोपी व्यक्तियों, उसकी पत्नी, सास और अन्य को गिरफ्तार करें। 34 वर्षीय अतुल सुभाष द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट के एक हिस्से में चौंकाने वाले विवरण के अलावा यह भी बताया गया है कि अगर उसे प्रताड़ित करने वाले दोषी नहीं पाए गए तो वह अदालत के बाहर एक नाले में अपनी अस्थियां प्रवाहित कर देगा। यहां एक ऑटोमोबाइल कंपनी में काम करने वाले अतुल सुभाष ने कथित तौर पर तलाक के समझौते के लिए 3 करोड़ रुपये की मांग के कारण आत्महत्या कर ली। सुभाष ने मंगलवार की सुबह अपने अपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली। उन्होंने 90 मिनट का एक वीडियो और 40 पन्नों का एक नोट छोड़ा, जिसमें बताया कि कैसे उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार द्वारा उत्पीड़न ने उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। उनके द्वारा छोड़े गए नोट में लिखा था अगर कोर्ट यह फैसला करता है कि भ्रष्ट जज और मेरी पत्नी और अन्य उत्पीड़क दोषी नहीं हैं, तो मेरी अस्थियों को कोर्ट के बाहर किसी नाले में प्रवाहित कर दें। जब तक मेरे उत्पीड़कों को सजा नहीं मिल जाती, तब तक मेरा अस्थि विसर्जन न करें। हालांकि, परिवार ने बुधवार को बेंगलूरु श्मशान घाट से अस्थियां एकत्र कीं, जहां अतुल का अंतिम संस्कार किया गया था। परिवार ने कहा कि अस्थियों को पटना ले जाया जाएगा, जहां से परिवार मूल रूप से आता है और परंपराओं के अनुसार इसे नदी में विसर्जित किया जाएगा। न्याय मिलना चाहिए शीर्षक के तहत सुसाइड नोट में अपने 2 वर्षीय बच्चे को संबोधित करते हुए लिखा गया है अब मेरे चले जाने के बाद लूटने के लिए कोई पैसा नहीं बचेगा और मुझे उम्मीद है कि वे मामले के तथ्यों को देखना शुरू कर देंगे। किसी दिन, तुम्हें अपनी माँ और उसके लालची परिवार का असली चेहरा पता चल जाएगा। मैं प्रार्थना करता हूँ कि वे तुम्हें और तुम्हारी आत्मा को न खा जाएँ। मुझे अक्सर हंसी आती है जब मुझे याद आता है कि जब तुम कॉलेज गए थे, तब मैंने कार के लिए पैसे बचाना शुरू कर दिया था। मैं मूर्ख हूँ। यह हमेशा याद रखो कि तुम पर किसी का कोई कर्ज नहीं है। सिस्टम पर भरोसा मत करो। अतुल सुभाष ने नोट में अपनी अंतिम इच्छाएँ भी बताईं। मेरे सभी मामलों की सुनवाई लाइव होनी चाहिए और इस देश के लोगों को मेरे मामले के बारे में पता होना चाहिए और कानूनी व्यवस्था की भयानक स्थिति और इन महिलाओं द्वारा कानून के दुरुपयोग को जानना चाहिए। उन्होंने सुसाइड नोट और वीडियो को उनके बयान और सबूत के तौर पर अनुमति देने का भी अनुरोध किया। मुझे डर है कि जज दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं, गवाहों पर दबाव डाल सकते हैं और अन्य मामलों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकते हैं। मेरे अनुभव के आधार पर, बेंगलूरु की अदालतें उत्तर प्रदेश की अदालतों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक कानून का पालन करती हैं। मैं न्याय के हित में कर्नाटक में मामले चलाने और मुकदमा चलने तक उसे बेंगलूरु में न्यायिक और पुलिस हिरासत में रखने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने आगे लिखा मेरे बच्चे की कस्टडी मेरे माता-पिता को दें जो उसे बेहतर मूल्यों के साथ पाल सकते हैं। मेरी पत्नी या उसके परिवार को मेरे शव के पास न आने दें। मेरे उत्पीड़कों को अधिकतम सजा दें, हालांकि मुझे हमारी कानूनी व्यवस्था पर बहुत भरोसा नहीं है।

अधिक झूठे मामले दर्ज कराएंगे

अगर मेरी पत्नी जैसे लोगों को जेल नहीं भेजा गया, तो वे और अधिक दुस्साहसी हो जाएंगे और भविष्य में समाज के अन्य बेटों पर और अधिक झूठे मामले दर्ज कराएंगे। पत्र में लिखा है न्यायपालिका को जगाने और उनसे मेरे माता-पिता और मेरे भाई को झूठे मामलों में परेशान करना बंद करने का आग्रह करता हूं। इन दुष्ट लोगों के साथ कोई बातचीत, समझौता और मध्यस्थता नहीं होनी चाहिए और दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने एक्स पर एक लिंक भी साझा किया था, जिसमें उनके वीडियो को सीईओ एलन मस्क और अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को टैग किया गया था। सुसाइड नोट में लिखा था, एक मृत व्यक्ति एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप से लाखों लोगों की जान जागृत विचारधार-ाओं, गर्भपात, डीईआई (विविधता, समानता और समावेश) से बचाने और भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बहाल करने का अनुरोध कर रहा है। जब आप यह पढ़ेंगे, तब तक मैं मर चुका होऊंगा। भारत में वर्तमान में पुरुषों का कानूनी नरसंहार हो रहा है।

साध्वी रतनमालाजी की डोलयात्रा में देशभर से श्रद्धालु पालीताणा पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी एवं साध्वी विद्युत प्रभा श्री जी के माताजी साध्वी रतनमालाश्रीजी का 83 वर्ष की आयु में समाधि पूर्वक देवलोक गमन गुरुवार को दोपहर 2.40 बजे श्री जिन हरि विहार पालीत-ाणा में हो गया।

दादावाडी में विराजित पूज्य मलयप्रभ सागर जी और पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्रीजी ने साध्वी वर्या जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए सकल संघ को सांत्वना प्रदान की। दादावाडी ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि आपका चातुर्मास चार वर्ष पूर्व बसवनगुड़ी में हुआ था और इस संवेदना के पलों में हम पूरे देशभर के सदस्य हमारे गच्छाधिपति जी के साथ गुरुमाता के प्रति हार्दिक संवेदनाएं और श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। उन्होंने बताया कि पालीताणा में गुरुमाता की डोलयात्रा में बेंगलूरु से संघवी तेजराज गुलेच्छा, संघवी कुशलराज गुलेच्छा, संघवी विजयराज डोसी, महावीर मेहता, भरत पालरेचा, कल्पेश लुंकड के साथ पूरे देश से अनेक भक्तगण उपस्थित रहे और डोलयात्रा के विभिन्न कार्यों में सहभागिता के द्वारा गुरु के प्रति अपने समर्पण भाव को प्रस्तुत किया। जिसमें अग्नि संस्कार और पालकी पर मुख्य कलश संघवी तेजराज गु-लेच्छा, मोकलसर - बेंगलूरु निवासी ने किया। गुरुवर्या का अन्तिम गुरुपूजन श्री बाड़मेर जैन संघ, पर्वत पाटिया, सूरत द्वारा किया गया। अन्तिम यात्रा में पालकी को आगे का जीमणा कंधा और पालकी पर आगे का जीमणा साइड का कलश संघवी विजयराज डोसी, खजवाणा - बेंगलूरु, आगे का लेफ्ट कंधा महावीर मेहता, मोकलसर - बेंगलूरु, पीछे का जीमणा कंधा केयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार लूनिया, धोरीमन्ना - चेन्नई, पीछे का लेफ्ट कंधा बाबूलाल लूनिया, धोरीमन्ना - अहमदाबाद ने दिया। पालकी पर आगे का डाबी साइड का कलश संघवी अशोक कुमार भंसाली, गढ़ सिवाना - अहमदाबाद और पीछे का जीमणा साइड का कलश रतनलाल हालावाला अहमदाबाद - बाड़मेर और पीछे का डाबी साइड का कलश पुखराज तातेड, पादरु - अहमदाबाद ने चढ़ाया। अन्तिम यात्रा में दोणी को श्री कुशल कान्ति खरतरगच्छ जैन संघ, पाल सूरत ने ली। पालकी पर प्रथम बांस नी दीवी संघवी कुशलराज गुलेच्छा, मोकलसर - बेंगलूरु और द्वितीय बांस नी दीवी हीराचन्द बाफना, मोकलसर वालों ने चढ़ाई। आचार्य नित्यानंद सूरीश्वर जी ने भी पधारकर गुरुदेव को सांत्वना बंधाई। अन्तिम यात्रा में गुलाल अशोक जैन, मुंबई वालों ने लगाई। दोपहर में आयोजित गुणानुवाद सभा में साध्वी विश्व ज्योति श्री जी, प्रियश्रद्धांजना जी, मित्रांजना जी, मुदित प्रज्ञा जी, डॉ. नीलांजना जी, आराध्यरुचि जी, प्रतिनिधि महासभा और पेढ़ी के संघवी तेजराज गुलेच्छा, जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बेंगलूरु के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, गौतम स्वामी जी की निर्वाण भूमि गुणिया जी तीर्थ के निर्माण संयोजक महावीर मेहता, प्रतिनिधि महासभा के सहमंत्री पदम बरडिया, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश लूनिया, उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीश्रीमाल, महामंत्री रमेश लुंकड, ज्ञान वाटिका से संजय बैद, खरतरगच्छ महासंघ के बाबूलाल छाजेड आदि संघ के अनेक आगे वानों ने अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की।

सोमवार से बुधवार तक उत्तर कर्नाटक की समस्याओं पर चर्चा का मौका: स्पीकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने विधानसभा में घोषणा की कि सोमवार से बुधवार तक उत्तरी कर्नाटक की समस्याओं और विकास पर विशेष चर्चा की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी भागों के विधायक इस विशेष चर्चा में भाग लें और समस्याओं पर प्रकाश डालें तथा उपयोगी सुझाव दें। नवनिर्वाचित विधायकों को सोमवार को उत्तर कर्नाटक पर विशेष बहस की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विधायक आवश्यक तैयारी कर चर्चा में भाग लें और सरकार को उचित सुझाव दें। अन्य सभी विधायकों को मंगलवार को बहस में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि इस विशेष चर्चा के संबंध में मुख्यमंत्री बुधवार को जवाब देंगे।

दो दिवसीय अग्रवाल ट्रेड फेयर 11 जनवरी से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नववर्ष के आगमन पर अग्रवाल समाज कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा बल्लारी रोड स्थित पेलैस ग्राउंड के गेट नम्बर 6 में दो दिवसीय अग्रवाल ट्रेड फेयर का विशाल आयोजन किया जा रहा है। अग्रवाल समाज के सचिव सतीश गोयल ने बताया कि आज व्यवसाय की मांग को देखते हुए यह ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हर कोई छोटे-बड़े उद्योग वाले अपनी स्टॉल बुक करा सकते हैं। इस ट्रेड फेयर में एक ही छत के नीचे करीब 2 हजार से ज्यादा प्रोडक्ट उपलब्ध होंगे। मार्बल ग्रेनाइट, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिक, स्टील आयरन क्लॉथ, ज्वेलरी जैसे सभी प्रकार के प्रोजेक्ट उपलब्ध रहेंगे। समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने बताया कि दो दिवसीय ट्रेड फेयर के लिए हमारी पूरी टीम जोरशोर के साथ कार्य में जुटी हुई है। सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक निशुल्क प्रवेश रहेगा। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों का सर्वेक्षण जल्द: प्रियांक खड़गे

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि राज्य की ग्राम पंचायतों की संपूर्ण कर योग्य संपत्तियों का मैनुअल सर्वेक्षण जल्द ही सरकार द्वारा किया जाएगा। विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा ग्राम पंचायत, कराधान के दायरे में आने वाली संपत्तियों का प्रबंधन केंद्र सरकार की एनआईसी द्वारा किया जाता है। चूंकि कर्नाटक के पास आईटी प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता है, इसलिए उन्होंने इसे हमें देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि हमें केंद्र से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। पिछले साल राज्य के इतिहास में पहली बार 52 फीसदी टैक्स वसूला गया। हालांकि 100 फीसदी का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इसे हासिल नहीं किया जा सका। क्योंकि हम खुद कई मामलों में कुछ लोगों पर टैक्स न देने का दबाव डालते हैं। इस प्रकार उन्होंने स्वीकार किया कि उनके निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं था। इससे पहले सदस्य एन रविकुमार ने कहा ग्राम पंचायत के अधीन संपूर्ण संपत्ति पर कितना कर लगता है? उन्होंने कहा कि सरकार ने कहा है कि हमने मैनुअल सर्वे किया है। इस पर प्रियांक खड़गे ने जवाब दिया, हमारी सरकार आने के बाद हमने 8 लाख नई संपत्तियां जोड़ी। राज्य में सर्वेक्षण की गई संपत्तियों की कुल संख्या 1,41,42,124 है। हमने ई-प्रॉपर्टी की उलझन का समाधान ढूंढ लिया है। हमने कहा है कि ई-प्रॉपर्टी का प्रबंधन राज्य सरकार को सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि एक और साल में हम स्थानीय संगठनों के लिए आय अर्जित करेंगे। सदस्य मंजूनाथ भंडारी के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 28 विभागों की निगरानी का अधिकार स्थानीय ग्राम पंचायतों को सौंपने में समय की जरूरत है। चार विभागों से बातचीत हो चुकी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा कृषि सहित तीन विभागों ने हमें पूरा सहयोग दिया है।

केवल उद्यान विभाग का बकाया है। मुख्य सचिवों की रुचि के कारण इसे लागू करने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि हम इसे जल्द से जल्द हासिल करेंगे। ग्राम पंचायतों को सरकार को कुल 6 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करना था। इसे माफ कर दिया गया है। बकाया राशि माफ करने का प्रस्ताव है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री से चर्चा कर उचित निर्णय लिया जायेगा।

गैस सिलेंडर विस्फोट में घायल महिला की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंजनाडी गांव की सीमा के भीतर कलकत्ता कंडिका में अपने घर में गैस सिलेंडर लीक होने और उसके बाद विस्फोट होने से गंभीर रूप से घायल हुई तीन बच्चों की मां ने गुरुवार देर रात दम तोड़ दिया। मृतक खुबरा मुत्तलिब की पत्नी थी। यह घटना पिछले शनिवार को हुई जब खुबरा और उसके तीन बच्चे- माजिया, मेयादिया और मायदा एक ही कमरे में सो रहे थे। विस्फोट में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके कारण उन्हें डेरालाकट्टे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पार्कवेस्ट क्रिकेट प्रीमियर लीग-4 के लिए खिलाड़ियों की निलामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बिन्नीपेट स्थित पार्कवेस्ट (पीड्बल्यू) अपार्टमेंट में हाल ही में पार्कवेस्ट क्रिकेट प्रीमियर लीग-4 के लिए भव्य ऑक्शन का आयोजन किया गया। पीपीएल-4 सभी निवासियों के लिए पीड्बल्यू बॉक्स क्रिकेट समिति द्वारा आयोजित वार्षिक बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट है और यह चौथा संस्करण है, जिसमें शीर्षक प्रायोजक गाला (मनीष गाला), जर्सी प्रायोजक जैन प्रॉपर्टी (संतोष बागरेचा) और ऑक्शन प्रायोजक कोकोनट (चंदूलाल लूंकड़) है। ऑक्शन की शुरुआत गणेश स्तुति के साथ हुई। मुख्य प्रायोजकों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। 15 टीम मालिकों ने उन 165 खिलाड़ियों के लिए बोली लगाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की, जिन्होंने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया था। क्वालीफायर, सेमीफाइनल और फाइनल के मैचेस 14 और 15 दिसंबर को रश एरेना, राजाजीनगर में खेले जाएंगे। भरत सालेचा, गौरव खिवेंसरा, महावीर बोराना, नमन बागरेचा, निखिल सेठिया, प्रकाश भंडारी और शीतल लुनावत की 7 सदस्यीय टीम इसका आयोजन कर रही है।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में अभिनेता दर्शन, पवित्रा गौड़ा और पांच अन्य को नियमित जमानत मिली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को रेणुकास्वामी अपहरण, यातना और हत्या मामले में अभिनेता दर्शन और पवित्रा गौड़ा सहित सात आरोपियों को नियमित जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एस. विश्वजीत शेट्टी ने दर्शन, पवित्रा गौड़ा, नागराजू आर, अनु कुमार उर्फ अनु, लक्ष्मण एम, जगदीश उर्फ जग्गा और प्रदूष एस. राव द्वारा दायर अलग-अलग याचिकाओं को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता आरोपी व्यक्ति, जो मामले में आरोपपत्र दायर करने वाले 15 आरोपियों में से थे, को निचली अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने 30 अक्टूबर को दर्शन को उनकी पीठ दर्द की सर्जरी कराने के लिए अंतरिम जमानत दी थी।

चित्रदुर्ग में एक मेडिकल शॉप में काम करने वाले रेणुकास्वामी का कथित तौर पर 8 जून को अपहरण कर लिया गया और बेंगलूरु के आर.आर. नगर के पट्टनगेरे में एक शेड में उसकी हत्या कर दी गई। अगले दिन यह अपराध तब प्रकाश में आया जब एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के सुरक्षा गार्ड ने शव को एक तूफानी जल नाले के पास देखा। आरोपियों ने कथित तौर पर उसे शेड में रखा, उसे प्रताड़ित किया और उसके शव को तूफानी जल नाले में फेंकने से पहले उसकी हत्या कर दी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि पीड़िता ने पवित्रा को कुछ अश्लील संदेश और तस्वीरें भेजी थीं, जिसे पुलिस ने आरोप पत्र में दर्शन की लिव-इन पार्टनर बताया था। रेणुकास्वामी के खिलाफ अश्लील संदेश भेजने के लिए शिकायत दर्ज कराने के बजाय, पवित्रा और अन्य आरोपियों ने चित्रतुर्ग से रेणुकास्वामी का अपहरण करके कानून अपने हाथ में ले लिया और बेंगलूरु में शेड में उसे प्रताड़ित किया। आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित के शव को नष्ट करने की भी कोशिश की थी। हालांकि, जब पीड़ित का शव स्टॉर्म वॉटर ड्रेन के पास मिला, तो दर्शन ने खुद को, पवित्रा और अपने अन्य करीबी सहयोगियों को बचाने के लिए कथित तौर पर कुछ लोगों को पैसे देकर अपराध को झूठा साबित करने के लिए काम पर रखा, जैसा कि पुलिस ने आरोप पत्र में दावा किया था।

पंचमसाली लोगों को पिछड़ा वर्ग आयोग से संपर्क करना चाहिए: सीएम

प्रदर्शनकारियों ने पथराव और बैरिकेड्स को दिया धक्का

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पंचमसाली समुदाय को पिछड़ा वर्ग आयोग से संपर्क करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि लिंगायत पंचमसाली समुदाय को पिछड़ा वर्ग की 2ए श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के साथ स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से संपर्क करना चाहिए। विजयपुरा में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि भाजपा शासन के दौरान पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जयप्रकाश हेगड़े ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 2ए और 2बी श्रेणियों की संरचना में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा अपनी रिपोर्ट में उन्होंने कहा है कि 2ए, 2बी सूची में कोई वृद्धि नहीं होनी चाहिए और 2बी श्रेणी के तहत 4 प्रतिशत आरक्षण जारी रहना चाहिए और इसे समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। यह रिपोर्ट भाजपा शासन के दौरान दी गई थी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्हें समुदाय द्वारा 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण मांगे जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन हमें कानून के अनुसार चलना होगा। कोई भी उन्हें विरोध करने से नहीं रोकेगा, लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई कानून अपने हाथ में लेता है और जनता के लिए समस्याएं पैदा करता है तो सरकार आंखें मूंदकर चुप नहीं बैठेगी। सिद्धरामैया ने जानना चाहा कि भाजपा सरकार के दौरान जब पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने कहा था कि संरचना में बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, तो कोई विरोध क्यों नहीं हुआ। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा अब वही भाजपा आंदोलन का समर्थन कर रही है। मुख्यमंत्री ने गुलाम रसूल द्वारा 2बी श्रेणी के तहत मुसलमानों के 4 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने और इसे लिंगायत और वोक्कालिगा को देने के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हलफनामे में भाजपा सरकार ने कहा है कि वह आदेश को लागू नहीं करेगी। बसव जय मृत्युंजय स्वामी के इस बयान पर कि मुख्यमंत्री हृदयहीन हैं, सिद्धरामैया ने कहा कि इस पर जनता फैसला करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि संत हो या कोई और, कानून सभी के लिए समान है। मेरे और संत और आपके लिए कानून एक जैसा है। संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार कानून के समक्ष समानता और समान सुरक्षा कानून है। हमें अपनी बात कहने की आजादी है और संत भी अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। आखिरकार हम संविधान के अनुसार ही काम करेंगे। इस आरोप के बारे में कि सादे कपड़ों में पुलिस ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव किया, सीएम ने कहा कि उनके पास प्रदर्शनकारियों द्वारा पथराव और बैरिकेड्स को धक्का देने की तस्वीरें हैं। संत सड़क पर क्यों बैठे? अगर प्रदर्शनकारियों ने पथराव नहीं किया, तो 20 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को चोटें कैसे आईं? क्या आपका मतलब यह है कि पुलिस ने खुद पर ही पत्थर फेंके? उन्होंने कहा कि उनके पास अपने बयान को साबित करने के लिए सबूत हैं। इससे पहले कुडलसंगम पंचमसाली पीठ के महंत बसवराज जय मृत्युंजय स्वामी ने कहा था कि कर्नाटक सरकार पंचमसाली विरोध प्रदर्शन को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की भी मांग की। महंत ने कहा राज्य सरकार विरोध प्रदर्शन को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने वाहनों पर प्रतिबंध भी लगाया और हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए जगह देने से इनकार कर दिया। इन सबके बावजूद 50,000 लोगों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन विरोध प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं, महिलाओं और किसानों को बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया गया। महंत ने दावा किया सिद्धरामैया इस सब के लिए जिम्मेदार हैं। हम अपने भविष्य के विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाएंगे। सरकार को आज की मनमानी के परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस ने पंचमसाली लिंगायतों के वोट लिए और सत्ता में आई। आज, हमारे अधिकारों को सुनने की जहमत नहीं उठाई जा रही है। हमारी एकमात्र मांग थी कि सिद्धरामैया मंच पर आएं और हमें आश्वासन दें। हमारे पास आए तीन मंत्रियों ने आश्वासन नहीं दिया, बल्कि दावा किया कि वे हमारी राय जानने आए हैं।

पुलिस ने उन पर हमला करने की भी कोशिश की

अगर सिद्धरामैया आकर हमें आश्वासन देते तो मामला सुलझ जाता। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस ने उन पर हमला करने की भी कोशिश की, लेकिन उनके समुदाय के सदस्यों ने उनकी रक्षा की। उन्होंने मुझे गिरफ्तार करने का भी प्रयास किया। अगर उन्होंने मुझे छुआ होता, तो पूरा कर्नाटक जल उठता। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ बल प्रयोग किया है, जिन्हें चोटें आई हैं। पंचमसाली लिंगायत समुदाय का आंदोलन उस समय हिंसक हो गया, जब भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया और बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा की घेराबंदी करने का प्रयास किया। पुलिस ने सुवर्ण विधान सौधा की ओर जा रहे प्रदर्शनकारियों को रोक दिया और उन्हें चेतावनी दी कि उन्हें आगे मार्च करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर और जूते फेंके, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

पात्र लोगों का बीपीएल राशन कार्ड रद्द नहीं किया गया: मंत्री मुनियप्पा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने स्पष्ट किया कि सरकार ने किसी भी पात्र बीपीएल परिवार का राशन कार्ड रद्द नहीं किया है। मंत्री केएच मुनियप्पा ने गुरुवार को बेलगावी सुवर्णसौधा में शीतकालीन सत्र के दौरान बंटवाल विधायक राजेश नाइक द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में यह बता कही। राज्य में बीपीएल राशन कार्ड प्राप्त करने के मानदंड 2017 में तैयार किए गए थे। इसके अनुसार, सरकारी या सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त संगठनों या सरकार प्रायोजित सरकारी स्वामित्व वाले संगठनों, बोर्डों, निगमों, स्वायत्त संगठनों के कर्मचारियों को बीपीएल कार्ड नहीं मिल सकता है। इसके साथ ही आयकर, सेवा कर, जीएसटी, पेशा कर देने वाले सभी परिवार बीपीएल के अंतर्गत नहीं आएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 3 हेक्टेयर सूखी भूमि या समतुल्य सिंचित भूमि, शहरी क्षेत्रों में 1,000 वर्ग फुट से अधिक का पक्का घर होना, आजीविका के लिए स्व-चालित वाणिज्यिक वाहन यानी ट्रैक्टर, मैक्सीकैब, टैक्सी आदि रखने वाले परिवार भी इसमें शामिल नहीं है। चार पहिया वाहनों के मालिक, वार्षिक पारिवारिक आय 1.20 लाख से अधिक संख्या वाले परिवारों को बीपीएल राशन कार्ड से बाहर किया जाएगा। स्वास्थ्य संबंधी कार्ड संबंधित जिला अधिकारियों द्वारा जारी किया जाता है। कार्डों को केंद्र सरकार के मानदंडों के तहत संशोधित किया जाता है। कोई अनावश्यक भ्रम नहीं। निरस्त स्वास्थ्य लिंकेज बीपीएल कार्ड तत्काल बहाल किये जाएंगे। मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को कार्ड बांटने का निर्देश दिया है ताकि कोई भ्रमित न हो। भले ही माता-पिता की आय अधिक हो, यदि परिवार के सदस्य अलग रहते हैं और बीपीएल राशन कार्ड के लिए पात्र हैं, तो राशन कार्ड जारी करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। पात्र परिवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रदेश में 03 लाख कार्ड पुनः स्थापित किये गये हैं। इनकम टैक्स भरने वाले 98473 राशन कार्ड और 4036 सरकारी कर्मचारियों के बीपीएल कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए पहले ही उचित कार्रवाई की जा चुकी है कि किसी भी पात्र बीपीएल कार्डधारक को असुविधा न हो। मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज प्राप्त करने के बाद जगह की जांच करने के बाद नया बीपीएल कार्ड जारी करने की कार्रवाई की जाएगी।

किसान आत्महत्या पोस्ट मामला

कोर्ट ने तेजस्वी सूर्या के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष और बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को खारिज कर दिया है। हावेरी पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी, सूर्या द्वारा एक किसान की आत्महत्या के संबंध में सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट पर आधारित थी, जिसे उन्होंने कथित वक्फ बोर्ड भूमि दावों से जोड़ा था।

सूर्या द्वारा दायर याचिका में तर्क दिया गया कि प्राथमिकी निराधार और राजनीति से प्रेरित थी। विस्तृत सुनवाई के बाद, न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने के बाद मामले को खारिज कर दिया।

सूर्या का प्रतिनिधित्व करने वाली वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम ने अदालत को सूचित किया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सांसद द्वारा पोस्ट मृतक किसान के पिता द्वारा कर्नाटक वक्फ बोर्ड से जुड़े भूमि विवादों से संबंधित शिकायतों को उजागर करने के बाद किया गया था। सूर्या के पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि आत्महत्या बोर्ड के भूमि दावों से जुड़ी थी। हालांकि, हावेरी के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार ने बाद में स्पष्ट किया कि जनवरी 2022 में आत्महत्या करने वाले किसान रुद्रप्पा ने फसल के नुकसान और कर्ज के कारण ऐसा किया था, न कि वक्फ से संबंधित मुद्दों के कारण। श्याम ने कर्नाटक राजस्व विभाग द्वारा भूमि अभिलेखों में किए गए संशोधनों पर चिंताओं की ओर भी इशारा किया, जिसमें कथित तौर पर विभिन्न जिलों में किसानों के स्वामित्व के विवरण को वक्फ बोर्ड के नाम से बदल दिया गया था। उन्होंने बताया कि इन परिवर्तनों ने किसानों में चिंता पैदा कर दी, जिसके कारण विरोध प्रदर्शन हुए और राज्य सरकार ने बाद में संशोधनों को वापस ले लिया। वकील ने उल्लेख किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य के रूप में सूर्या ने जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल के साथ विजयपुरा में किसानों से मुलाकात की थी। सूर्या के वकील ने कहा कि इस यात्रा ने वक्फ से संबंधित भूमि दावों के कारण कर्नाटक में किसानों के सामने आने वाले मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया, जिसे सूर्या ने अपनी अब हटाई गई पोस्ट में उजागर किया था।

बेंगलूरु में राज नहरों के व्यापक विकास के लिए 3000 करोड़ की योजना: राजस्व मंत्री

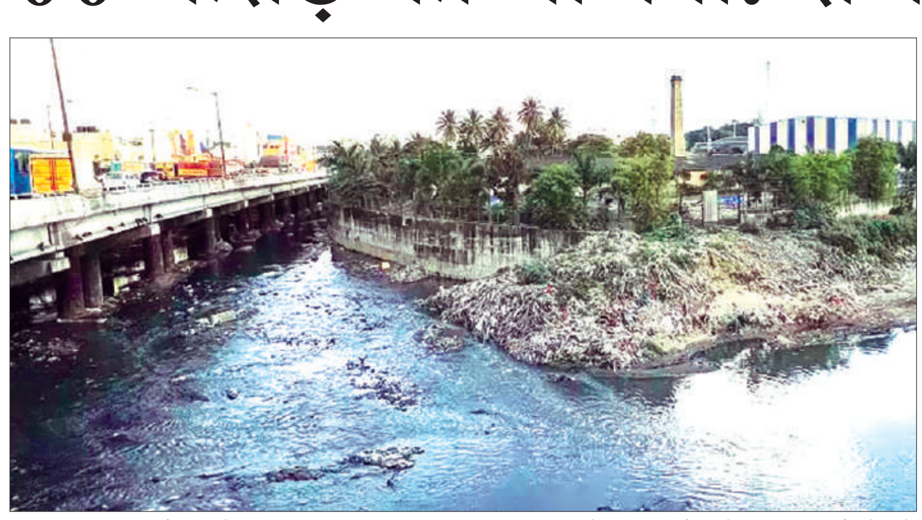

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि बारिश के मौसम में घरों में पानी घुसने से रोकने के लिए राजधानी बेंगलूरु में शाही नहरों के व्यापक विकास के लिए तीन हजार करोड़ रुपये की लागत से एक योजना बनाई गई है। उन्होंने बेलगावी के सुवर्णसौधा में शीतकालीन बैठक में बारिश से हुए नुकसान पर सहज बयान दिया और कहा कि बेंगलूरु में शाही नहरों की मरम्मत और भूमि धंसाव सहित समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के लिए पांच हजार करोड़ रुपये की एक व्यापक योजना तैयार की गई है। बारिश से बेंगलूरु को भी काफी नुकसान हो रहा है। पानी सुचारू रूप से नहीं बह रहा है और रिहायशी इलाकों में घुस रहा है। इस प्रकार, उन शाही नहरों को विकसित करने का निर्णय लिया गया है जिनसे पानी बहता है। उन्होंने राजस्व विभाग को कुछ निर्देश भी दिये हैं। बेंगलूरु में, 856 किमी निम्न मीटर प्राथमिक और दूसरे चरण की राज्य नहरें हैं। इसके अलावा, 200 किमी टेसरी नहरें हैं जहां कोई राज नहर नहीं है। उन्होंने कहा कि कुल 1100 किलोमीटर लंबी नहरों का स्थायी तौर पर पुनर्निर्माण किया जाएगा, ताकि पानी का प्रवाह सुचारू रूप से हो सके। इससे पहले, जब सिद्धरामैया मुख्यमंत्री थे, तब 570 किमी का विकास किया गया था। फिर पांच साल में सिर्फ 100 किमी का ही विकास हो सका है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने बैठक कर राज नहरों का पूर्ण विकास करने का निर्देश दिया था। आपदा न्यूनीकरण निधि से प्रथम चरण में 240 करोड़ रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया गया है। यह काम कुछ महीनों में शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने नहरों का काम एक अवधि में पूरा करने का सुझाव दिया और फंड जुटाने के लिए विश्व बैंक के साथ दस बैठकें हो चुकी हैं। बेंगलूरु में जहां जलमंडल नहीं है, वहां राजकनालू में पानी आ रहा है, जिसे रोकने की जरूरत है। शेष 300 कि.मी. राजकालू का काम पूरा होना चाहिए। कुल तीन हजार करोड़ रुपए की योजना बनाई गई है। जिसमें से 2000 करोड़ रुपये बीबीएमपी को और 1000 करोड़ रुपये बीडब्ल्यूएसएसबी को बाहरी क्षेत्र के गांवों में जल निकासी के निर्माण के लिए दिए जाएंगे। बेंगलूरु में पानी बढ़ाने और इसे पड़ोसी जिलों में पहुंचाने के लिए 200 करोड़ रुपये और राज्य भर में भूमि धंसाव को रोकने के लिए कुल 5000 करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है। इसके लिए विश्व बैंक तीन हजार करोड़ रुपये कर्ज के रूप में देगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सहमत शेष दो हजार करोड़ रुपये प्राकृतिक आपदा राहत कोष और वित्त विभाग से प्राप्त किये जायेंगे। शहरी क्षेत्रों में बारिश के दौरान घरों को डूबने से बचाने के लिए सभी जिलों में 184 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्य किये जायेंगे। बाढ़ रोकने के लिए नहर का निर्माण, विच्छेदन के समय आवश्यक पुल का निर्माण सहित अन्य कार्य किये जायेंगे। जिलों से प्रस्ताव प्राप्त कर 259 कार्य तैयार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में आपदा शमन कोष में और 300 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा।

राज्य में वर्षा आपदा से 133 लोगों की मौत

राहत कार्यों के लिए 297 करोड़ रुपये किए गए जारी: कृष्णा गौड़ा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि राज्य में मानसून और मान-सूनी आपदाओं के कारण 133 लोगों की जान चली गई और राज्य सरकार ने पुनर्वास और राहत कार्यों के लिए 297 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने बेलगावी के सुवर्णसौधा में चल रहे शीतकालीन सत्र में बारिश से हुए नुकसान पर सहज बयान देते हुए कहा कि भारी बारिश के कारण सड़कें और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कई विधायकों ने बारिश से हुए नुकसान के मुआवजे के लिए आवेदन दिया है। राज्य में 20 साल से कोई न कोई प्राकृतिक आपदा आती आ रही है। वर्ष 2000 से लेकर लगभग 15 से 17 वर्षों तक सूखा पड़ा है। कुछ वर्षों में अत्यधिक वर्षा होती है। 2018, 2019, 2022 और इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। ओलावृष्टि से फसल क्षति एवं जनहानि हुई है। बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ी हैं, पहले प्रति वर्ष 10 मौतें होती थीं, हाल ही में प्रति वर्ष 60 मौतें दर्ज होने लगी। तेज हवाओं के कारण कटे हुए चावल और अन्य फसलें नष्ट हो गईं। 2019 और 2024 में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस तरह से कई मामले बढ़ रहे हैं। सरकार ने एहतियात के तौर पर काम किया है। पिछले साल भीषण सूखे के कारण राज्य सरकार ने 800 करोड़ रुपये खर्च कर राहत उपाय किये थे। केंद्र सरकार ने कोर्ट के निर्देशानुसार एनडीआरएफ को सहायता उपलब्ध करायी थी। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग करने वाले 45 लाख किसानों को चार हजार करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर दिये गये हैं। इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। मॉनसून में 850 मिमी बारिश आम बात है। इस साल 978 मिमी बारिश हुई, जो 20 प्रतिशत से भी ज्यादा है। हिंगारी में 173 मिमी के मुकाबले 213 मिमी बारिश हुई। इसमें 23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पूर्वी मानसून, मानसून और हिंगारी में औसत वर्षा 20 प्रतिशत से अधिक रही। उन्होंने बताया कि कुछ जगहों पर कम बारिश हुई है। राज्य में 10 कृषि जलवायु क्षेत्र हैं। 450 मिमी से 4500 मिमी तक वर्षा वाले विविध क्षेत्र हैं। बारिश की आपदाओं में 133 लोगों की जान चली गई है। कुछ अन्य लोग बाढ़ के पानी में गिरने के बाद उफनती झील में डूब गए। उनके परिवार को 5-5 लाख रुपये के हिसाब से 6.64 करोड़ रुपये दिए गए हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल मवेशियों की जान का नुकसान कम है। हालांकि, 714 छोटे और बड़े मवेशियों की जान चली गई है और 1.20 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। मानसून में 1,59,718 हेक्टेयर फसल को नुकसान हुआ।

मुआवजे के तौर पर 94.94 करोड़ रुपये बांटे जा चुके हैं। हिंगारी में 1,45,254 हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई, जिसके लिए हमने 112 करोड़ का मुआवजा मंजूर किया। कुछ हिस्सों में मुआवजा दिया जा चुका है और बाकी हिस्सों में आज भी पैसा दिया जा रहा है। 20,893 घर क्षतिग्रस्त हो गए और 3200 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए। 82.20 करोड़ का मुआवजा दिया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वर्षा क्षति मुआवजे के रूप में कुल 297 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे पड़ोसी राज्यों में भी भारी बारिश हुई है और सीमावर्ती इलाकों में नदियाँ उफान पर हैं, सड़कें, स्कूल-आंगनवाड़ी कमरे और बिजली के बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की आपातकालीन राहत के लिए 80.47 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं।

15 करोड़ की रिलीज बाकी

60.16 करोड़ रुपये जारी किये गये हैं। 15 करोड़ की रिलीज बाकी है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण, ग्रामीण विकास, स्कूल शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग को पैसा जारी कर दिया गया है। जिला कलक्टर और तहसीलदार के खाते में 579 करोड़ बचे हैं। आपातकालीन राहत कार्य करने का अवसर है। हमने 11,171 परिवारों को 5,000 रुपये प्रति दिन के दैनिक खर्च के लिए कुल 5.62 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं, जिनके घर बाढ़ में डूब गए थे। जो लोग बाढ़ के कारण घर पर नहीं रह सकते, उनके लिए 290 देखभाल केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने बताया कि वहां 25,914 पीड़ितों को आश्रय दिया गया है। एसटीआरएफ, एनडीआरएफ टीमों को तैनात किया गया है और सहायता प्रदान की गई है।

वक्फ विवाद पर चर्चा की अनुमति नहीं देने पर राज्य भाजपा विधायकों ने विधानसभा से किया वॉकआउट

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा विधायकों ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर पर पार्टी को वक्फ बोर्ड का मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए विधानसभा से वॉकआउट किया। विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक के नेतृत्व में विधायकों ने तब वॉकआउट किया जब कांग्रेस विधायकों ने मांग की कि भाजपा विधायक एन. मुनिरत्न के खिलाफ कथित हनी ट्रैप और विरोधियों को एचआईवी संक्रमित करने के आर-ोपों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। वॉकआउट के बाद, एलओपी अशोक और राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने सुवर्ण विधान सौधा में एक साथ मीडिया को संबोधित किया। अशोक ने कहा कि अध्यक्ष एकतरफा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा सोमवार को मैंने उनसे विधानसभा में वक्फ विवाद का मुद्दा उठाने का अनुरोध किया था। आम तौर पर प्रश्नोत्तर सत्र के बाद समय दिया जाता है। जानबूझकर, राज्य सरकार चर्चा की अनुमति नहीं दे रही है। अशोक ने

कहा इसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के अग्रणी नेताओं की संलिप्तता स्पष्ट है। इस संबंध में प्रस्तुतीकरण के चार दिन बीत चुके हैं।

हम वक्फ विवाद, मातृ मृत्यु, नवजात शिशुओं की मृत्यु, 700 करोड़ रुपये के आबकारी घोटाले, उत्तरी कर्नाटक के विकास के मुद्दे उठाना चाहते हैं। जब भी जोरदार मांग की जाती है, सदन स्थगित कर दिया जाता है। धन जारी न किए जाने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा स्पीकर खादर को मंत्री का पद नहीं दिया गया है। वह विधानसभा सत्र के दौरान अपना गुस्सा दिखा रहे हैं। अशोक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता योजनाबद्ध तरीके से भाजपा से झगड़ रहे हैं और विरोध में भाजपा विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

अशोक ने आरोप लगाया दूसरी ओर, कांग्रेस के सदस्य अध्यक्ष की बातों का सम्मान नहीं करते। अध्यक्ष भी एकतरफा हैं और सत्ताधारी सरकार के इशारे पर नाच रहे हैं। इससे क्या संदेश जाएगा? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य विधानसभा में विपक्षी दल के बहस करने के संवैधानिक अधिकार को छीनने की रणनीतिक साजिश रची है। अशोक ने कहा वक्फ विवाद के बाद राज्य में किसान सड़कों पर आ गए हैं, मातृ मृत्यु की खबरें आ रही हैं और इन मुद्दों पर सत्र में चर्चा होनी चाहिए। सत्र में भाग लेने के मेरे 26-27 वर्षों में ऐसा कुछ नहीं हुआ। प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा कि अध्यक्ष का आचरण संदिग्ध है। सत्ताधारी दल वक्फ विवाद और मातृ मृत्यु पर चर्चा करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। उन्होंने कहा सत्र के संचालन से संबंधित सभी नियमों का उल्लंघन किया गया है। हमने वरिष्ठ विधायकों के साथ अध्यक्ष से उनके कक्ष में मुलाकात की और उनसे कहा कि अब बहुत हो गया। कार्यवाही पूरी हो चुकी है और वक्फ मुद्दे को उठाने का मौका नहीं दिया गया। इसके बजाय, अन्य मामलों को उठाया गया।

विधायक जेल गए और बाहर आ गए

कांग्रेस द्वारा भाजपा विधायक मुनिरत्न के हनीट्रैप मामले पर चर्चा करने की कोशिश के बारे में पूछे जाने पर, विजयेंद्र ने कहा कि मामला अदालत में है। विधायक जेल गए और बाहर आ गए, आप उनके बारे में सत्र में क्या चर्चा करने जा रहे हैं? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दो दिनों से सत्र में नहीं आए हैं। शीतकालीन सत्र का पूरा एक सप्ताह बीत चुका है। यह लोकतंत्र की हत्या है। अध्यक्ष ने अनुभव मंडप के चित्र के उद्घाटन पर आधे दिन की चर्चा की अनुमति दी थी जैसे कि सीएम सिद्धरामैया ने कोई स्मारक बनवाया हो। विपक्ष अपना काम नहीं कर पा रहा है। कर्नाटक में किसानों की जमीन और धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों को कथित तौर पर वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में सूचीबद्ध करने के खिलाफ भाजपा ने आंदोलन शुरू किया है। तीखी प्रतिक्रिया के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की कि वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों और अन्य लोगों को दिए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे तथा भूमि अभिलेखों को सही किया जाएगा।

सदन में अधिक समय का मतलब है जीतने की अधिक संभावना: स्पीकर यूटी खादर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने विधानसभा में कहा कि जो लोग सदन में अधिक समय बिताते हैं इससे उन्हें बेहतर राज-नेता बनने में मदद मिलेगी। शुक्रवार सुबह जब सदन बुलाया गया तो गुरुवार को समय पर पहुंचने वाले विधायकों और रात 10 बजे तक सदन में मौजूद रहे विधायकों और मंत्रियों के नाम पढ़े गए। उन्होंने कहा नोटिस खत्म होने के तुरंत बाद विधायकों का सदन से बाहर जाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर वह सदन में अधिक समय तक रहेंगे और गतिविधियों में भाग लेंगे तो उनका अनुभव बढ़ेगा और उन्हें बड़ा पद मिलेगा। डॉक्टरों के लिए मेडिकल कॉलेज और वकीलों के लिए लॉ कॉलेज हैं। पेशेवरों को संबंधित संस्थानों में उचित प्रशिक्षण, प्रशिक्षण मिलता है। लेकिन राज-नेताओं के लिए कोई प्रशिक्षण संस्थान नहीं हैं। इस प्रकार सदन अपने आप में एक अकादमी की तरह है।

यदि आप लंबे समय तक यहां की कार्यवाही में भाग लेते हैं, यदि आप बड़ों की बातें सुनते हैं, तो आप एक अच्छे राजनीतिज्ञ बन सकते हैं। वरिष्ठ विधायकों की बातें सबक हैं। देश की जनता देखेगी कि आप सदन में किस तरह से भाग लेते हैं। उन्होंने ये बात उन लोगों से कही जो सदन में आकर सवाल-जवाब का सत्र नहीं ले पाए।

वाहन चोरी में शामिल व्यक्ति गिरफ्तार, 40 मोबाइल फोन बरामद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मिको लेआउट पुलिस ने शुक्रवार को दोपहिया वाहन चोरी के दो मामलों को सुलझाया और 5.6 लाख रुपये मूल्य के दो वाहनों के साथ 40 चोरी किए गए मोबाइल फोन बरामद किए। कुवेम्पु नगर, बीटीएम लेआउट से चोरी हुए दोपहिया वाहन के बारे में 24 नवंबर को शिकायत दर्ज होने के बाद जांच शुरू हुई थी। सूचना के आधार पर, पुलिस ने 5 दिसंबर को अरेकेरे सम्राट लेआउट के पास संदिग्ध को पकड़ा, चोरी का वाहन और 10 मोबाइल फोन बरामद किए।

पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने बन्नेरघट्टा में अपने निवास पर छिपाए गए एक अन्य चोरी किए गए दोपहिया वाहन और 30 मोबाइल फोन का स्थान बताया, जिसे 8 दिसंबर को बरामद किया गया।

पूछताछ के बाद, संदिग्ध ने बीटीएम लेआउट में विवेकानंद ग्राउंड के बगल में एक खाली प्लॉट के पास एक और दोपहिया वाहन का स्थान बताया। आरोपी को 6 दिसंबर को पुलिस हिरासत में और बाद में 9 दिसंबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कुल मिलाकर, पुलिस ने 5.60 लाख रुपये मूल्य के 2 दोपहिया वाहन और 40 मोबाइल फोन बरामद किए। बेंगलूरु पुलिस ने कहा कि बेंगलूरु सिटी डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस साउथ ईस्ट डिवीजन सारा फातिमा, आईपीएस और एमआईसीओ लेआउट सब-डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त शिवशंकर रेड्डी के मार्गदर्शन में सफल जांच की गई। जांच का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक, एमआईसीओ लेआउट पुलिस स्टेशन ने किया।

साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों की एक समर्पित टीम ने भी जांच की। इससे पहले, एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में, बेंगलूरु पुलिस ने बेंगलूरु के कम्मनहल्ली मेन रोड के संपन्न लेआउट में दर्ज बहु-चोरी मामले को सुलझाया। 3 नवंबर को संपन्न लेआउट में एक किराए के घर के निवासियों द्वारा शिकायत दर्ज किए जाने के बाद जांच शुरू हुई। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि वेल्लोर में रहने के दौरान उनके घर में चोरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप 108 ग्राम सोना, 300 ग्राम चांदी और 15,000 रुपये नकद चोरी हो गए। 3 नवंबर को लौटने पर, उन्होंने पाया कि दरवाजा टूटा हुआ था और उनका लॉकर लूटा गया था।

जांच के दौरान, पुलिस ने कई सुरागों पर काम किया, लेकिन 24 नवंबर को नियमित गश्त के दौरान, पुलिस ने बिना नंबर प्लेट वाले दोपहिया वाहन पर तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ करने पर, संदिग्धों ने संपन्न लेआउट चोरी सहित कई चोरियों को कबूल किया। आगे की पूछताछ में पता चला चोरी का सोना और चांदी चिकपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर एक दुकान में बेचा गया था। चोरी के मामले के बाद दुकानदार को 26 नवंबर को नोटिस जारी किया गया और 180 ग्राम सोना और 4.8 किलो चांदी बरामद की गई।

भाजपा के गढ़ गंगोली ग्राम पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की

कुंडापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में हुए मतदान के दौरान गंगोली ग्राम पंचायत चुनाव में कांग्रेस विजयी हुई, जिसे पहले भाजपा का गढ़ माना जाता था। वोटों की गिनती तालुक कार्यालय मिनी सौधा में हुई।

कांग्रेस और एसडीपीआई समर्थित उम्मीदवारों ने पंचायत की 33 सीटों में से 19 पर जीत हासिल की। भाजपा को 12 सीटें मिलीं, जबकि दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं। पहले वार्ड की पांच सीटों पर गुरुराजा, रेखा खारवी, सरोजकृष्ण पुजारी, नागराजा खारवी और नागरत्न शेरुगर विजयी हुए। दूसरे वार्ड के विजेताओं में तबराइस, शेरेना, अबूबकर नाकुडा और रज्जब शामिल थे। तीसरे वार्ड में दीपा, गोपाल खारवी, ममता गनिगा और श्यामला शेडती ने जीत का दावा किया। चौथे वार्ड में महेश, अम्मू मोगेर्टी, शोभा कृष्णा बिलावा और देवेन्द्र खारवी ने जीत हासिल की। पांचवें वार्ड में लक्ष्मी पुजारी, जन्नी खारवी, गणेश पुजारी और जयेंद्र खारवी ने जीत दर्ज की। छठे वार्ड में मंजुला देवाडिगा, मैक्सिम अल्बर्ट फर्नांडीस और मोमिन समीर अहमद विजेता रहे। सातवें वार्ड में सुरेखा कानोजी, श्रीनाथ खारवी और रियाज अहमद ने सीटें हासिल कीं, जबकि आठवें वार्ड में अक्कम्मा यू कुमार, अश्विनी खारवी, चंद्र खारवी और राजेंद्र ने जीत हासिल की।

एक राष्ट्र, एक चुनाव ढांचा शासन स्थिरता सुनिश्चित करेगा: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने संविधान संशोधन के माध्यम से एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली शुरू करने के साहसिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने इस पहल का विरोध करने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि वे देश के विकास के खिलाफ हैं। नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए बोम्मई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रणाली को लागू करने के लिए संविधान संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इसे इसी संसदीय सत्र में पेश किया जा सकता है। बोम्मई ने कहा यह एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा सहकारी निकायों से लेकर पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव तक, देश लगातार चुनाव मोड में रहता है। इसमें भारी मात्रा में संसाधन खर्च होते हैं और विकास कार्य बाधित होते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि

एक राष्ट्र, एक चुनाव ढांचा शासन स्थिरता सुनिश्चित करेगा, जो विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा किसी अन्य देश में इतनी बार चुनाव नहीं होते हैं। इस मुद्दे पर दशकों से बहस चल रही है। प्रधानमंत्री ने अब एक साहसी निर्णय लिया है जिसका दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव होगा। बोम्मई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों पर आधारित है। उन्होंने नागरिकों से इस पहल का स्वागत करने और समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसका विरोध करने वाले लोग राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं और देश की प्रगति के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी को इस साहसिक कदम के लिए बधाई दी जानी चाहिए। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डी.के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि यह कदम क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने के लिए बनाया गया है। विजयपुरा में बोलते हुए शिवकुमार ने कहा यह छोटी पार्टियों को खत्म करने की योजना है। उन्हें लगता है कि तृणमूल कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टियों और तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में अन्य क्षेत्रीय दल मजबूत हो रहे हैं। वे इसे रोकना चाहते हैं। उन्होंने आगे भाजपा पर संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए इस एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कुछ राज्य सरकारें हाल ही में चुनी गई हैं, जबकि अन्य दो या तीन साल पहले चुनी गई हैं। यह निर्णय एक विशिष्ट एजेंडे के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है। शिवकुमार ने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी इस मामले पर अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के रुख के अनुरूप काम करेगी, जैसा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रेखांकित किया है।

अनुदान जारी करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछड़े वर्ग के निगमों को अनुदान जारी करने की मांग को लेकर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा शुक्रवार को फ्रीडम पार्क में एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रघु कौटिल्य, पूर्व विधायक एम.डी. लक्ष्मीनारायण, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महासचिव बी. सोमशेखर, प्रदेश उपाध्यक्ष बी. गोविंदराजू, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु महानगर के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चलवाडी नारायणस्वामी ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर विपक्ष के विरोध की आलोचना की

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधान परिषद के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने शुक्रवार को एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए समर्थन व्यक्त किया और प्रस्ताव के खिलाफ विपक्ष के विरोध पर सवाल उठाया। नारायणस्वामी ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' सरकार के वित्तीय बोझ को कम करेगा और चुनाव की लागत को कम करेगा। उन्होंने सभी से इस पहल का समर्थन करने का आग्रह किया। चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा वे (विपक्ष) (एक राष्ट्र एक चुनाव) का विरोध क्यों कर रहे हैं? इंदिरा गांधी भी यही कर रही

थीं। एक राष्ट्र एक चुनाव से सरकारी खजाने पर बोझ नहीं पड़ेगा। चुनाव के मामले भी अब बहुत महंगे हो गए हैं, इन चीजों को नियंत्रित करने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है। सभी को इस कदम का समर्थन करना चाहिए। एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक को गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी, जिससे संसद में इसे पेश करने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, संसद में पेश होने से पहले, विधेयक ने सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच बहस शुरू कर दी। भारत के कई दलों ने इस विधेयक का विरोध किया, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन दलों ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि इससे समय की बचत होगी और पूरे देश में एकीकृत चुनावों की नींव रखी जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि इस साल सितंबर में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य 100 दिनों के भीतर शहरी निकाय और पंचायत चुनावों के साथ-साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट में इन सिफारिशों को रेखांकित किया गया था। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फैसले की प्रशंसा करते हुए इसे भारत के लोकतंत्र को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मंत्रिमंडल ने एक साथ चुनाव कराने पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास की अगुवाई करने और विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की सराहना करता हूं। यह हमारे लोकतंत्र को और भी अधिक जीवंत और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोविड के दौरान कर्नाटक में निजी स्कूलों ने छात्रों से वसूले करोड़ों रुपये

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोविड महामारी के दौरान कर्नाटक के निजी स्कूलों में करोड़ों रुपये की वसूली को लेकर नियत्रंक एवं महालेख परीक्षक कैग ने रिपोर्ट जारी किया है। इसमें दावा किया गया है कि कर्नाटक के निजी स्कूलों ने 2020-21 में कोविड-19 महामारी के दौरान

छात्रों से 345.80 करोड़ रुपये की अतिरिक्त फीस वसूली। यह न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन है। कैग ने बताया कि स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के पास निजी स्कूलों द्वारा ली गई फीस पर निगरानी रखने का कोई तरीका नहीं है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि निगरानी की इस कमी के कारण फीस नियमों का पालन नहीं हुआ। इसके अलावा, सरकार ने ऑनलाइन स्कूलों को नियामक ढांचे में शामिल नहीं किया, जिससे असमानता और भेदभाव बढ़ा। इसके साथ ही कैग ने स्वास्थ्य क्षेत्र पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मार्च 2022 तक 17.79 करोड़ रुपये की कोविड-19 दवाएं सरकार को नहीं मिलीं। सरकार ने 665 करोड़ रुपये की दवाओं का ऑर्डर दिया था, लेकिन 415 करोड़ रुपये की दवाएं एक से 252 दिनों तक की देरी से आईं।

इसके अलावा, 288 करोड़ रुपये के उपकरणों की आपूर्ति में 217 दिनों की देरी हुई। वहीं, 405 करोड़ रुपये के उपकरणों की आपूर्ति का विवरण कैग को नहीं दिया गया।

बस ने स्कूटर को टक्कर मारी, सवार सुरक्षित बचा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के लालबाग जंक्शन पर गुरुवार को एक निजी बस ने एक स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। सौभाग्य से, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। स्कूटर केएसआरटीसी बस स्टैंड से लेडीहिल सर्किल की ओर जा रहा था, तभी दोपहिया वाहन के पीछे

चल रही बस ने उसे टक्कर मार दी। बस का चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया, जिससे स्कूटर बस के नीचे जा घुसा। सौभाग्य से, बस चालक ने समय रहते ब्रेक लगा दिए। स्कूटर का पिछला हिस्सा बस के अगले पहिये के नीचे फंस गया। दुर्घटना के समय स्कूटर पर केवल एक ही सवार था। बाद में बस को पीछे मोड़कर स्कूटर को सुरक्षित निकाला गया।

भारत ने हासिल की एयर-टु-एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी।

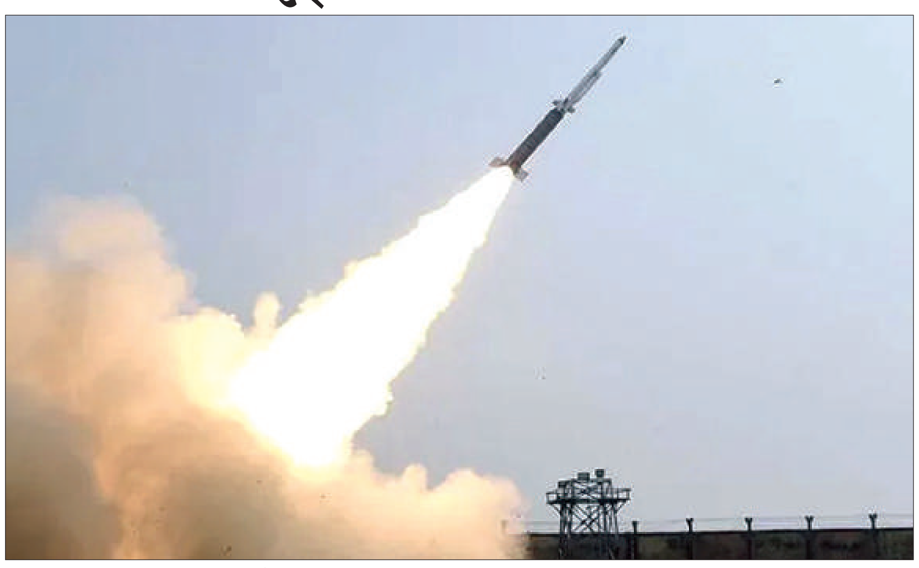

डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है। एसएफडीआर का विकास 2013 में शुरू हुआ और वास्तविक प्रदर्शन शुरू करने के लिए पांच साल की समय सीमा तय की गई। मिसाइल का ग्राउंड आधारित परीक्षण 2017 में शुरू हुआ था। सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट का पहला परीक्षण 30 मई, 2018 को किया गया था।

इस परीक्षण के जरिये भारत ने पहली बार नोजल-कम बूस्टर का प्रदर्शन किया। दूसरा परीक्षण 8 फरवरी, 2019 को हुआ, जिसमें मिसाइल ने लक्ष्य के मुताबिक वांछित गति से आखिरकार जमीन को छू लिया। इसके बाद 08 अप्रैल, 2022 को हुए बूस्टर तकनीक का सफल परीक्षण किया गया। अब अंतिम परीक्षण में भारत ने एयर-टु-एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है।

रक्षा वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि भारत लंबी दूरी की हाइ-परसोनिक मिसाइल विकसित करने वाला पहला देश है, जो ध्वनि की गति से आठ गुना अधिक गति से यात्रा कर सकती है और वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी में एक गेम-चेंजर है, जो किसी अन्य देश के पास नहीं है। डीआरडीओ ने हाल ही में देश की पहली लंबी दूरी की हाइ-परसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया, जो लगभग 3 किमी प्रति सेकंड की गति से 1,500 किमी से अधिक दूरी तक पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है।

भारत के पास अब हाइ-परसोनिक मिसाइल है, जो गति, सीमा, सटीकता और पता लगाने की क्षमता के मामले में गेम-चेंजर है, जिससे सशस्त्र बलों को बढ़त हासिल होगी।

भारत ने कनाडा में भारतीय छात्रों की हत्या पर दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने कनाडा में तीन भारतीय छात्रों की हत्या पर दुख व्यक्त किया है और बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए भारतीय नागरिकों और छात्रों को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कनाडा में भारतीय छात्रों के साथ हुई घटना के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम कनाडा में हमारे नागरिकों पर हुई इन भयानक त्रासदियों से दुखी हैं। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा, टोरंटो और वैंकूवर में हमारा उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास इस मामले में हर संभव मदद कर रहे हैं। वे इन घटनाओं की गहन जांच के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं।

श्री जायसवाल ने कहा, कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके, विशेष रूप से भारतीय छात्रों के सामने आने वाले मुद्दों को हमारे उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों द्वारा नियमित आधार पर संबंधित कनाडाई अधिकारियों के साथ उठाया जाता है। घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं के परिणामस्वरूप कनाडा में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए हमने अपने नागरिकों और भारतीय छात्रों को अत्यधिक सावधानी बरतने और सतर्क रहने के लिए सलाह भी जारी की है।

उन्होंने कनाडा के नागरिकों को भारतीय वीज़ा देने से संबंधित रिपोर्टों के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमने उक्त मीडिया रिपोर्ट देखी है। यह भारत को बदनाम करने के लिए कनाडाई मीडिया के दुष्प्रचार का एक और उदाहरण है। भारतीय वीज़ा देना हमारा संप्रभु कार्य है और हमारी क्षेत्रीय अखंडता को कमज़ोर करने वालों को वीज़ा देने से इनकार करने का हमारे पास वैध अधिकार है। इस मामले पर कनाडाई मीडिया में जो टिप्पणी हम देखते हैं वह भारत के संप्रभु मामलों में विदेशी हस्तक्षेप के समान है।

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला: शीर्ष अदालत ने दी पूर्व मंत्री को जमानत

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में कथित शिक्षक भर्ती घोटाले के मुख्य आरोपी राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज धन शोधन मामले में एक फरवरी, 2025 से शुक्रवार को जमानत दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने यह आदेश पारित करते हुए कहा, याचिकाकर्ता को एक फरवरी 2025 को रिहा किया जाएगा। यदि आरोप तय करने और गवाहों की जांच पहले की जाती है तो उन्हें उसके तुरंत बाद रिहा कर दिया जाएगा। पीठ ने यह भी कहा कि श्री चटर्जी को विधानसभा के सदस्य के अलावा किसी भी सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत याचिका मंजूर करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश (जमानत का) केवल प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज किए गए धन शोधन मामले से संबंधित है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहित आरोपियों के खिलाफ किसी अन्य मामले से संबंधित नहीं है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने निचली अदालत को इस महीने आरोप तय करने और 30 जनवरी तक कमजोर गवाहों के बयान दर्ज करने का भी निर्देश दिया।अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता आरोप तय करने को चुनौती दे सकता है, लेकिन गवाहों की जांच की जानी चाहिए।

पीठ ने कहा कि उसने जमानत न्यायशास्त्र के सामान्य सिद्धांतों के अनुसार यह आदेश पारित किया। अपने आदेश में पीठ ने यह भी कहा कि अपीलकर्ता के दावे को हजारों मेधावी अभ्यार्थियों (प्रभावित लोगों) पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की परिस्थितियों के मद्देनजर समझा गया।

पीठ ने कहा कि विचाराधीन कैदी (अपीलकर्ता) को कैद करने से दंडात्मक हिरासत का मकसद पूरा नहीं हो सकता।

श्री चटर्जी को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए ईडी ने 23 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया था और तब से उन पर धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत आरोप हैं। ईडी का दावा है कि इस मामले में उनसे बड़ी रकम भी बरामद की गई थी। उन्हें गिरफ्तारी के बाद मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सभी पदों से मुक्त कर दिया गया था।

सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने सीरिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है जबकि दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावास ने अन्य भारतीयों को निकालने की तैयारी कर ली है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में सीरिया के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, सीरिया में भारतीय दूतावास लगातार काम कर रहा है। हमने सीरिया से उन सभी भारतीय नागरिकों को निकाल लिया है जो उस देश में हाल के घटनाक्रम के बाद घर लौटना चाहते थे। अब तक सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है।

प्रवक्ता ने कहा, दमिश्क में हमारे दूतावास के कर्मी उनके साथ सीमा तक गए, जिसके बाद लेबनान में हमारे मिशन ने उनका स्वागत किया और उनके आव्रजन की सुविधा प्रदान की। दूतावास ने बेरूत में उनके रहने-खाने और घर वापस आने की व्यवस्था की।हमारे अधिकांश नागरिक पहले ही भारत लौट आए हैं और शेष आज या कल तक आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सीरिया की तीर्थयात्रा पर गए 44 जायरीन भी क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए कल बेरूत से रवाना हुए।

किसान आंदोलन की दिशा तय करने के लिए बनी पांच सदस्यीय समिति : राकेश टिकैत

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

किसान नेता राकेश टिकैत शुक्रवार को पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे। वहां उन्होंने आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात की।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा, हमने पांच सदस्यों की एक समिति बनाई है। यही समिति किसान समूहों के साथ संवाद करेगी और आगे की रणनीति तैयार करेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में भारत सरकार ने कई संगठन बनाए हैं जो सरकार के एजेंडे का समर्थन करते हैं। कई लोगों ने इसका विरोध किया है। अब आगे क्या करना है, इसकी रणनीति बनाई जाएगी। अगर किसानों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो दिल्ली को केएमपी एक्सप्रेसवे से घेरने की रणनीति अपनानी होगी। इसके लिए चार लाख से अधिक ट्रैक्टरों की जरूरत होगी। दिल्ली के बाहर के 11 प्वाइंटों को घेरा जाएगा। खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बिगड़ती जा रही है, उसकी हम लोगों को चिंता है।

राकेश टिकैत ने हमला बोलते हुए कहा कि आज के राजा प्रजा पर दया करने वाले नहीं हैं। मेरा मानना है कि किसान एकजुट होकर ही आगे कोई कदम उठा सकते हैं। हम सरकार से लड़कर अपना हक लेने आए हैं। ऐसे में हमें अपनी तैयारियां पूरी रखनी होंगी। दिल्ली को जब किसानों ने घेरा था तब 25 लाख लोग और चार लाख ट्रैक्टर थे। आज भी सरकार का व्यवहार वैसा ही है जैसा पहले था। हमारी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन पर कहा कि उनकी हालत खराब हो गई है। सरकार तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करे और समाधान करे। जो स्थिति बनी हुई है, वह गंभीर है और सरकार को किसानों से बातचीत करके जल्द समाधान निकालना चाहिए।

बैलेट पेपर से चुनाव कराओ, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को लोकसभा में अपने पहले संबोधन में बैलेट पेपर को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, बैलेट पेपर से चुनाव कराओ, तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। आप राजनीति में न्याय की बात कर रहे हैं। आप लोग सरकार को पैसों के बल पर गिरा दे रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने आगे कहा, मेरे सत्तापक्ष के साथी आज खड़े हुए और तमाम गिनती करने लगे कि ऐसा हुआ, तो वैसे हुआ। 1975 में यह हुआ, तो आप सीख लीजिए ना। आप लोग भी अपनी गलती के लिए माफी मांग लीजिए। आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए।

उन्होंने कहा, विपक्षी नेताओं पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं। विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है।

उन्होंने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, लोगों के बीच में भय फैलाने वाले लोग आज खुद भय में जी रहे हैं। ऐसा डर का माहौल तो पहले अंग्रेजों के राज में भी नहीं था। लेकिन, यह देश डर से नहीं, बल्कि साहस से चलेगा।

प्रियंका गांधी ने कहा, पहले राजा भेष बदलकर जनता के बीच में जाते थे। अब राजा भेष बदलते हैं, लेकिन वह जनता के बीच में नहीं जाते हैं और ना ही वह लोगों द्वारा अपनी आलोचना सुनना पसंद करते हैं। आज का राजा जनता के बीच में जाने से डरता है।

मौजूदा समय में यह सरकार आलोचना से डर रही है। ऐसी स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस सरकार में सदन में चर्चा कराने की बिल्कुल भी हिम्मत नहीं है।

उन्होंने संभल हिंसा का भी जिक्र अपने संबोधन में करते हुए कहा, संभल के कुछ लोग हमसे मिलने आए थे, जो मृतक के परिवार के सदस्य हैं। उनमें दो बच्चे अदनान और उजैर थे। उनमें से एक मेरे बेटे की उम्र का था और दूसरा उससे छोटा, 17 साल का।

उनके पिता एक दर्जी थे। उनका एक ही सपना था कि वह अपने बेटे को डॉक्टर बनाएंगे और उसका दूसरा बेटा भी सफल होगा। 17 वर्षीय अदनान ने मुझे बताया कि वह बड़ा होकर डॉक्टर बनेगा और अपने पिता के सपने को साकार करेगा। यह सपना और आशा उसके दिल में हमारे भारत के संविधान ने डाली है।

नेपाली सेना प्रमुख ने भारत के साथ रक्षा सहयोग मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जतायी

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की यात्रा पर आये नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल ने नेपाल और भारत के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जतायी है।

यात्रा के तीसरे दिन जनरल सिगडेल ने गुरूवार को पुणे में भारतीय रक्षा उद्योगों का दौरा किया। इसके बाद वह देहरादून के लिए रवाना हो गये जहां वह कल भारतीय सैन्य अकादमी में प्रतिष्ठित पासिंग आउट परेड की समीक्षा करेंगे।

पुणे में जनरल सिगडेल ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और भारत फोर्ज सहित कई प्रमुख रक्षा उद्योग प्रतिष्ठानों का दौरा किया। यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के रक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से बातचीत की और विचारों का आदान-प्रदान किया। इन वार्ताओं का फोकस दोनों देशों की सेनाओं द्वारा प्रौद्योगिकी के अनुकूलन पर था उन्होंने स्टेटिक इक्विपमेंट डिस्प्ले का भी अवलोकन किया, जहां उन्हें सेना में हाल ही में शामिल किए गए नवीनतम, अत्याधुनिक उपकरणों से परिचित कराया गया।

पुणे में अपने कार्यक्रमों के बाद जनरल सिगडेल देहरादून पहुंचे और उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात्रिभोज में भाग लिया और बातचीत की। समीक्षा अधिकारी के रूप में, जनरल सिगडेल उन कैडेटों का निरीक्षण करेंगे जो सेना में अपना करियर शुरू करने वाले हैं। इस स्थायी साझेदारी के हिस्से के रूप में, नेपाल के दो कैडेट, ऑफिसर कैडेट बिनोद भट्टा और ऑफिसर कैडेट प्रबीन पांडे को परेड के दौरान कमीशन दिया जाएगा, जो गर्व और साझा परंपरा का क्षण होगा। उनकी कमीशनिंग भारत और नेपाल के बीच गहरे सैन्य संबंधों को रेखांकित करती है, जो रक्षा और प्रशिक्षण में आपसी विकास और सहयोग के प्रति वचनबद्धता को दर्शाती है।

जनरल अशोक राज सिगडेल की भारत यात्रा का तीसरा दिन रचनात्मक वार्ताओं से भरा रहा जिसका उद्देश्य रक्षा सहयोग को बढ़ाना, विशेष रूप से नेपाली और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को मजबूत करना था।

महाकुंभ एकता का महायज्ञ, हर भेदभाव की दी जाती आहुति: पीएम मोदी

प्रयागराज, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के रूप में महाकुंभ की सफलता के लिए कुंभ कलश का पूजन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाकुंभ 2025 के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ एकता का महाकुंभ है जो दुनिया को संदेश देगा। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। यह एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। पीएम मोदी ने संगम को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि यहां दिन रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा

की तैयारी और लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महाकुंभ नया इतिहास रच रहा है। पीएम मोदी बोले कि गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामूहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं और देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानवी सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। कुंभ जैसे भव्य और दिव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बहुत बड़ी भूमिका है। महाकुंभ की तैयारियों के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया गया है, प्रयागराज शहर के सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया गया है। लोगों को जागरूक करने के लिए गंगादूत, गंगा प्रहरी और गंगा मित्रों की नियुक्ति की गई है। इस बार 15 हजार से ज्यादा मेरे सफाईकर्मी भाई-बहन कुंभ की स्वच्छता को संभालने वाले हैं। मैं आज कुंभ की तैयारी में जुटे अपने सफाईकर्मी भाई-बहनों का अग्रिम आभार भी व्यक्त करता हूं।

मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। इसलिए मैं फिर एक बार कहता हूं कि ये महाकुंभ, एकता का महायज्ञ है। जिसमें हर तरह के भेदभाव का आहुति दी जाती है।

यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है। पीएम मोदी ने कहा कि महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। प्रधानमंत्री बोले, ये केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई। अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। ये वो स्थान जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। पीएम मोदी ने कहा, हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं।

सरकार ने दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति पर लगी रोक हटाई

लखनऊ, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

यूपी सरकार ने दिव्यांग होमगार्डों के परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी रूप से दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति पर लगी रोक हटा दी है। सरकार के इस निर्णय से उन दिव्यांग हो चुके परिवारों में उम्मीद की किरण जागी है, जो लंबे समय से नियुक्ति के लिए गुहार लगा रहे थे। अपने सेवाकाल में स्थाई रूप से दिव्यांग हो चुके होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सरकार ने एक स्पष्ट और बहुस्तरीय जांच प्रक्रिया का निर्धारण किया है। अब नियुक्ति के लिए जिलास्तर से लेकर डीजी होमगार्ड कार्यालय तक कई चरणों में जांच और सिफारिशें की जाएंगी। प्रदेश के होमगार्ड विभाग ने आवेदन के सही और निष्पक्ष तरीके से परीक्षण के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके लिए पात्र आश्रितों की जांच और नियुक्ति के लिए चार चरणों पर काम होगा। इसके प्रथम चरण में आवेदन की जांच जिलास्तरीय सीएमओ समिति द्वारा की जाएगी। वहीं, दूसरे चरण में जिलास्तरीय समिति द्वारा संस्तुति मिलने पर, जिला कमांडेंट इसे डीजी होमगार्ड के पास भेजेंगे। तृतीय चरण में मुख्यालय स्तर पर गठित समिति होगी जो चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे, सभी तथ्यों की गहन जांच करेगी। इसके बाद फिर अंतिम चरण में डीजी होमगार्ड समिति की सिफारिशों के आधार पर नियुक्ति का अंतिम निर्णय लेंगे। पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति पर लगे प्रतिबंध के कारण लगभग 250 से अधिक मामले लंबित हो गए थे। यह परिवार लगातार अनिश्चितता और आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। इस निर्णय के बाद इन लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का रास्ता साफ हो गया है। ज्ञातव्य है कि 2022 में सामने आए अपात्र उम्मीदवारों की भर्ती और अनुग्रह राशि के दुरुपयोग के मामलों ने सरकार को इस नीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया था। लेकिन योगी सरकार ने इन घटनाओं को सुधार का अवसर बनाया। अब नई प्रक्रिया में हर स्तर पर जांच और निगरानी को मजबूत किया गया है।

मथुरा में मिले गायों के कंकाल अवशेष देख भड़के गौ भक्त

मथुरा, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

मथुरा स्थित थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत पीएमवी के जंगलों में दर्जनों मृत गाय के अवशेष मिलने का मामला प्रकाश में आया है। मौके पर पहुंचे गौ भक्तों ने मथुरा वृन्दावन मार्ग के दोनों ओर मृत गायों के अवशेष रखकर रोड को जाम कर दिया।

सड़क पर बैठे गौ भक्तों ने गौशाला संचालकों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की। गौ भक्तों ने आरोप लगाया कि गौशाला संचालक मृत गायों के अवशेषों को भूमि में दबाने की बजाएं यहां जंगल में फिंकवा देते हैं। जिसके चलते मृत गायों की दुर्दशा हो रही है। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने जब मृत गायों की स्थिति को देखा तो उनसे आने वाली गंध के कारण उन्हें नाक पर रुमाल रखना पड़ा। आक्रोशित गौ भक्त सुबह 10 बजे से थाना जैंत की नयति पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित मथुरा वृन्दावन रोड पर जाम लगाकर बैठ गए। अधिकारियों के लाख समझाने के बाबजूद भी दोपहर के तीन बजे तक वे लोग अपनी मांगों पर अड़े रहे और जाम लगाये रहे। गौ भक्त दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। गौ भक्तों द्वारा रोड ब्लॉक करने के कारण मार्ग के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की लम्बी कतारें लग गईं।

काफी समय बाद अधिकारियों ने वृन्दावन के पशु चिकित्साधिकारी को मौके पर बुलाया। डॉक्टर राकेश तिवारी मृत गायों के टैग एकत्र कर पता लगाने की कोशिश में लग गए कि आखिर यह मृत गाय किस गौशाला की हैं। अधिकारियों ने मृत गायों को भूमि में दबाने के लिए मौके पर नगर निगम से दो जेसीबी मशीन और नमक भी मंगवा लिया। लेकिन गौ भक्तों ने उन्हें जंगल में प्रवेश ही नहीं करने दिया।

वे लोग जेसीबी के आगे झुंड बनाकर खड़े हो गये। तीन बजे तक अधिकारियों के अनुरोध के बाबजूद भी जब गौ भक्त रोड खोलने के लिए नहीं माने। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह और पुलिस कमांडर शैलेश कुमार पांडेय भी मौके पर आ गये। लेकिन गौ भक्तों की भीड़ में घुसे कुछ उपद्रवी युवक किसी भी बात पर रोड खोलने को तैयार नहीं हुए। अन्य लोगों को भड़काने का प्रयास करने लगे। उसके बाद आलाधिकारियों के निर्देश पर रोड ब्लॉक कर रहे युवकों को पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ना शुरू किया। रोड खुलने के बाद करीब पांच घंटे से परेशान यात्रियों ने राहत की सांस ली। रोड जाम कर रहे लोगों से पुलिस ने चार को हिरासत में लेकर थाना जैंत भेज दिया।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से साकार हो रहा दिव्य भव्य व डिजिटल महाकुम्भ का सपना: योगी

प्रयागराज, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन तथा उनके द्वारा 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं के लोकार्पण के प्रति आभार जताते हुए प्रयागराज, प्रदेश व महाकुंभ में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालुओं की ओर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आगमन मां गंगा-यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा-अनुष्ठान के साथ ही प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ की दृष्टि से महत्व-पूर्ण है। यह संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के अंदर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है। सीएम योगी ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों से हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुंभ 2019 का सफल आयोजन हुआ था और अब महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए मिल रहे मार्गदर्शन के लिए हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विजन की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में किए गए प्रयास और सनातन धर्मावलंबियों के हितों की रक्षा के साथ ही कुम्भ को लेकर स्थापित किए गए उच्च प्रतिमानों की पूर्ति को लेकर आभार जताया। सीएम योगी ने कहा कि पहली बार 2019 के प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व आदेश पर सैकड़ों वर्षों के बाद श्रद्धालुओं को अक्षय वट के दर्शन हुए थे। इस बार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अक्षयवट कॉरिडोर का भी उद्घाटन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े हनुमान जी जिनका अभिषेक करने के लिए मां गंगा प्रतिवर्ष आती हैं, उस बड़े हनुमान मंदिर के कॉरीडोर का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों द्वारा हुआ। उन्होंने आगे कहा कि सरस्वती कूप, जिसमें अदृष्य रूप में मां सरस्वती वास करती हैं और संगम पर गंगा-यमुना के साथ ही उनका संगम होता है, पहली बार 2019 के कुम्भ में ही श्रद्धालुओं को इस प्रवित्र सरस्वती कूप के दर्शन सुलभ हुए थे। सरस्वती कूप का यही भव्य रूप अब सरस्वती कॉरीडोर के रूप में लोकार्पण के जरिए सबके समक्ष होगा, सर्व सुलभ होगा। भगवान राम जब वनवास के लिए निकले थे तो सबसे पहले उन्होंने मैत्री का हाथ श्रृंगवेरपुर में निषादराज के समक्ष बढ़ाया था। सीएम योगी ने कहा, प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां भगवान राम और निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा व कॉरीडोर का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा होने जा रहा है। कुंभ कैसे होना चाहिए, कुंभ भव्य भी हो, दिव्य भी हो, स्वच्छ भी हो, सुरक्षित भी हो, सुव्यवस्थित भी हो यह परिकल्पना प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 कुंभ में दी। इस बार महाकुंभ भव्य-दिव्य व डिजिटल महाकुंभ के रूप में कैसे होना है यह भी प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से साकार हो रहा है। सीएम योगी के अनुसार, प्रयागराज शहर, आसपास के जनपदों और दुनिया के सबसे बड़े अस्थायी शहर के तौर पर साकार हो रहा महाकुंभनगर भी उनकी ही प्रेरणा का द्योतक है। प्रयागराज महाकुंभ 2025 के शुभारंभ की दृष्टि से हजारों करोड़ रुपए की परियोजन-ाओं का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश वासियों की ओर से, उस हर श्रद्धालु की ओर से जो प्रयागराज आकर अभिभूत होता है, ऐसे प्रत्येक श्रद्धालुजन की ओर से आभार व्यक्त करता हूं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

आजमगढ़, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

जिले के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के लालगंज पल्हना मार्ग पर नर-सिंहपुर गांव के समीप समाजवादी पार्टी के सांसद दरोगा प्रसाद सरोज के पौत्र की दुर्घटना में मौत हो गई। घटना के समय वह मुंडन समारोह से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी जान चली गई।

गुरुवार रात लालगंज सांसद दरोगा प्रसाद सरोज के पौत्र विपिन सरोज (35) पुत्र स्व. विनोद सरोज निवासी मोहनपुर पटवास मुंडन समारोह से वापस बुलेट से अपने एक मित्र के साथ घर जा रहे थे। रास्ते में पल्हना लालगंज मार्ग पर नरसिंहपुर के समीप अज्ञात वाहन से टक्कर लगने के कारण वह बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें लालगंज स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उन्हें आजमगढ़ के लिए रेफर कर दिया। मुख्यालय पर उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र: इंद्रेश कुमार

अयोध्या, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूजा स्थल कानून पर सुनवाई के दौरान धार्मिक स्थलों से संबंधित नए मुकदमे दायर करने पर रोक लगाए जाने के फैसले पर कहा कि न्यायपालिकाओं में यह विषय चल रहे थे। ₹न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है। वह भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति और सर्व धर्म समभाव की रक्षक है। न्यायपालिका अपना फर्ज निभा रही है और आगे भी आएगी, यह उम्मीद की जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम

1991 से जुड़ा एक अहम फैसला सुनाया। इसमें कोर्ट ने फिलहाल देश भर की सभी अदालतों को मौजूदा धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ लंबित मुकदमों में सर्वे के आदेश सहित कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से रोक दिया। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र को हलफनामा दायर करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उपासना स्थल कानून फिर चर्चा में आ गया है। कई विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया है। वहीं याचिकाकर्ता और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि उप-ासना स्थल अधिनियम के तहत न्यायालय तक पहुंच अवरुद्ध कर दी गई है।

घूसखोरी मामले में एसडीएम निलंबित

सुल्तानपुर, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

जिले में घूसखोरी के मामले में एसडीएम को निलंबित किया गया है। इससे पहले पेशकार को निलंबित किया जा चुका है। मामला जयसिंहपुर तहसील के एसडीएम न्यायालय का है। यहां तैनात पेशकार समरजीत पाल को दो दिसंबर को एंटी करप्शन टीम ने तहसील परिसर से रंगे हाथ घूस लेते गिरफ्तार किया था। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी अनिल सिंह की तहरीर पर गोसाईंगंज थाने में पेशकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब शासन स्तर से एसडीएम संतोष कुमार ओझा के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। एसडीएम को शासन स्तर से निलंबित कर दिया गया है। डीएम कृतिका ज्योत्स्ना ने बताया कि शासन से निलंबन की कार्रवाई की गई है। जो आरोप लगे हैं, उसकी जांच भी कराई जाएगी।

एक महिला व उसकी दो बेटियों के शव मिले

मुजफ्फरनगर, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

शहर कोतवाली के गांव खांजापुर में एक महिला व उसकी दो बेटियों के शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटके मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिन्ना गांव का रहने वाला अंकुश पिछले कई साल से अपने दोनों बच्चों व पत्नी एवं माता के साथ खांजापुर में रहता है। वह न्यू बिंदल पेपर मिल में ड्यूटी पर गया था। गुरुवार देर रात वह और उसकी मां काम से वापस लौटे तो कमरे का दरवाजा बंद मिला। दरवाजा नहीं खुलने पर वह अपनी मां के साथ पड़ोसी के घर जाकर सो गया। सुबह फिर से वह कमरे पर पहुंचा तो काफी आवाज लगाने पर भी कमरा नहीं खुला। पड़ोसियों के साथ पहुंचकर अंकुश ने गेट खुलवाने की कोशिश की तब कमरे में लगी खिड़की से झांक कर देखा तो तीनों शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। पुलिस जांच में जुटी है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: उपमुख्यमंत्री

लखनऊ, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)।

राज्य के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्हें उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मेला स्थल पर 24 घंटे चिकित्सकों की तैनाती की जा रही है। प्रयागराज में करीब छह हजार बेडों की व्यवस्था की गई है। वे शुक्रवार को प्रयागराज में महाकुंभ के लिए स्थापित की गईं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले वर्ष 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में किया जा रहा है। इस दौरान करीब 46 करोड़ लोग महाकुंभ में आएंगे। उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। डिप्टी सीएम ने परेड स्थल पर स्थापित किए गए 100 शैय्या युक्त अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने अस्पताल प्रबंधन एवं

चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्तर के अफसर की देखरेख में परेड स्थल पर स्थापित यह अस्पताल 24 घंटे क्रियाशील रहेगा। बहुविधा वाह्य एवं अतः रोगी सेवाएं, समस्त चिकित्सकीय उपकरण, चिकित्सा सामग्रियां एवं विभिन्न औषधियों से युक्त इस अस्पताल में महिला, पुरुष व बाल रोगियों के लिए अलग-अलग वार्ड स्थापित किए गए हैं। क्रियाशील आकस्मिक कक्ष, आईसीयू, प्रसव कक्ष, एक्स-रे, बायोकेमेस्ट्री जांच सहित प्रयो-गशाला एवं अल्ट्रासाउंड सुविधा भी है। उन्होंने बताया कि अस्प-ताल में सर्जन, फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, गाइनोकोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं दंत रोग विशेषज्ञ की तैनाती की गई है। चिकित्सकों की सहायता के लिए पैरामेडिकल स्टाफ भी अस्पताल में रहेगा, जिनमें फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय, स्टाफ नर्स, नेत्र सहायक, लैब टेक्नीशियन और डेंटल हाइजीनिस्ट शामिल हैं। 28 भिन्न श्रेणियों के कुल 231 चिकित्सक इस अस्पताल में तैनात किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा विभाग के आला अफसर उप-स्थित रहे।

संपादकीय

पुरुष उत्पीड़न का सच

यह कैसा दौर है? कैसे रिश्ते हैं? वैवाहिक संबंध बेचे जा रहे हैं? पुरुष उत्पीडऩ का नया तबका बन गया है। पुरुष एटीएम बनता जा रहा है। स्त्री-पुरुष अब सामाजिक, मानसिक पूरक नहीं, बल्कि संबंधों के बाजार की दो वस्तुएं हैं। लैंगिक विभेद की व्याख्याएं अधूरी और आग्रही हैं। यह कैसा समाज बन गया है, जहां सिर्फ स्त्री और पुरुष हैं, कोई सामाजिक रिश्ता नहीं है। रिश्ते दरक रहे हैं, तो परिवार टूट रहे हैं और आपसी सम्मान भी विलुप्त हो रहे हैं। हमने ऐसा पश्चिमी देशों के संदर्भ में सुना था, लेकिन अब भारतीय संस्कृति में भी संबंधों और मूल्यों को खरोंचा जा रहा है। हम कोई प्रवचन देने की मुद्रा में नहीं हैं और न ही स्त्री-द्वेष वर्ग के चेहरे हैं। हम नारीवाद, महिला सशक्तिकरण के विरोधी भी नहीं हैं। घरेलू हिंसा, झूठे आरोप और उत्पीडऩ, आर्थिक लूट के शिकार पुरुष भी हो रहे हैं। उनके लिए विशेष कानून क्यों नहीं हैं? बलात्कार, यौन उत्पीडऩ, घरेलू हिंसा, दहेज की मांग के झूठे केस भी दर्ज होते रहे हैं। अदालतों के जरिए ऐसे मामले भी सुर्खियां बनते रहे हैं। स्त्री को निर्णायक तौर पर दंडित करने वाले कानून क्यों नहीं हैं। समाज में पुरुष भी उतनी महत्वपूर्ण और अनिवार्य ईकाई है, जितनी महिला है। ये सवाल, ये मुद्दे इसलिए उठे हैं, क्योंकि एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में डीजीएम के पद पर कार्यरत, एआई इंजीनियर, 34 वर्षीय अतुल ने वैवाहिक उत्पीडऩ से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले उस नौजवान ने जो वीडियो सार्वजनिक किया और 24 पन्नों का आत्महत्या नोट लिखा, वे थर्राने वाले दस्तावेज हैं। उस युवक ने अदालती व्यवस्था को भी बेनकाब किया, क्योंकि महिला जज ने 5 लाख रुपए की घूस मांगी थी। जज ने हंसते हुए व्यंग्य किया था, 'नहीं तो जिंदगी भर तुम और तुम्हारा परिवार अदालत के धक्के खाते रहना। नौबत आत्महत्या की भी आ सकती है, लिहाजा 5 लाख में मैं तुम्हारा केस सेटल कर सकती हूं।' युवा इंजीनियर अदालत की व्यवस्था से भी उत्पीड़ित था। केस की 58 तारीखें लग चुकी थीं। वह बंगलूरु से जौनपुर, यूपी में हर तारीख पर नहीं आ सकता था। उसे पत्नी की 3 करोड़ रुपए के गुजारा भत्ता की मांग भी सवालिया लगी। अंततः आत्महत्या का फैसला लिया, ताकि पैसा देने वाली ईकाई ही समाप्त हो जाए। आत्महत्या नोट में इंजीनियर ने लिखा- 'यदि मुझे इंसाफ न मिले, तो मेरी अस्थियां अदालत के पास वाले गटर में बहा दी जाएं।' कितना मार्मिक और पराजित कथन है यह! दरअसल हम किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच रहे हैं। आत्महत्या नोट 'सत्य की पराकाष्ठा' माना जाता है। मरने से पहले नौजवान इंजीनियर ने जो कुछ लिखा है, हम उसके आधार पर ही विश्लेषण कर रहे हैं और कुछ सवाल उठाए हैं। अदालत का फैसला आना है। हमारे कानून नारीवादी हैं। यदि स्त्री हिंसा या उत्पीडऩ अथवा शोषण की शिकायत दर्ज कराती है, तो पुरुष पक्ष के कई लोगों को जेल में भेजा जा सकता है। बाद में वह शिकायत फर्जी भी साबित हो सकती है। ऐसे कानून में संशोधन किया जाना चाहिए। बेशक हमारा समाज पितृसत्तात्मक है। सभ्यता की बुनियाद यही है। औसत वैश्विक संस्थान पुरुष निर्मित है। अधिकतर भगवान पुरुष हैं, जिनकी पूजा महिलाएं करती हैं। यह दुनिया ही पुरुष की है, लेकिन अब यथार्थ बदल भी रहे हैं। औरत हर क्षेत्र में बढ़ रही है। फिर ऐसे कानून क्यों हैं कि जिनका दुरुपयोग किया जा रहा है।

> स्त्री-पुरुष अब सामाजिक, मानसिक पूरक नहीं, बल्कि संबंधों के बाजार की दो वस्तुएं हैं। लैंगिक विभेद की व्याख्याएं अधूरी और आग्रही हैं। यह कैसा समाज बन गया है, जहां सिर्फ स्त्री और पुरुष हैं, कोई सामाजिक रिश्ता नहीं है। रिश्ते दरक रहे हैं, तो परिवार टूट रहे हैं और आपसी सम्मान भी विलुप्त हो रहे हैं। हमने ऐसा पश्चिमी देशों के संदर्भ में सुना था, लेकिन अब भारतीय संस्कृति में भी संबंधों और मूल्यों को खरोंचा जा रहा है। हम कोई प्रवचन देने की मुद्रा में नहीं हैं और न ही स्त्री-द्वेष वर्ग के चेहरे हैं। हम नारीवाद, महिला सशक्तिकरण के विरोधी भी नहीं हैं। घरेलू हिंसा, झूठे आरोप और उत्पीडऩ, आर्थिक लूट के शिकार पुरुष भी हो रहे हैं। उनके लिए विशेष कानून क्यों नहीं हैं? बलात्कार, यौन उत्पीडऩ, घरेलू हिंसा, दहेज की मांग के झूठे केस भी दर्ज होते रहे हैं। अदालतों के जरिए ऐसे मामले भी सुर्खियां बनते रहे हैं। स्त्री को निर्णायक तौर पर दंडित करने वाले कानून क्यों नहीं हैं। समाज में पुरुष भी उतनी महत्वपूर्ण और अनिवार्य ईकाई है, जितनी महिला है।

भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी

दिल्ली की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

ललित गर्ग

> भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है। दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा,

चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है। भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है। निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मार्लेना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

दृष्टि कोण

भारत के खिलाफ बड़ी साजिश

पिछले दो दिनों से संसद में जार्ज सोरोस और सोनिया गांधी व राहुल गांधी की निकटता को लेकर हंगामा होता रहा। मूल रूप से जार्ज सोरोस हंगरी के हैं। लेकिन लंबा अरसा पहले वह अमरीका में आकर बस गए थे। लेकिन यह कोई ऐसी घटना नहीं है जिसके कारण सोरोस को कठघरे में खड़ा कर दिया जाए। इस लिहाज से तो अमरीका के 99 फीसदी लोग यूरोप से ही गए हुए हैं और वहां के नेटिव इंडियन को गुलाम बना कर वहां अपनी सत्ता बना कर बैठे हैं। इसलिए जार्ज सोरोस अमरीका में कोई अनोखे यूरोपीय नहीं हैं। लेकिन उनका अनोखापन इसके बाद शुरू होता है। उन्होंने अमरीका में अच्छा खासा पैसा कमा लिया है। यूरोप के लोग जब अमरीका में धन कुबेर बन जाते हैं तो वे कोई न कोई फाऊंडेशन चलाना शुरू कर देते हैं। यह उनका फालतू के समय का शौक है। फाऊंडेशन के नाम पर वे एशिया और अफ्रीका के मेधावी छात्रों को अमरीका में बुला कर कायदे से पढ़ाते-लिखाते हैं और फिर वापस एशिया और अफ्रीका के देशों में भेज देते हैं। 'कायदे से' का अर्थ तो सब समझते हैं। इसके अतिरिक्त ये फाऊंडेशन दूसरे देशों में बौद्धिक व राजनीतिक तोडफ़ोड़ अकादमिक तरीकों से करते रहते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं मानना चाहिए कि जार्ज सोरोस जैसे धन कुबेरों का यह शौक है। वे ये सभी धंधे अमरीका के आर्थिक, सांस्कृतिक हितों की सुरक्षा के लिए करते हैं। इसको सभ्यताओं के संघर्ष की पृष्ठभूमि में भी देखा जा सकता है। भारत या एशिया के दूसरे देश यदि आर्थिक लिहाज से ताकतवर बनते हैं तो अमरीका व उसकी 'फाईव आईज' की आर्थिकता खतरे में पड़ जाती है। इस पूरी पृष्ठभूमि में अमरीका के जार्ज सोरोस को पकडऩा होगा। इस अमरीकी जार्ज का भी 'जार्ज सोरोस फाऊंडेशन' है। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता है। अमरीका के ऐसे फाऊंडेशन अनेक छोटी-बड़ी संस्थाओं को जन्म देते हैं जिनका वित्त पोषण फाऊंडेशन ही करते हैं। लेकिन साधारणतया किसी को यह पता नहीं चलता कि इन संस्थाओं का वित्त पोषण कौन करता है। ऊपरी तौर पर ये संस्थाएं निर्दोष, बौद्धिक व अकादमिक संस्थाएं ही नजर आती हैं। जार्ज सोरोस फाऊंडेशन ने भी इस प्रकार की कुछ संस्थाओं को अंधेरे में जन्म दिया हुआ है। ऐसी ही एक संस्था फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक है। इस संस्था को पैसा जार्ज सोरोस ही देता है, चाहे सीधे हाथ से, चाहे उलटे हाथ से। यह संस्था जम्मू कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानती और दूसरे देश भी ऐसा ही करें, इसके लिए अकादमिक पर्दे में कोशिश करती रहती है। इतना ही नहीं, वह भारत का समाधान उसके टुकड़ों में बंट जाने को ही मानती है। भाजपा का आरोप है कि श्रीमती सोनिया गांधी के राजीव गांधी फाऊंडेशन का जार्ज सोरोस की इस संस्था से गहरा संबंध है। जार्ज सोरोस इस बात को छुपाते नहीं कि वह वचनों से ही भारत विरोधी नहीं हैं, बल्कि वह सक्रियता में भी भारत विरोधी हैं। ऐसे व्यक्ति और ऐसी संस्था से राजीव गांधी फाऊंडेशन का किस प्रकार का संबंध है, इसका खुलासा होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मामला भारत की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर भी इस बात को नहीं छुपाते कि जार्ज सोरोस उनके मित्र हैं। ध्यान रहे कि कांग्रेस के ही एक बड़े नेता नटवर सिंह पहले ही कांग्रेस को आगाह कर चुके हैं कि पार्टी को अपने भीतर की तलाशी लेकर अपने घर में रह रही विदेशी शक्तियों के समर्थकों को बाहर करना चाहिए। लेकिन जब आरोप सोनिया गांधी पर हों तो तलाशी कौन लेगा और कौन किसको बाहर करेगा? जार्ज अमरीका के मीडिया पर भी कुछ सीमा तक नियंत्रण करते हैं, क्योंकि अखबार चला रही कम्पनियों में उनकी भारी हिस्सेदारी है। जार्ज सोरोस ने आर्गेनाइज्ड क्राइम एंड क्रप्शन रिपोर्टिंग प्रोजैक्ट नाम से एक संस्था खोल रखी है जो दूसरे देशों के नेताओं और व्यवसायियों को ब्लैकमेल करने का काम करती है। वह दूसरे देशों के उन नेताओं व व्यवसायियों पर कुछ आरोप लगाती है जिनको वह अपने हिसाब से चलाना चाहती है। जार्ज सोरोस जानते हैं कि लंबे अरसे तक यूरोपीय देशों के गुलाम रहने के कारण एशिया व अफ्रीका का जनसाधारण किसी भी यूरोपीय देश या अमरीका के किसी भी अदने से व्यक्ति के आरोप को भी सिर आंखों पर लेता है। यह औपनिवेशिक संस्कारों से अभी तक भी मुक्त न होने के कारण ही है। जार्ज इस मानसिकता को तो पहचानने ही लगे हैं। इसलिए वह गाहे बगाहे भारत के व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रायः आरोप लगाते रहते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से वह विपक्ष को समय कुसमय आरोप रूपी हथियार मुहैया करवाने का काम करते हैं, जिसकी विपक्ष प्रतीक्षा ही नहीं करता, बल्कि शायद आरोप मैनुफैक्चरिंग का आर्डर भी देता है। भाजपा का सोनिया गांधी व राज परिवार के अन्य सदस्यों पर यही आरोप है कि वे इन हथियारों के केवल खरीददार ही नहीं, बल्कि आदेश देकर भी इन हथियारों को तैयार करवाने वाले हैं। मैं यह मानने को तैयार नहीं कि कांग्रेस या कांग्रेस पर गेंडुली मार कर बैठे राज परिवार को जार्ज सोरोस के क्रियाकलापों एवं अन्य धंधों के बारे में पता न हो। सब जानते हैं कि पिछले कुछ सालों से वे उस हर बिल का विरोध करते हैं जो भारत की संसद पास करती है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने का उसने विरोध किया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम का भी जार्ज विरोध करता था।

कुछ अलग

सबहि भूमि गोपाल की

अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण की परंपरा हमारे यहां अनादि काल से चली आ रही है। आज जो किले, महल तथा बड़े-बड़े पुरातत्व स्थल हम देखते हैं, वे सब इसी श्रेणी में आते हैं। राजा की जितनी इच्छा हुई उतनी ही जमीन पर निर्माण कर दिया तथा बेगार रूप में श्रमिकों का शोषण कर लिया। उसी परंपरा का निर्वहन हमारे देश में इन दिनों बखूबी किया जा रहा है। 'सबहि भूमि गोपाल की' की तर्ज पर भारतीय नागरिक भूमि हड़पो अभियान के कुशल खिलाड़ी बन कर निर्माण एवं अतिक्रमण की दिशा में सक्रिय हैं। 'राम नाम की लूट है' वाला मुहावरा भी इस समय पूरी तरह चरितार्थ हो रहा है या यह भी कह सकते हैं कि 'सैंया भये कोतवाल तो अब डर काहे का।' सभी के बालम पुलिस में भर्ती होंगे तो कानून दम नहीं तोड़ेगा तो क्या अपना डंडा चलाएगा। कानून का डंडा छोटा होता जा रहा है तथा अराजकता का एक सुखद मनभावन वातावरण नए रूप में तैयार हो रहा है, जिससे गोपाल की इस भूमि को महापुरुष हड़प कर रहे हैं। इस मामले में हर नागरिक वसुधैव कुटुंबकम विचारधारा का समर्थक हो गया है। भूमि हड़पने का अभियान आम चुनाव के समय बेतहाशा पाया जाता है। पहले लोकसभा चुनाव की आड़ में लोग रातों-रात महल चिनाते रहे तो अब प्रजातंत्र में विधानसभा चुनाव का शोर होने से सारे नियम तोड़ कर लोग जमीनों को पाटने में लगे हैं। रात को सोए थे, तब खाली जगह थी, सुबह उठे तो दीवालें सिर उठाए खड़ी हैं। कोई दुकान बना रहा है तो कोई मंजिल चढ़ा रहा है। कोई मकान से दुकान निकाल रहा है तो कोई आवास समस्या के स्थायी हल के लिए नगर प्रशासन के नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा रहा है। सरकार मूक बनी सब देखती रहती है, क्योंकि उसे अभी जनता का वोट लेना है और वोट के सामने सात खून भी माफ करने का हमारे यहां रिवाज चल रहा है। कोई छज्जा निकाल रहा है तो कोई खिडक़ी खोद रहा है। कोई मंदिर बना रहा है तो कोई मस्जिद। कोई यों ही पत्थर लाल पोतकर धार्मिक भावना के आधार पर भूमि हड़पो की दिशा में पहल करने की चाल चल रहा है। रातों-रात हजारों की संख्या में मकान बन गए हैं। यह नगर भले अपनी रंगत व खासियत खोदे, लेकिन जमीन हड़पो के संचालक पूरे मनोयोग से कंकरीट का जंगल उगाने में लगे हैं। आदमी की महत्त्वाकांक्षाएं इन दिनों पूरे जोर पर है। जिसके एक मकान है, वह दूसरा बना रहा है, जिसके दूसरा है वह तीसरा बना रहा है। मकान क्या मकबरे बना रहा है। असीम इच्छाएं सिर उठाकर अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण को प्रेरित करती हैं और नागरिक चुनाव की आड़ में अपनी कारगुजारियां कर रहे हैं। देखा-देखी ज्यादा हो रही है। पड़ोस में किसी ने एक फुट का अतिक्रमण किया तो दूसरे ने चार फुट को घेर लिया। अवैध निर्माण जिसने पचास वर्ग गज में किया, उससे जुडऩे की यह परंपरा दिनों-दिन विकसित हो रही है। जब तक आदमी को अपनी माटी से प्रेम नहीं होगा, तब तक राष्ट्रीय भावना का अभ्युदय असंभव है। इस मामले में सारे भूमि हड़पो कार्यकर्ता एक हैं। अभी एक अवैध निर्माण को गिराइए, पूरी कॉलोनी उस पर टूट पड़ेगी। पिछले दिनों नगर प्रशासन ने तनिक इस मामले में सजगता दिखाई तो कर्मचारी पिट कर लौटे। कर्मचारियों के पिटने का मौसम है तो जनता के पीटने का।

देश दुनिया से

प्रशिक्षकों को नकद ईनाम क्यों नहीं दिया

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नकद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नकद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नकद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है? कबड्डी में भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी सहित कई खिलाडियों को कोच रतन ठाकुर ने तराशा है। क्या वह नकद ईनाम के हकदार नहीं हैं? इसी तरह अन्य खेलों के प्रशिक्षक भी हैं। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव ने विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। यह चिंताजनक है। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता? विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी, तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज मस्ती कर रहा है, वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा, वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा? हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है? खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वे उसे उस क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक ले जाना चाहते हैं जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है।

गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई अकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है, वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं। वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी, वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या हिमाचल सरकार पंजाब, गुजरात आदि राज्यों की तरह उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले बढिया प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडियों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिलाकर खेल प्रतिभा का पलायन रोक नहीं सकती है? इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा, तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उसके शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस सबके लिए खेल विभाग व जहां प्रशिक्षक प्रशिक्षण करवा रहा है, वहां उसे सही प्रबंधन दें तथा उनके खिलाड़ी जब पदक जीतें तो प्रशिक्षक को भी नई खेल नीति के अनुसार नकद ईनाम देकर प्रेरित करें, ताकि पहाड़ की संतानों को ओलंपिक व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अच्छा प्रशिक्षण मिले।

आप का नजरिया

मतदाता की फकीरी

तपोवन में विधानसभा सत्र और कांगड़ा में शीतकालीन प्रवास ऐसी प्रथाएं बन गई हैं कि आज की सियासत को भी मुड़-मुड़ कर देखना पड़ता है। जाहिर है छह बार के मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह ने सियासत की व्यावहारिकता में सुधारवाद का शंखनाद किया और यह सिलसिला अनवरत जारी रखना अब अग्निपरीक्षा की तरह हो गया है। इस दौरान राजनीति बदली और बदले इसके किले। राज्य का बजट, सत्ता की पैरवी और प्रदेश को साधने की शक्ति में प्रदर्शित होते नए सबूत, हर दौर के शिलालेख लिख रहे हैं। इस दौरान बहस अच्छे-बुरे की नहीं और न ही जरूरी और गैर जरूरी व्यय के बीच रही, अलबत्ता सियासी आवश्यकताओं ने अनावश्यक खर्च की कसौटी ही खत्म कर दी। हमें केवल इमारतें चाहिएं, स्कूल, कालेज या स्वास्थ्य केंद्र का भविष्य नहीं। इमारतें जिनसे विकास की अनुगूंज हो, जिनके शिलान्यास से उद्घाटन तक सत्ता का बोध हो, इसलिए सत्ता के भीतर भी एक सत्ता पनपने लगी है। बजट के भीतर, एक बजट दिखने लगा है। मेहरबानियों की औपचारिकता में सरकारी नौकरियां और नौकरियों की पेशकश में स्थानांतरण की औपचारिकता। हर सत्ता का अपना ढांचा और इसी के भीतर अनेक पद, सौगातें और तरक्की का बंटवारा। हिमाचल का राजनीतिक इतिहास व्यक्तिवाद की राह पर मचान खोज रहा है। सारी शक्तियां सिमट रही हैं, तो प्रशासनिक पकड़ के मजमे तिलिस्म नहीं बनते। कभी शिमला और शिमला की सुरंग एक होते थे। हिमाचल की सियासी कहावतें एक होती थीं, लेकिन अब केवल वंशवाद नहीं, विश्वास के पात्र भी बदल रहे हैं। धड़ों के भीतर कई धड़े। कुछ अपनी सत्ता की चरागाह पर रेवडियां चुगते हुए और कुछ ऐसे गैर होने लगे कि सत्तारूढ़ दल भी आपस में ही विपक्ष सरीखे होने लगे। विधानसभा की चर्चाओं से कहीं अधिक रस बहिर्गमन से बतियाते मीडिया को मिल रहा, क्योंकि अब बयान ही खबर और खबर के लिए बयान ही ज्ञान होता जा रहा है। ऐसा मीडिया बचा नहीं जो खड्डु खोद कर अवैध खनन की रेत से खबर छान ले, किसी एसपी की लंबी छुट्टी से संशय के कदम निकाल ले। ऐसा प्रशासन नहीं जो रीढ़ दिखा सके और फर्ज बेचने की तस्करी में शिमला की नौकरशाही, चंद दीवारों के भीतर गुटरगूं करती हुई, फाइल पर फाइल चढ़ा रही। आश्चर्य यह कि तमाम विश्वविद्यालय अपने ही घर से बेघर सियासी चूल्हा गर्म कर रहे। कोई शोध ऐसा नहीं कि आर्थिक-सामाजिक विकल्प मिल जाएं। अचानक रैंकिंग में जब कोई शिक्षण या चिकित्सा संस्थान चमक जाता है, तो जनता को इस खबर पर आश्चर्य होता है। आश्चर्य होता है जब विभाग, संबंधित अधिकारी व मंत्री फरमाते हैं कि प्रदेश में अनाज उत्पादन बढ़ गया, जबकि बंदर और आवारा पशुओं से भयभीत किसान अपने चूल्हे पर पंजाब के खेत का आटा खा रहा होता है। आश्चर्य यह भी कि वर्षों से सरकारें लगातार सरकारी कर्मचारियों और नागरिक समाज को अपना नमक चटा-चटा कर नमक हलाली के लिए तैयार कर रही हैं, लेकिन वोटर वफादारी नहीं कर रहा है। फार्मूले विकास के गीत गाते उधार पे उधार सिर पर चढ़ा रहे।

जापान में प्रजननदर सुधारने कर्मचारियों को हफ्ते में मिलेगी 3 दिन छुट्टी, अगले साल से ऑफिस में होंगे 4-वर्किंग डेज के नियम लागू

टोक्यो, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

जापान की राजधानी टोक्यो में प्रजनन दर में सुधार लाने के लिए नई पहल शुरू की है। अगले साल से ऑफिस में यहां 4-वर्किंग डेज के नियम लागू किए जाएंगे। अब लोगों को सप्ताह में सिर्फ चार दिन काम करना होगा। टोक्यो गवर्नर ने ऐलान किया है कि अगले साल अप्रैल माह से कर्मचारियों के पास ऑप्शन होगा कि वह सप्ताह में तीन दिन ऑफ ले सकेंगे।

पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि लोग अपने बच्चों के पालन-पोषण के चलते अपना करियर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। लोगों के बच्चे पैदा न करने के पीछे भी यह एक बड़ा कारण माना जा रहा है। बीते कुछ सालों की नीतियों की वजह से देश का प्रजनन दर बहुत खराब स्थिति में है। इसमें सुधार लाने की लिए स्थानीय प्रशासन कई नए तरीके अपनाए जा रहे हैं।

गवर्नर ने कहा कि इस दौरान हम काम के तरीके फ्लेग्सिबिलिटी लाएंगे और यह तय करेंगे कि किसी को बच्चे को जन्म देने या फिर बच्चे की केयर करने की वजह से अपना करियर न छोड़ना पड़े। यह पहल जापानी जोड़ों के बीच बच्चों के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए है। टोक्यो प्रशासन के मुताबिक यह योजना उन माता-पिता के लिए सहायक होगी जिनके बच्चे प्राथमिक विद्यालय में हैं, उन्हें कम काम करने का विकल्प मिलेगा जिससे उनकी तनख्वाह में भी संतुलित कटौती होगी।

बता दें पिछले साल जापान में मात्र 727,277 जन्म दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि यह कमी देश की ओवरटाइम वर्क कल्चर का नतीजा है, जो महिलाओं को करियर और परिवार के बीच चुनने के लिए मजबूर करती है। वर्ल्ड बैंक के डेटा के मुताबिक जापान में लिंग रोजगार विषमता अन्य सम्पन्न राष्ट्रों से ज्याद है, जहां महिलाओं की भागीदारी 55 फीसदी और पुरुषों की 72 फीसदी है। चार दिन के वर्कवीक 2022 में 4 डे-वीक ग्लोबल द्वारा वैश्विक स्तर पर आजमाया गया था। इसमें शामिल कर्मचारियों के 90 फीसदी से ज्यादा ने इस शेड्यूल को बनाए रखने की इच्छा जाहिर की।

न्यूज ब्रीफ

युद्धग्रस्त लेबनान से 85 बांग्लादेशी स्वदेश लौटे

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपने खर्च से युद्धग्रस्त लेबनान में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी करवा रही है। आज इथियोपियाई एयरलाइंस की उड़ान (संख्या ईटी-0680) से 85 स्त्री-पुरुष और बच्चे स्वदेश पहुंचे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब तक 16 उड़ानों से 1,048 नागरिकों की स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है। आज सुबह सभी 85 नागरिक ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश मंत्रालय, प्रवासी कल्याण और विदेशी रोजगार मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अधिकारियों ने स्वदेश वापसी पर सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रत्येक व्यक्ति को 5,000 टका प्रदान किए गए। सरकार ने पुष्टि की कि लेबनान में बमबारी की घटना में एक बांग्लादेशी नागरिक की जान चली गई। बेरूत में बांग्लादेश दूतावास वापस आने के इच्छुक लोगों की सुरक्षित वापसी की सुविधा प्रदान कर रहा है।

बाइडेन ने अमेरिका में 1,500 लोगों की सजा कम की, 39 को क्षमा किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को घोषणा की कि वे लगभग 1,500 लोगों की सजा कम कर रहे हैं और गैर-हिंसक अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए 39 लोगों को क्षमादान दे रहे हैं।

बाइडेन के प्रशासन के अंत से कुछ ही हफ्ते पहले राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। व्हाइट हाउस के अधिकारी गुरुवार के इस कदम को आधुनिक इतिहास में एक दिन में क्षमादान का सबसे बड़ा काम बता रहे हैं। जो बाइडेन ने कहा कि 'अमेरिकियों के लिए दैनिक जीवन में हिस्सा लेने और अपने समुदायों में योगदान करने के अवसर को बहाल किया है। अहिंसक अपराधियों, विशेष रूप से नशीली दवाओं के अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लोगों के लिए सजा में असमानताओं को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं।' सूत्रों ने कहा कि लगभग 1,500 लोग जिनकी लंबी सजाएं गुरुवार को कम की गई हैं, उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान घर में नजरबंद रखा गया था। जिन 39 लोगों को माफ किया जा रहा है, वे अहिंसक अपराधों के लिए दोषी थे। इस घोषणा से परिचित एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि 'वे ऐसे लोग हैं जिन्होंने रोजगार हासिल किया है, अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाया है, अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों के लिए देखभाल करने वाले के रूप में काम किया है, और वास्तव में अपने समुदायों के ताने-बाने में फिर से शामिल हुए हैं।

मेक्सिको अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा चाहे अमेरिका किसी को भी बनाए राजदूतः शिनबाम, हम अपनी संप्रभुता और बराबरी के दर्ज की रक्षा करेंगे

मेक्सिको। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हाल ही में एक बड़ा एलान किया है कि उसका प्रशासन देश की संप्रभुता की रक्षा करेगा, भले ही अमेरिका मेक्सिको में राजदूत के रूप में किसे भी चुने। इस वक्त का यह बयान अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में की गई नियुक्ति के बाद आया है। राष्ट्रपति शिनबाम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि इस राजदूत या किसी अन्य के साथ, हम अपनी संप्रभुता और बराबरी के दर्ज की रक्षा करेंगे। हमें विश्वास है कि एक समझौता होने जा रहा है और हम हमेशा मेक्सिको की रक्षा करेंगे। एक समाचार एजेंसी के अनुसार शिनबाम ने द्विपक्षीय एजेंडे के आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया, जिसमें अमेरिका से मैक्सिको में हथियारों की तस्करी से निपटना भी शामिल है। ट्रंप ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषित किया कि मेक्सिको में उनके राजदूत रिटायर्ड कर्नल रोनाल्ड जॉनसन का नियुक्ति होगा। जॉनसन एक पूर्व सीआईए अधिकारी और सेना के स्पेशल फोर्स अधिकारी हैं। ट्रंप ने कहा कि जॉनसन अमेरिका प्रथम विदेश नीति के माध्यम से हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे महान विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर काम करेंगे।

तुर्किये ने सीरिया में बांध पर गिराए बम, इजराइल के हमले से संरा चिंतित, वहां से हटने का आह्वान, नेतन्याहू का इनकार

दमिश्क, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया पर विद्रोहियों के फतह के बावजूद हालात सुधर नहीं रहे। अब मुल्क इजराइल और तुर्किये के आक्रमण का सामना करने को बेवश है। अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद परिवार समेत रूस भाग चुके हैं। रूस ने उन्हें मानवीय आधार पर शरण दी है। तुर्किये ने बांध पर बमबारी कर नया संकट उत्पन्न कर दिया है। इजराइल के हमलों से संयुक्त राष्ट्र चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल से हटने का आह्वान किया है। मगर उसने इससे इनकार कर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इजराइल से सीरिया में हमले बंद करने और बफर जोन से हटने का आह्वान किया है। इजराइली सुरक्षा बलों के अपदस्थ असद शासन की अधिकांश सैन्य संपत्तियों को नष्ट करने के बाद गुटेरेस के प्रवक्ता ने देश भर में सभी मोर्चों पर हिंसा को कम करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सीरिया के कई स्थानों पर इजरायली हवाई हमलों से चिंतित हैं। उन्होंने समूचे सीरिया में सभी मोर्चों पर हिंसा को कम करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हैं।

इससे पहले इजराइली सेना ने कहा कि उसने सीरिया में 350 से अधिक हमले किए। इस दौरान अपदस्थ सीरियाई शासन से संबंधित अधिकांश सामरिक हथियारों के भंडार को नष्ट कर दिया। इजराइल ने पिछले सप्ताह राष्ट्रपति असद को उखाड़ फेंकने के बाद सीरिया के अंदर एक बफर जोन में प्रवेश करने की बात स्वीकार की।

इजराइल ने कहा कि उसकी सेना सीरियाई क्षेत्र में तब तक रहेगी जब तक कि एक नई सेना स्थापित नहीं हो जाती, जो उसकी सुरक्षा मांगों को पूरा करती हो। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली सैनिक अस्थायी रूप से तैनात रहेंगे।

इजराइली सेना ने 155 वर्ग मील क्षेत्र में जवानों को तैनात किया है। इजराइल के अधिकारियों के अनुसार, उसके सैनिकों ने सीरियाई क्षेत्र के अंदर भी मजबूत स्थिति बना ली है।

पूर्व सीरियाई शासन के पतन के बाद मुल्क में अनिश्चितता व्याप्त है। सोशल मीडिया साइटों में एक वीडियो क्लिप प्रसारित हुआ है। इसमें सशस्त्र गुटों के एक सदस्य को सीरियाई तट पर लताकिया शहर में पूर्व सीरियाई शासन के पतन पर खुशी मनाते हुए जश्न के दौरान आईएसआईएस का नारा लगाते हुए दिखाया गया है।

तुर्किये समर्थित सीरियाई राष्ट्रीय सेना ने उत्तरी सीरिया के मनबिज शहर में मनबिज सैन्य परिषद की सेनाओं के साथ झड़प के बाद एक चौकी को नियंत्रित कर लिया है।

तुर्किये बलों ने अलेप्पो के ग्रामीण इलाके में तिशरीन बांध पर भीषण बमबारी की है। इससे बिजली उत्पादन बंद हो गया। इससे मनबिज, कोबानी, सिरिन और अल-जर्निह में बिजली गुल हो गई। तुर्किये समर्थित सीरियाई राष्ट्रीय सेना ने यूफ्रेट्स नदी पर तिशरीन बांध के साथ कर्कोजाक पुल पर भी हमला किया। इस दौरान सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज के साथ उसकी झड़प हुई। बमबारी के कारण बांध का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया। इससे कई शहर और गांव के डूब गए।

अफगान मीडिया ने हक्कानी की हत्या के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार बताया

काबुल। तालिबान के शरणार्थी मंत्री खलील हक्कानी की आत्मघाती बम विस्फोट में हत्या के लिये अफगान मीडिया में पाकिस्तान को जिम्मेदार बताया जा रहा है। अफगानिस्तान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि घातक आत्मघाती हमला संभवतः पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) का काम है। एजेंसी ने तालिबान के खुफिया विभाग से जुड़े अल-मर्साद नामक एक मीडिया आउटलेट के हवाले से यह दावा किया। रिपोर्ट के मुताबिक हमले से पहले पाकिस्तानी सेना से जुड़े अकाउंट्स से धमकी भरी पोस्ट और इसकी प्रकृति के आधार पर, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि इसके लिए आईएसआईएस-खोरासन (आईएसआईएस-के) जिम्मेदार है। इसमें बताया गया कि अल-मर्साद ने 'ईगल आई' नामक एक यूजर अकाउंट का जिक्र किया। इसने तालिबानी मंत्री पर घातक हमले से कुछ घंटे पहले एक मैसेज पोस्ट किया, जिसमें कहा गया, 'एक और काफिला निकट है' और विस्फोट के तुरंत बाद पोस्ट को हटा दिया गया। इस अकाउंट को पाकिस्तानी सेना से जुड़ा बताया गया है। इस हमले की जिम्मेदारी आईएसआईएस-के ने ली है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार (11 दिसंबर) की रात को ग्रुप ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक बयान जारी किया, जिसमें हक्कानी पर हमले में अपनी भूमिका को स्वीकार किया गया। आईएसआईएस-खोरासन के बयान में यह भी उल्लेख किया गया है कि खलील-उर-रहमान हक्कानी के अलावा, हमले में कई अन्य व्यक्ति मारे गए। इस बीच, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने आत्मघाती हमले की निंदा की। वहीं पाकिस्तानी डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर एक पोस्ट में हमले में हुई मौतों और जानमाल के नुकसान पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, पाकिस्तान आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की स्पष्ट रूप से निंदा करता है। हक्कानी अफगान शरणार्थियों के पुनर्वास की देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे जो मुख्य रूप से पड़ोसी पाकिस्तान और ईरान से वापस भेजे जा रहे थे।

येओल मार्शल लॉ लगा पाते तो सुप्रीम कोर्ट के एक जज की भी गिरफ्तारी होती, खुलासे पर शीर्ष अदालत ने की निंदा

सियोल, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल तीन दिसंबर को मार्शल लॉ लागू करने में सफल हो जाते तो देश में बड़े पैमाने पर विरोधियों, सत्ता पक्ष के कुछ नेताओं और सुप्रीम कोर्ट के एक जज की गिरफ्तारी होती। सेना को गिरफ्तार करने के लिए सौंपे गए नामों की सूची में इस जज का नाम शामिल था। इसका खुलासा होने पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताते हुए इसकी कठोर निंदा की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सामने आई रिपोर्ट्स को न्यायिक प्राधिकार का गंभीर उल्लंघन बताया है। शीर्ष अदालत ने इसकी निंदा की है। इस सूची में सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज किम डोंग-ह्यून का भी नाम था। उन्होंने कोरिया की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे-म्युंग को एक मामले में बरी किया था।

शीर्ष अदालत ने आज जारी बयान में कहा कि अगर यह सच है तो यह न्यायिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन का मामला है और गंभीर चिंता पैदा करता है। संवैधानिक लोकतंत्र में ऐसी हरकत कभी नहीं होनी चाहिए। समय आ गया है कि जिम्मेदार लोगों को कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराते हुए तथ्यों को तत्काल स्पष्ट किया जाना चाहिए।

सैन्य प्रतिवाद के पूर्व प्रमुख येओ इन-ह्युंग ने तीन दिसंबर की रात राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के आयुक्त जनरल चो जी-हो को फोन किया और गिरफ्तार करने के लिए लगभग 15 व्यक्तियों की सूची प्रदान की। इस सूची में सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता हान डोंग-हून और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन-शिक और किम डोंग-ह्यून जैसी प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के नाम शामिल थे।

राष्ट्रीय खुफिया सेवा के पूर्व उप निदेशक होंग जांग-वोन पहले ही खुलासा कर चुके हैं कि मार्शल लॉ की घोषणा के तुरंत बाद साझा की गई येओल की गिरफ्तारी सूची में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश किम म्युंग-सू और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश क्वोन सून-इल भी शामिल थे।

इस पर सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक कार्यालय के निदेशक चुन डे-योप ने छह दिसंबर को नेशनल असेंबली न्यायपालिका समिति की बैठक में कहा था कि अगर यह सच है तो यह एक समझ से बाहर और अत्यधिक अनुचित कार्रवाई है।

ट्रंप ने बुलाया इसके बाद भी शपथ ग्रहण में नहीं जाएंगे चीनी राष्ट्रपति

बीजिंग, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शी जिनपिंग इस कदर चिढ़े हैं कि वह इस कार्यक्रम से किनारा ही करना चाहते हैं। टैरिफ बढ़ाने की धमकी के बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि शी जिनपिंग के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना ना के के बराबर है।

सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अमेरिका में चीन के राजदूत अपनी पत्नी के साथ समारोह में शामिल हो सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के लिए 20 जनवरी को शपथ ग्रहण होना है। इस कार्यक्रम में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी आमंत्रित किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद शी जिनपिंग की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने कहा था कि टैरिफ और टेक्नॉलजी को लेकर लड़ाई में जीत किसी की नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा कि चीन अपने हितों की रक्षा करने में पीछे नहीं रहेगा। अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते पिछले कुछ सालों से अच्छे नहीं हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 60 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी इसके अलावा ट्रंप ने यह भी कहा था कि अगर चीन फेंटेनाइल पर लगाम नहीं लगाता तो 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क भी लगा दिया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम के जिम्मेदार अधिकारियों ने अपने साथियों को डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल का काम सौंप दिया है। वहीं गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, चीन के साथ हमारे संबंध अच्छे हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हमारी कुछ मुद्दों को लेकर बातचीत होती रहती है।

बता दें कि हाल ही में अमेरिकी एजेंसियों ने चीन पर आरोप लगाया था कि वह टेलीकॉम कंपनियों को हैक करने की कोशिश कर रहा है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स के फोन हैकिंग की भी कोशिश की गई थी।

वार्षिक हॉलिडे हैम्पर ड्राइव कार्यक्रम

रिचमंड, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वार्षिक हॉलिडे हैम्पर ड्राइव कार्यक्रम के दौरान फर्श पर हैम्पर रखे हुए देखे जा सकते हैं। हवाई अड्डे के कर्मचारियों और यात्रियों द्वारा छुट्टियों के मौसम में ज़रूरतमंद परिवारों की मदद करने के लिए भोजन से भरे एक हज़ार से ज़्यादा बैग दान किए गए।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने सैन्य अदालतों को 85 मामलों में सशर्त फैसला सुनाने की अनुमति दी

इस्लामाबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आज सैन्य अदालतों को नौ मई, 2023 के दंगों से संबंधित 85 मामलों में फैसला सुनाने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले सशर्त होंगे। नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

यह फैसला जस्टिस अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली संवैधानिक पीठ ने सुनाया। शीर्ष अदालत ने नागरिकों के सैन्य मुकदमे के खिलाफ अपील की सुनवाई पर आज अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले उसके समक्ष लंबित मामलों पर शीर्ष अदालत के फैसले के लिए सशर्त होंगे।

शीर्ष अदालत ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में आज भी संघीय सरकार के वकील ख्वाजा हारिस ने अपनी दलील रखीं। जस्टिस जमाल खान मंडोखाइल ने उनसे पूछा कि क्या इस श्रेणी में सभी पर मुकदमा चलाने के लिए सेना अधिनियम में संशोधन किया जाना चाहिए जस्टिस मोहम्मद अली मजहर ने सेना अधिनियम के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने के पीछे के कारणों के बारे में पूछताछ की। जस्टिस मंडोखाइल ने कहा कि सेना अधिनियम 1973 के संविधान से पहले बनाया गया था। ख्वाजा हारिस ने जवाब दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में खामियां थीं। जस्टिस जमाल मंडोखाइल ने टिप्पणी की, अदालत के फैसले का इस हद तक अनादर न करें कि आप इसे त्रुटिपूर्ण कहें। ख्वाजा हारिस ने माफी मांगते हुए कहा, मेरे शब्द कानूनी प्रकृति के नहीं थे। जस्टिस मजहर ने टिप्पणी की कि अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान नौ मई की घटनाओं का विवरण भी मांगा था। वर्तमान में हमारे सामने मामला केवल कोर कमांडर हाउस से संबंधित है। यदि मामला केवल कोर कमांडर के घर तक ही सीमित रहना है, तो कृपया इसे भी स्पष्ट करें। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सभी विवरण आज सुबह प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह संपूर्ण विवरण जल्द प्रस्तुत कर देंगे।

ब्रिस्बेन में परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण, लेकिन 35 ओवर के बाद बल्लेबाजी करना आसान : शुभमन गिल

ब्रिसबेन, 13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट से पहले, स्टार भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि ब्रिस्बेन में परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण हैं लेकिन 30 से 35 ओवर के बाद पहले बल्लेबाजी करना आसान होता है।

सीरीज का तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिसबेन क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होने वाला है। दोनों टीमें 1–1 मैच जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी पर हैं। अगला मुकाबला द गाबा में होगा, एक ऐसा मैदान जहाँ 2020–21 के दौरे के दौरान एक अनुभवहीन भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 32 वर्षों में अपनी पहली टेस्ट हार दी थी।

गिल ने प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जिस तीव्रता से यहाँ खेल खेले जाते हैं, खासकर टेस्ट मैच, वह कठिनाइयों में से एक है क्योंकि पाँच दिनों तक एक ही तीव्रता बनाए रखना ऑस्ट्रेलियाई दौरे को इतना कठिन बनाता है और सबसे बढ़कर यह मानसिक तीव्रता और मानसिक फिटनेस है जिसकी यहाँ ऑस्ट्रेलिया में आवश्यकता होती है।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि ब्रिस्बेन में परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण हैं लेकिन 30 से 35 ओवर के बाद नई गेंद आने से पहले बल्लेबाजी करना आसान होता है।

उन्होंने कहा, ब्रिसबेन की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन 30 से 35 ओवर तक का समय होता है जब तक कि दूसरी नई गेंद नहीं आ जाती, तब बल्लेबाजी करना आसान होता है। ऑस्ट्रेलिया की पिचें तेज़ हैं और ऑस्ट्रेलिया का इतिहास यह है कि उन्होंने अच्छे तेज़ गेंदबाज़ों के साथ खेला है क्योंकि विकेट ने उन्हें मदद की है क्योंकि यह कठोर और तेज़ है। आपको वहाँ रहना होगा और मैदान पर उसी मानसिक फिटनेस और तीव्रता के साथ खेलने के लिए तैयार रहना होगा। गिल ने उस समय को याद किया जब उन्होंने आखिरी बार 2020–21 में यहां खेला था और इसे पुरानी यादें वाला पल बताया।

गिल ने कहा, निश्चित रूप से, जब मैं यहां आया तो बहुत पुरानी यादें ताजा हो गईं। पूरी टीम आई और स्टेडियम में घूमते हुए, बहुत पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे लगता है कि एक बार जब हम इस पर खेलेंगे तो हमें विकेट के बारे में पता चल जाएगा। मुझे लगता है कि यह खेलने के लिए एक अच्छी विकेट होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 से बाहर हुई ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद की भारतीय युगल जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद शुक्रवार को हांग्जो में अपने ग्रुप ए मुकाबले में जापानी जोड़ी नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा के खिलाफ सीधे गेम में हारकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी करो या मरो वाले मैच में 17–21, 13–21 से हार गई, जहां एक जीत उन्हें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह दिला सकती थी। ट्रीसा और गायत्री, (सीज़न के अंतिम टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय) को ग्रुप के अपने शुरुआती मैच में विश्व नंबर 1 लियू शेंग शू और चीन के टैन निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अपने दूसरे मैच में मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिना मुरलीधरन के खिलाफ जीत के साथ वापसी की और अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा। हालाँकि, हालिया हार के बाद, वे तीन मैचों में केवल एक अंक के साथ अपने समूह में तीसरे स्थान पर रहे। चीनी और जापानी जोड़ी समूह में क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए अगले चरण में आगे बढ़ी।

युगांडा, तंजानिया ने सीएएफ अफ्रीकी स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप जीती

कंपाला। युगांडा और तंजानिया ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है। सेंट नूह गर्ल्स स्कूल की ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली युगांडा की टीम सात अंक प्राप्त करके लड़कियों की श्रेणी में चैंपियन बनी। युगांडा ने गुरुवार को मध्य युगांडा के किटेंडे स्थित सेंट मैरी स्टेडियम में खेले गए अपने आखिरी मैच में रवांडा को 8–0 से हराया। दूसरे मैच में तंजानिया ने बुरुंडी को 1–0 से हराकर सात अंक प्राप्त किए, लेकिन कम गोल अंतर के कारण वह युगांडा से पीछे रह गया। लड़कों की श्रेणी में, तंजानिया रवांडा को 2–0 से हराकर युगांडा से बेहतर गोल अंतर के साथ चैंपियन बनकर उभरा, क्योंकि दोनों टीमें छह अंकों पर बराबरी पर थीं। गुरुवार को श्रेणी के दूसरे मैच में, सोमालिया और बुरुंडी ने गोल रहित ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में पाँच लड़कों की टीमें और चार लड़कियों की टीमें शामिल थीं। प्रत्येक श्रेणी के चैंपियन को एक ट्रॉफी, स्वर्ण पदक और 100,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है।

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा, आकिब जावेद ने संभाली कमान

लाहौर। जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को टीम के दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अपने फैसले की जानकारी दी।

गिलेस्पी का इस्तीफा काफी हद तक अपेक्षित था, क्योंकि पीसीबी ने उनके सहायक कोच टिम नीलसन के अनुबंध को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया था। ऐसा कहा जाता है कि गिलेस्पी और नीलसन दोनों के बीच अच्छे कामकाजी संबंध थे। गुरुवार देर रात पीसीबी ने कहा कि आकिब जावेद अंतरिम आधार पर रेड बॉल कोच का पद संभालेंगे। आकिब को पहले भी गैरी कर्स्टन के इस्तीफे के बाद व्हाइट–बॉल टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और वह वर्तमान में तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान व्हाइट–बॉल टीम के साथ हैं। पीसीबी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, रेड–बॉल हेड–कोच जेसन गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद पीसीबी ने आकिब जावेद को अंतरिम रेड–बॉल हेड कोच नियुक्त किया है। रेड–बॉल हेड कोच के तौर पर आकिब का पहला काम पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी पीसीबी के कुछ हालिया फैसलों से नाराज हैं ।

नीरज चोपड़ा की प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा और विश्व एथलेटिक्स महिला फील्ड इवेंट एथलीट ऑफ द ईयर यूक्रेन की यारोस्लावा महुचिख उन 23 एथलीटों में शामिल हैं जिनकी प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया। विश्व एथलेटिक्स संग्रहालय (एमओडब्ल्यूए) एथलीटों की कलाकृतियों को ऑनलाइन 3डी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करेगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, उन एथलीटों को धन्यवाद जिन्होंने 2024 में हमारे संग्रहालय के संग्रह के लिए अपने प्रतियोगिता के कपड़े, जूते और यहां तक कि पदक भी दान कर दिए हैं।

इस साल हमें 1960 के दशक के दो आइकन, व्योमिया टायस और बिली मिल्स, और 1980 के ओलंपिक 100 मीटर चैंपियन एलन वेल्स, साथ ही 2000 और 2008 के ओलंपिक हेप्टाथलॉन स्वर्ण पदक विजेता क्रमश: डेनिस लुईस और नतालिया डोब्रिंस्का से ऐतिहासिक ओलंपिक जीतने वाली वस्तुएं मिली हैं।

उन्होंने कहा, अपने ओलंपिक संग्रह को अद्यतन रखते हुए, हमें आज पेरिस 2024 पदक विजेताओं यारोस्लावा महुचिख, थिया लाफॉन्ड और नीरज चोपड़ा से दान की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।

महुचिख ने जुलाई में स्टेड चार्लेटी में पेरिस डायमंड लीग में 2.10 मीटर की छलांग के साथ लंबे समय से चले आ रहे विश्व हाई जंप रिकॉर्ड को तोड़ा और अगस्त में स्टेड डी फ्रांस में ओलंपिक खिताब जीता।

उन्होंने अपना पेरिस ओलंपिक सिंगलेट, नाम बिब और शॉर्ट्स एमओडब्ल्यूए को दान कर दिया है। महुचिख ने मोनाको में विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में भाग लेने के दौरान कोए को ये आइटम भेंट किए।

लाफॉन्ड, जिन्होंने पेरिस में ओलंपिक ट्रिपल जंप का खिताब 15.02 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ जीता था और डोमिनिका की किसी भी खेल में पहली ओलंपिक पदक विजेता बनी थीं, ने पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान पहनी गई क्रॉप टॉप को इस संग्रह में शामिल किया है।

2024 में, लाफॉन्ड को विश्व इनडोर चैंपियन का भी ताज पहनाया गया, उन्होंने 15.01 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड छलांग के साथ यह खिताब जीता था।

टोक्यो खेलों में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स में भारत का पहला ओलंपिक खिताब जीतने वाले नीरज ने पेरिस 2024 में पहनी गई प्रतियोगिता टी–शर्ट दान कर दी है।

89.45 मीटर के अपने दूसरे दौर के थ्रो के साथ, चोपड़ा ने अरशद नदीम के पीछे रजत पदक हासिल किया, जिन्होंने 92.97 मीटर का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था।

चैंपियंस ट्रॉफी पर आ गया फैसला

आईसीसी ने मानी पाकिस्तान की शर्त हाईब्रिड मॉडल के लिए तैयार पीसीबी

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की शर्तों को आईसीसी को मान गया है । जिसके बाद आईसीसी ने हाईब्रिड मॉडल को मंजरी दी। बीसीसीआई ने टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से साफ इनकार कर दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) मेजबानी की जिद पर अड़ा था। लेकिन बीसीसीआई और पीसीबी के बीच आपसी सहमति के बाद हाईब्रिड मॉडल को मंजूरी दी गई है । इसके लिए पाकिस्तान ने कुछ शर्तें रखी थी, जिसके लिए पीसीबी मान गया है ।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आईसीसी ने अभी तक शेड्यूल जारी नहीं किया है । लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि भारत के मुकाबले दुबई में होंगे. पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर शर्त रखी थी कि वह लीग स्टेज मुकाबलों के लिए भारत दौरा नहीं करेगा। पाक टीम के लिए मुकाबले कोलंबो में आयोजित किए जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शर्त को मंजूरी देते हुए आईसीसी ने हाईब्रिड मॉडल पर ठप्पा लगा दिया है ।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से भारत के मैचों की मेजबानी छिनने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इसके लिए कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। लेकिन पीसीबी ने 2027 के बाद आईसीसी महिला टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार ले लिए हैं। इस डील से बीसीसीआई, आईसीसी और पीसीबी तीनों सहमत नजर आए।

विश्व एक्वेटिक तैराकी चैंपियनशिप

हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एक्वेटिक्स तैराकी चैंपियनशिप (25 मीटर) में महिलाओं की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक के पुरस्कार समारोह के दौरान पोज देती हुई, चीन की स्वर्ण पदक विजेता तांग क्विंटिंग (बीच में), संयुक्त राज्य अमेरिका की रजत पदक विजेता लिली किंग (बाएं) और एस्टोनिया की कांस्य पदक विजेता एनेली जेफिमोवा।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित, शाई होप, शेरफेन रदरफोर्ड बाहर

किंग्सटाउन, 13 दिसंबर(एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज ने घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप और बाएं हाथ के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में खेलने के कारण इस जोड़ी को बाहर कर दिया गया, रोवमैन पॉवेल एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वेस्टइंडीज का नेतृत्व करेंगे।

फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज कीसी कार्टी ने सेंट किट्स में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में 95 रन बनाकर पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल–अप हासिल किया, जबकि अनुभवी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स भी चोट के

कारण हाल ही में सीरीज गंवाने के बाद वापस लौटे हैं।

वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी ने कहा कि टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के 2026 संस्करण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा, कार्टी ने हमें दिखाया है कि वह उस प्रारूप में एक बल्लेबाज हो सकता है, और बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए, एक ऐसी टीम जिसे हम हल्के में नहीं ले सकते, हमें डेक पर सभी की जरूरत है। हमारे पास उपलब्ध खिलाड़ियों के साथ टीम का सावधानीपूर्वक चयन किया गया था, और मुझे विश्वास है चैंपियनशिप जीतने के लिए आवश्यक अनुभव के साथ यह हमारी सबसे व्यवस्थित टीम है।

वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच तीनों मैच सेंट विंसेंट में होंगे, पहला मुकाबला 15 दिसंबर से शुरू होगा। दूसरा मैच ,17 और तीसरा 19 दिसंबर को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उप–कप्तान), कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, जस्टिन ग्रीव्स, टेरेंस हिंड्स, अकील होसेन (केवल पहले दो मैच), जेडन सील्स (केवल तीसरा मैच), अल्ज़ारी जोसेफ , एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने घोषित की अपनी प्लेइंग इलेवन, वोक्स की जगह मैथ्यू पॉट्स टीम में शामिल

हैमिल्टन, 13 दिसंबर(एजेंसियां) ।

इंग्लैंड ने शुक्रवार को सेडॉन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। टीम में क्रिस वोक्स की जगह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया है।

कप्तान बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि इंग्लैंड हैमिल्टन में तीसरी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए अपने लाइन–अप में एक बदलाव किया गया है, जिसमें तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को साथी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की

जगह वापस बुलाया गया है।

इसका मतलब है कि ओली पोप कीपर की भूमिका में बने रहेंगे। इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में शुरुआती दो मैच जीत लिया है और अब उनका प्रयास क्लीन स्वीप करने का है।

वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने शुक्रवार को अपनी एकादश का खुलासा नहीं किया है, कप्तान ने सुझाव दिया कि वह यह घोषणा करने से पहले शनिवार की सुबह तक इंतजार करेंगे, जिससे यह अभी अधर में है कि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।

साउथी तीन तेज गेंदबाजी स्थानों के लिए अपने साथी तेज गेंदबाज विल ओरूर्के, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी के साथ प्रतिस्पर्धा में हैं, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के पास श्रृंखला में अपनी पहली उपस्थिति के लिए लाइन–अप में लौटने का मौका है।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन:

जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर।

न्यूजीलैंड की संभावित एकादश:

टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओरूर्के।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली,13 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने के सपाट स्तर पर बने रहने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी बुधवार के भाव 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अशोक लेलैंड के वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 3 फीसदी तक बढ़ोतरी का ऐलान

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के बाद हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड ने अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में अगले साल जनवरी से 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि मुद्रास्फीति और कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि के कारण जनवरी से अपने वाणिज्यिक वाहनों की पूरी रेंज पर 3 तीन फीसदी तक की इजाफा करेगी। कंपनी ने कहा कि इस कदम से लागत के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे पहले टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया के साथ-साथ लग्जरी यात्री वाहन तथा कार निर्माता कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी ने पहले ही जनवरी, 2025 से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है।

दूसरों को मनपसंद डिश खिलाने वाली जोमैटो सरकार के डकार गई 803 करोड़! अब होगी वसूली

नई दिल्ली। जोमैटो को लेकर सरकार ने एक खुलासा किया है। सरकार ने कहा है कि जोमैटो ने 803 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है और अब उसे वसूली के लिए नोटिस भेजा गया है। दूसरी ओर, जोमैटो ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा है कि वह इससे बचने के लिए कानूनी सहारा लेगी। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया है कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने उसे 803.4 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड मांग नोटिस भेजा है। इसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। कंपीन का कहना है कि डिलिवरी शुल्क पर ब्याज और जुर्माना के साथ जीएसटी का भुगतान न करने के संबंध में उसे नोटिस मिला है। जोमैटो ने कहा, 'कंपनी को 12 दिसंबर, 2024 को एक आदेश प्राप्त हुआ है। यह आदेश 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के लिए सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, ठाणे आयुक्तालय, महाराष्ट्र के संयुक्त आयुक्त द्वारा पारित किया गया है। इसमें लागू ब्याज के साथ 401,70,14,706 रुपये के जीएसटी की मांग और 401,70,14,706 रुपये के जुर्माने की पुष्टि की गई है।

अब 2 दिन में बंद हो जाएगी एसआईपी नहीं लगेगा जुर्माना, सेबी ने म्यूचुअल फंड कंपनियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है, भारतीय प्रतिभूति और विनियमक बोर्ड (सेबी) ने नया नियम लागू कर दिया है जिसके अनुसार अब आपको एसआईपी बंद करने के लिए सिर्फ दो दिन का इंतजार करना होगा। यह नियम 1 दिसंबर, 2024 से लागू हो चुका है। पहले सिपाहियों को 10 वर्किंग डेज का इंतजार करना पड़ता था, जिससे कई लोग अपनी सिप बंद करने में समय परेशान होते थे। इस नए नियम से निवेशकों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब वे अपने एसआईपी को दो दिन पहले ही बंद कर सकेंगे। यह न केवल जुर्माने से बचाएगा, बल्कि उन्हें अपने निवेश पर अधिक नियंत्रण भी मिलेगा। सेबी ने इस नए नियम को पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। वरिष्ठ आर्थिक सलाहकारों का कहना है कि इस नए नियम से निवेशकों को वित्तीय योजनाओं में अधिक सावधानी बरतने में मदद मिलेगी। यह भी निवेशकों को आत्मविश्वास देगा की उनके निवेशों पर पूरी निगरानी हो रही है। इस नए नियम के लागू होने से बाजार में भी एक नया जोश आया है, क्योंकि लोग अब अपने निवेशों पर अधिक नियंत्रण बनाए रख सकेंगे। यह नियम आम लोगों के वित्तीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा और उन्हें बेहतर वित्तीय योजनाओं में निवेश करने का साहस देगा। इस तरह सेबी द्वारा नए नियमों की घोषणा से म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक बड़ी सुविधा प्रदान की गई है और वित्तीय योजनाओं में निवेश करने के लिए उन्हें अधिक आत्मविश्वास मिलेगा।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

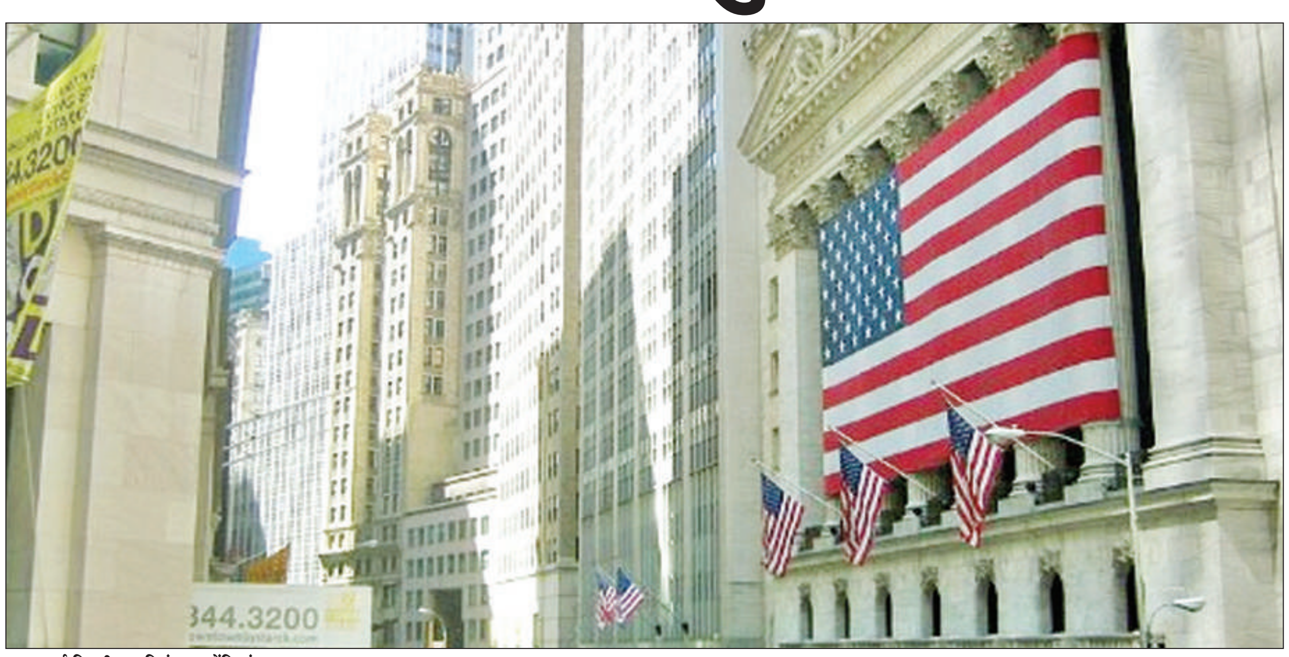

नई दिल्ली,13 दिसंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,051.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 118.91 अंक यानी 0.59 प्रतिशत टूट कर 19,915.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,872.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,311.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,420.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,426.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में दबाव के बीच मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,816.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.19 प्रतिशत उछल कर 23,090.26 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,496.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 193 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,442 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 455.91 अंक यानी 1.14 प्रतिशत टूट कर 39,393.23 अंक तक पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 321.49 अंक यानी 1.58 प्रतिशत फिसल कर 20,075.56 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,409.87 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,437.22 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की फिसलन के साथ 7,362.21 अंक के स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रहे हैं।

आईएचएमएच के छात्रों ने क्रिसमस के जश्न को भव्य लंच के साथ मनाया

हैदराबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)।

50 से अधिक वर्षों की विरासत वाला और केंद्र सरकार का संस्थान द इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) हैदराबाद ने शुक्रवार को अपने डीडी कॉलोनी परिसर में शानदार क्रिसमस गाला लंच का आयोजन किया। इस उत्सवी समारोह में क्रिसमस की खुशी के साथ-साथ भव्यता और उत्साह के साथ नए साल का स्वागत किया गया।

इस भव्यता को और बढ़ाते हुए, 5-सितारा होटलों, प्रसिद्ध स्टैंड-अलोन रेस्तराओं के कार्यकारी शेफ, प्रमुख आतिथ्य ब्रांडों के क्षेत्र निदेशक (एच.आर.) और प्रशिक्षण प्रबंधक छात्रों के साथ समारोह में शामिल हुए। इस अनूठी सभा ने बातचीत और प्रेरणा के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे यह सभी उपस्थित लोगों के लिए एक यादगार अवसर बन गया।

इस उत्सव में आईएचएमएच के उभरते हुए शेफ़्स की असाधारण पाककला प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया, जिन्होंने रोस्ट टर्की और स्टोलन जैसे क्रिसमस क्लासिक्स के साथ-साथ हम्मस मेज़ और कॉक औ विन जैसे अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की एक शानदार प्रस्तुति दी। इस जीवंत कार्यक्रम ने महत्वाकांक्षी शेफ़्स को हैदराबाद के प्रतिष्ठित शेफ़ बिरादरी के साथ बातचीत करने, पाककला पेशे में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और एक आशाजनक भविष्य की झलक पाने का एक अमूल्य अवसर प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए आईएचएमएच के प्रिंसिपल .संजय के. ठाकुर ने कहा कि इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में आतिथ्य और होटल प्रशासन पढ़ाने वाला एकमात्र केंद्र सरकार का संस्थान है।

यह कॉलेज दुनिया भर में फैले अपने पूर्व छात्रों के साथ अपनी स्थापना के 52 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संविधान नागरिकों के ...

संविधान हमारे कर्म में दिखाई देता है। हमारी सरकार ने दस साल में जो भी संशोधन किए हैं, उनका मकसद लोगों के अधिकारों को सशक्त करना रहा है। भाजपा ने जो भी कानून बनाया है उसमें सबको साथ लेकर चलने का प्रयास किया गया है। इसी संविधान ने भाजपा सरकार को धारा 370 हटाने की ताकत दी है। हमने देश में संघवाद को मजबूत करने का काम किया है। हमने संविधान की रक्षा के लिए हर कदम उठाए हैं और इसे मजबूत करने के लिए काम किया है। दल विरोधी कानून को और मजबूत किया है, ताकि राजनीतिक भ्रष्टाचार को रोकने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में एक ऐसा संशोधन हुआ है, जिसमें एक अपराधी व्यक्ति एक बार भी यदि एक बार भी शीर्ष संवैधानिक पद पर बैठतो है, तो उसके सारे अपराधों को माफ करना था। यह जनता को फिर से उनके अधिकारों पर कुठाराघात का प्रयास था, लेकिन आज कांग्रेस पार्टी उसी के सहारे आज राजनीति कर संविधान को बचाने की बात करते हुए संविधान की प्रति लेकर घूम रही है, लेकिन संविधान का पालन नहीं करती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने अधिकारों का दुरुपयोग कर चुनी हुई सरकारों को गिराया है। एक बार नहीं श्रीमती गांधी के समय दर्जनों बार चुनी हुई सरकारों को गिराकर मनमानी की गई और संविधान की व्यवस्था को तार तार किया गया है। कांग्रेस ने कभी संविधान को नहीं माना है और उसके अनुकूल आचरण नहीं किया है, लेकिन वे लोग संविधान की प्रति जेब में लेकर चल रहे हैं जिन्होंने कभी संविधान को नहीं माना और उनके एक नेता आज भी विदेश में जाकर भारत के खिलाफ आग उगलते हैं। भारत सरकार की आलोचना करते हैं और देश के नागरिकों को अपमानित करने का काम करते हैं। आश्चर्य यह है कि वह नेता देश में मोहब्बत की दुकान खोलने की बात करते हैं, जो विदेश में भारत के लोगों का अपमान करते हैं।

श्री सिंह ने दिसम्बर 1992 का जिक्र किया और कहा कि अयोध्या में जब विवादित ढांचे को तोड़ने की बात हुई तो तत्काल मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने शाम को राज्यपाल को इस्तीफा दे दिया, लेकिन कांग्रेस की केंद्र की सरकार ने इस्तीफा स्वीकार नहीं किया बल्कि बहुमत वाली सरकार को बर्खास्त कर दिया। इसके बाद गठबंधन की सरकार आई और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार उत्तर प्रदेश में बहुमत हासिल कर चुकी थी लेकिन कह दिया गया कि सरकार बहुमत में नहीं है और सदन में बहुमत हासिल कर चुकी सरकार को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने कहा कि क्या यही संविधान की रक्षा है जिसको तत्काल राष्ट्रपति के आर नारायण ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस बर्खास्तगी पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया और केंद्र सरकार को इस पर पुन: विचार करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान स्वाधीनता सेनानियों की आहूति के अमृत कुंड से निकला है और इसमें देश के हर नागरिक और संविधान सभा के सभी सदस्यों के विचारों की भावनाओं के आधार वाला है और इन महानुभावों ने इस संविधान को समृद्ध किया है। एक पार्टी हमारे संविधान को हाईजैक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह संविधान किसी एक पार्टी की विचारधारा के अनुकूल नहीं बल्कि सबकी भावनाओं के अनुकूल बनाया गया है और इसके निर्माण में सभी विचारधारा के लोगों का योगदान रहा है।

भाजपा नेता ने कहा कि हमारे प्रेरणा स्रोत श्यामा प्रसाद मुखर्जी का मानना था कि संविधान सामूहिक प्रयास का नतीजा है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने हमारे गणतंत्र को सबके हित के लिए होना चाहिए। हमारे यहां राजा भी राजधर्म से और संविधान सभी नागरिकों के कल्याण और उनके विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने का आदेश देता है। भाजपा इसमें जो भी संशोधन करती है, उसमें संविधान के मूल चरित्र को बदलने नहीं देगी और जब भी इस तरह के प्रयास हुए हैं भाजपा ने हमेशा उसका विरोध किया है। भाजपा से पहले जो भी संशोधन इसमें हुए हैं, उनमें संविधान को बदलने का प्रयास हुआ है।

उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का गौरव है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबके साथ सबके विकास के लिए सर्वधर्म समभाव के हिसाब से काम कर रही है। हमारे संविधान में सभी वर्गों के विकास उनके साथ सद्भाव और उनके कल्याण की अनुमति देता है और इसी का परिणाम है कि देश के गरीब परिवार में जन्मा व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी बन सकता है। इस संविधान के तहत हमने भारतीय न्याय संहिता जैसे नये कानूनों को पारित किया है और हमारी सरकार समाज के कमजोर वर्गों के विकास तथा सबको समान अवसर देने के संकल्प के साथ काम कर रही है।

श्री सिंह ने कहा कि संविधान में पुरुषों का ही नहीं बल्कि महिलाओं का भी विशेष महत्व रहा है। संविधान के निर्माण महिलाओं का बड़ा योगदान रहा है। जब 24 जनवरी 1950 को संविधान पर हस्ताक्षर किए गये थे उनमें 11 महिलाएं भी शामिल थी। इनमें अमृत कौर, हंसा मेहता, सुचिता कृपलानी आदि शामिल रहीं हैं। देश की महान महिलाओं के योगदान की सामूहिक सराहना की जानी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के संविधान का निर्माण लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। जो देश उपनिवेशवाद से मुक्त हुए इनमें भारत ने अपना संविधान खुद तैयार किया है और यह देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आज संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत वर्ष बनाया जा रहा है। इस मौके पर उच्चतम न्यायालय का जिक्र जरूरी है जिसने देश के संविधान की रक्षा में अहम भूमिका निभाई है और इसके कई न्यायाधीशों ने बड़े दबाव के बावजूद भी तानाशाह सरकार की बात नहीं मानी।

उन्होंने कहा कि पिछले सात दशक में संविधान को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि पहले हम ब्रिटिश पर आरोप लगाते थे लेकिन अब संविधान हमारा है और हम आजाद हैं इसलिए हमारे पास अब कोई बहाना नहीं है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम संविधान की रक्षा करें उस पर कोई आंच नहीं आने दें और संविधान की पवित्रता को भंग नहीं होने देंगे। यह कर्तव्य किसी भी अन्य दायित्व से कम नहीं होना चाहिए।

अविश्वास प्रस्ताव...

उन्होंने कहा कि प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद को सम्मान नहीं दिया। उन्हें अंतिम समय में पटना जाना पड़ा और उनकी मृत्यु दवा के अभाव में हुई। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन उस समय डॉ राजेंद्र प्रसाद के अंतिम संस्कार में जाना चाहते थे लेकिन पंडित नेहरू ने उन्हें जाने से मना किया।

भाजपा सदस्य ने कहा कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे लगातार सभापति का अपमान करते हैं। श्री खरगे ने सदन में ऑन रिकॉर्ड कहा है कि वह सभापति की नहीं बल्कि श्रीमती सोनिया गांधी की बात सुनेंगे। उन्होंने कहा कि 10 जनपथ के निर्देश पर कांग्रेस 10 आरोप जारी कर रही है।

डॉक्टर अग्रवाल ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस को किसान के बेटे का सभापति और उपराष्ट्रपति के पद पर बैठना नहीं देखा जा रहा है।, इसलिए वह लगातार श्री धनखड़ का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव में उल्लिखित आरोपों का मीडिया में आना सदन के विशेषाधिकार का हनन है। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले सभी सदस्यों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के सुरेंद्र सिंह नागर ने कहा कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव किसान और ओबीसी विरोधी है। यह कांग्रेस की किसान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा के ही नीरज शेखर ने कहा कि कांग्रेस केवल एक ही परिवार को आगे लाना चाहती है। किसी अन्य का विरोध करती है। कांग्रेस ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का भी विरोध किया था। भाजपा की किरण चौधरी ने भी अविश्वास प्रस्ताव को किसानों का विरोध बताया। उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लाकर कांग्रेस नौटंकी कर रही है।इस बीच कांग्रेस के सदस्य लगातार बोलते रहे और नारेबाजी करते रहे।कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने एक टिप्पणी की जिसे सभापति ने रिकॉर्ड में नहीं लेने के निर्देश दिए। श्री धनखड़ ने कहा कि वह देश के लिए मर सकते हैं लेकिन झुक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर 14 दिन के बाद निर्णय आएगा। इस बीच तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और संजय सिंह ने भी जोर-जोर से बोलते हुए टिप्पणियां की।श्री खरगे ने कहा कि सदन नियमों से चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह मजदूर के बेटे हैं और उनका भी लगातार अपमान हो रहा है।

इस पर सदन में दोनों ओर से हंगामा होने लगा। सभापति ने कहा कि सदन का चलना राष्ट्र और समाज के हित में है। दोनों पक्षों के नेता आज दिन में मेरे कक्ष में आकर मुझसे बात करें। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित करने की घोषणा कर दी।

दिन-रात केवल ...

बल्कि मेरी जैसी श्रेणी (किसानों) के खिलाफ़ है।

सभापति ने कहा, यह स्वीकार करें कि मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं कमज़ोरी नहीं दिखाऊंगा, मैं देश के लिए मर जाऊंगा, मिट जाऊंगा आप लोग नहीं सोचेंगे, 24 घंटे में केवल ही एक काम है, किसान का बेटा यहां क्यों बैठा है? मैं अपनी आंखों से देख रहा हूं और पीड़ा महसूस कर रहा हूं।

श्री धनखड़ ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से पीड़ा है कि मुख्य विपक्षी दल ने सभापति के खिलाफ एक तीव्र अभियान चला रखा है। उन्हें मेरे खिलाफ प्रस्ताव लाने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों से हटा जा रहा हैं। सभापति ने कहा कि सार्वजनिक तौर पर जो कुछ कहा जा रहा है, उन्होंने उसका अध्ययन कर लिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष संविधान का पालन नहीं कर रहा है। अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देना और इसपर चर्चा की मांग करना विपक्ष का अधिकार है लेकिन इसके लिए प्रावधान निर्धारित हैं। विपक्ष संविधान का उल्लंघन कर रहा है। विपक्ष बयान जारी कर अविश्वास प्रस्ताव का निर्णय जानना चाहता है। उन्होंने कहा, कानून को पढ़िए, आपका प्रस्ताव आ गया है, (निर्णय) 14 दिन के बाद आएगा। आपने एक अभियान शुरू कर दिया है।

सभापति ने कहा कि सदन चलाना देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने विपक्ष के नेता से अपील करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता और सदन के नेता मेरे कक्ष में मिलने का समय निकालें। इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए पूरी कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा, सदन में जो कार्यवाही हो रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। हम किसी से अच्छी ख्याति नहीं कमा रहे हैं। मैं आपसे संविधान के नाम पर अपील करता हूं, खुले दिमाग से आएं, मेरे कक्ष में मेरे साथ संवाद करें... हम एक साथ काम करेंगे, गतिरोध को तोड़ने की कोशिश करेंगे।

पुष्पा की...

अभिनेता के मुताबिक, फिल्म की रिलीज पर थिएटर में आना स्वाभाविक है। वह पहले भी कई बार थिएटर में आ चुके हैं, लेकिन ऐसी घटना कभी नहीं हुई।

अल्लू अर्जुन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, संध्या थिएटर में हुई दुखद घटना पर खेद है। इस कठिन समय में परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस दर्द में अकेले नहीं हैं और मैं व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलूंगा। मैं इस कठिन सफर से गुजरने में उनकी हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।अल्लू ने 25 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा भी की थी।

डीएम ने ...

बाहर चले आए और परीक्षा का बहिष्कार किया, बाकी बच्चों ने परीक्षा दी है।डीएम डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि यह बात हमने बीपीएससी को बता दी है। बीपीएससी का जो भी निर्णय होगा, वह सभी बच्चों को बता दिया जाएगा। जिन्होंने ओएमआर शीट नहीं जमा की है, उनसे बार-बार आग्रह किया गया कि वह जमा कर दें। जिनका मकसद हंगामा करना है, उनके लिए हमें कुछ नहीं कहना है।

भारतीय सुरक्षा...

विदेश मंत्री ने कहा कि कामगारों को सरकारी पोर्टल पर पंजीकृत एजेंटों के माध्यम से ही विदेशों में नौकरियों पर जाने का प्रयास करना चाहिये जिससे वे धोखे से बच सकेंगे। उन्होंने कंबोडिया, लाओस आदि देशों में धोखाधड़ी करके ले जाये गये भारतीय नागरिकों को बचा कर स्वदेश लाये जाने की भी जानकारी दी।

कल धनु संक्रांति

इन 2 राशियों की चमकेगी फूटी किस्मत

पंचांग के अनुसार, हर महीने सूर्य राशि परिवर्तन तिथि पर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। इस बार मार्गशीर्ष महीने में 15 दिसंबर को धनु संक्रांति है। इस दिन सूर्य देव मकर राशि से निकलकर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। इस दिन से खरमास की शुरुआत होगी, जिसके बाद शुभ और मांगलिक करना वर्जित है। धनु संक्रांति के दिन पवित्र नदी में स्नान, पूजा, जप-तप और दान का करने का विधान है। साथ ही सूर्य देव की पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और मन मुताबिक सफलता मिलती है।

धनु संक्रांति तारिख और समय

ग्रहों के राजा सूर्य का वृश्चिक से धनु राशि में प्रवेश 15 दिसंबर को रात 9.56 बजे होगा। इसके साथ ही भगवान विष्णु के प्रिय धनुर्मास (खरमास) की शुरुआत होगी। इस दौरान सूर्य के कमजोर पड़ने से विवाह, मुंडन सहित सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लगेगा। ज्योतिर्विद शिवप्रसाद तिवारी के अनुसार, सूर्यदेव एक माह तक धनु राशि में रहेंगे। इसके बाद 14 जनवरी 2025 को सुबह 9 बजकर 4 मिनट पर सूर्यदेव मकर राशि में प्रवेश करेंगे।धनुर्मास लगने से पहले इस वर्ष 2025 के अंतिम पांच विवाह मुहूर्त 4, 5, 9, 10 व 14 दिसंबर को रहेंगे। इस माह में आने वाली दो एकादशी पर विष्णु आराधना का विशेष महत्व है।

राशि परिवर्तन का राशियों पर प्रभाव

मेष : सूर्य गोचर से सबसे ज्यादा शुभ फल मिलेगा। इससे पिछले कुछ समय से चल रही परेशानियों से राहत मिल जाएगी।

वृषभ : इस राशि के जातकों को सूर्य के धनु राशि में रहने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इस दौरान विचार-विमर्श कर नई योजना बनाएं।

मिथुन : नौकरी-व्यवसाय करने वालों के लिए यह अच्छा समय है। इस दौरान पारिवारिक जीवन भी अच्छा रहने के योग बन रहे हैं।

कर्क : इस दौरान शत्रुओं पर विजय मिलेगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धर्म कार्य में हिस्सा लेंगे।

सिंह : इस राशि वालों के लिए सूर्य गोचर सामान्य रहेगा। वैवाहिक जीवन और संतान की स्थिति अच्छी रहेगी। गुस्से में वृद्धि हो सकती है।

कन्या : इस दौरान पारिवारिक जीवन में तनाव आ सकता है। तनाव की स्थिति में क्रोध पर नियंत्रण रखकर इसके निराकरण के उपाय पर विचार करना हितकर रहेगा।

तुला : इस राशि वालों के पराक्रम में वृद्धि होगी। साहसिक कदम से व्यापारिक क्षेत्र में लाभ की स्थिति निर्मित हो सकती है।

वृश्चिक : सूर्य के राशि परिवर्तन से वाणी में कठोरता रहेगी। सरकारी तंत्र से लाभ मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

धनु : सूर्य धनु राशि में प्रवेश होने से भाग्योदय होगा। आपके अटके काम बनेंगे और आय में वृद्धि होगी। सरकारी तंत्र से लाभ होगा।

मकर : राजनीतिक विवाद में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इस समय विवादों से दूर रहना लाभप्रद रहेगा।

कुंभ : इस राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर लाभकारी रहेगा। नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है।

मीन : इस राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर लाभदायक रहेगा। राजनीतिक और व्यापारिक लाभ के योग बनेंगे।

धनु संक्रांति की पूजा के दौरान सूर्य देव के मंत्रों का जप जरुर करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को कारोबार में सफलता प्राप्त होती है और सूर्य देव प्रसन्न होते हैं।

सूर्य पौराणिक मंत्र

जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम ।
तमोॊरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोॊस्मि दिवाकरम ।।
सूर्य वैदिक मंत्र
ऊँ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यण्च ।
हिरण्य़येन सविता रथेन देवो याति भुवनानि पश्यन ।।
सूर्य प्रार्थना मंत्र
ग्रहाणामादिरादित्यो लोक लक्षण कारक:।
विषम स्थान संभूतां पीड़ां दहतु मे रवि।।
सूर्य गायत्री मंत्र
ऊँ आदित्याय विदमहे दिवाकराय धीमहि तन्न: सूर्य: प्रचोदयात ।।

किसी के घर से न लाएं ये तीन चीजें, सब कुछ हो जाएगा बर्बाद

ज्योतिष और शास्त्रों में बताई गई बातों का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। कई बार व्यक्ति को इसका ज्ञान नहीं होता, इसलिए जाने-अनजाने में उससे भूल हो जाती है और यह बर्बादी का कारण बनती है।

व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में परिचितों से कई चीजों का आदान-प्रदान करता है। लेकिन कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिसे किसी के घर से कभी भी नहीं लाना चाहिए। क्योंकि दूसरों के घर लाई गई ये चीजें आपको परेशानी में डाल सकती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार व्यक्ति जिन चीजों का इस्तेमाल करता है उसमें व्यक्ति की ऊर्जा का प्रभाव रहता है। वस्तु का स्वामित्व बदलने से उसकी ऊर्जा भी बदल जाती है। इसलिए किसी के घर से ऐसी चीजें बिल्कुल न लाएं जिसमें नकारात्मक ऊर्जा का अधिक प्रभाव रहता है।

से फर्नीचर के साथ ही घर पर नकारात्मक ऊर्जा भी आती है और यह वास्तु दोष का कारण बनता है। पुराना फर्नीचर घर लाकर आप दरिद्रता को न्योता देते हैं और इससे हंसता खेलता परिवार बर्बाद हो सकता है।

चप्पल: कई बार जब हम किसी के घर जाते हैं तो दूसरों के चप्पल भी पहन लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चहिए। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि शरीर में सबसे पहले जहां से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है वह पैर है। जब आप दूसरों के जूते-चप्पल पहनते हैं तो इसके माध्यम से नकारात्मकता भी आपके भीतर प्रवेश कर आपको परेशान करती है।

छाता: दूसरों के घर से छाता लाना भी शुभ नहीं होता है। ऐसा करने से ग्रहों की स्थिति बिगड़ती है। अगर आपको किसी कारण दूसरे के घर से छाता लाना भी पड़े तो इसे घर के भीतर न लाएं और इस्तेमाल करने के बाद वापिस कर दें।

दसवां महीना पौष 16 से प्रारंभ

हिंदी पंचांग का दसवां महीना पौष 16 दिसंबर 2024 से 13 जनवरी 2025 तक रहेगा। पुराणों का कहना है कि पौष में सूर्य पूजा करने से उम्र बढ़ती है। हर महीने सूर्य अलग रूप की पूजा करने का विधान है, इसलिए पौष मास में भग नाम के सूर्य की उपासना की जाती है। इस महीने में सूर्य पूजा करने का विशेष महत्व है। पौष मास में गंगा, यमुना, अलकनंदा, शिप्रा, नर्मदा, सरस्वति जैसी नदियों में, प्रयागराज के संगम में स्नान करने की परंपरा है। इस महीने में तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। इस हिंदी महीने में व्रत-उपवास, दान और पूजा-पाठ के साथ ही पवित्र नदियों में नहाने का भी महत्व बताया है। इस पवित्र महीने में किए गए धार्मिक कामों से कई गुना पुण्य फल मिलता है। व्रत और दान का विशेष फल मिलता है।

पुण्य देने वाले इस पवित्र महीने में भगवान विष्णु की पूजा नारायण रूप में करनी चाहिए। वहीं, उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने का भी विधान है। पौष महीने में सूर्य नारायण नाम से पूजा करने से हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं। पौष मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए, स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए। इस में महीने में पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना करें। स्नान करते समय सभी तीर्थों का और पवित्र नदियों का ध्यान करेंगे तो घर पर ही तीर्थ स्नान करने का पुण्य मिल सकता है।

ऐसे चढ़ाएं सूर्य को अर्घ्य

रोज सुबह स्नान के बाद घर के आंगन में ऐसी जगह चुनें, जहां से सूर्य देव के दर्शन होते हैं। इसके बाद तांबे के लोटे में जल भरें, जल में कुमकुम, चावल और फूल भी डालें। इसके बाद सूर्य को जल चढ़ाएं।

सूर्य मंत्र

ऊँ सूर्याय नम:, ऊँ खगाय नम:, ऊँ भास्कराय नम: आदि का जप करें। सूर्य को जल चढ़ाने के बाद जरूरतमंद लोगों खाना दान करें। आप चाहें तो अनाज और धन का दान भी कर सकते हैं। किसी गौशाला में भी दान-पुण्य करें।

सूर्य को जल चढ़ाने से मिलता हैं स्वास्थ्य लाभ

अभी शीत ऋतु का समय है। इन दिनों में रोज सुबह जल्दी उठने और सुबह-सुबह की धूप में रहने से स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। ठंड के दिनों में सुबह-सुबह की धूप त्वचा की चमक बढ़ाती है। धूप से विटामिन डी मिलता है, जिससे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। ठंड से होने वाली बीमारियों से बचाव होता है।

इस साल इन विशेष अवसरों पर रहा ग्रहण का साया

दिसंबर महीने की शुरुआत हो चुकी है जोकि साल का आखिरी महीना है. वहीं साल 2024 में अब कुछ ही दिन बचे हैं और जल्द ही नए साल यानी 2025 की शुरुआत हो जाएगी. सभी को नए साल का बेसब्री से इंतजार रहता है. लेकिन इसी के साथ यह भी जरूरी है कि हम पुराने साल में घटी घटनाओं का अवलोकन करें.

बात करें ग्रहण की तो ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि ग्रहण लगना एक खगोलीय घटना है, जिसे वैज्ञानिक अद्भुत घटना मानते हैं. क्योंकि उनके लिए यह ऐसा अवसर होता है जो नई खोजों के लिए मौका देता है. लेकिन धार्मिक और ज्योतिष दृष्टि से सूर्य या चंद्र ग्रहण को शुभ नहीं माना जाता है.

हर साल सूर्य और चंद्र ग्रहण लगते हैं. साल 2024 में भी 2 सूर्य ग्रहण और 2 चंद्र ग्रहण लगे. लेकिन इस साल कुछ विशेष अवसरों पर ग्रहण का साया रहा. आइये जानते हैं साल 2024 में किन अवसरों पर लगे सूर्य और चंद्र ग्रहण.

2024 में किन अवसरों रहा ग्रहण का साया

25 मार्च 2024 (होली): साल 2024 का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च 2024 को लगा था, जोकि उपच्छाया चंद्र ग्रहण था. इस दिन होली का त्योहार था. हालांकि भारत में दृश्यमान नहीं होने के कारण यहां इसका सूतक मान्य नहीं था.

8 अप्रैल 2024 (चैत्र नवरात्रि): 8 अप्रैल 2024 को इस साल का पहला सूर्य ग्रहण लगा था, जोकि खग्रास सूर्य ग्रहण था. सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल को रात्रि 9:12 से शुरू होकर मध्यरात्रि 1:25 पर समाप्त हो गया था. वहीं पंचांग के अनुसार 8 अप्रैल को ही रात 11:50 से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो गई थी. लेकिन उदयातिथि मान्य होने के कारण नवरात्रि से संबंधित पूजा-पाठ 9 अप्रैल को किए गए थे.

18 सितंबर 2024 (पितृपक्ष): साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 18 सितंबर को लगा था. इसी दिन से पितृपक्ष की शुरुआत भी हुई थी. यह खंडग्रास चंद्र ग्रहण था. खंडग्रास ग्रहण मान्य होता है लेकिन भारत में ग्रहण नजर नहीं आने के कारण पितरों के श्राद्ध व तर्पण जैसे कार्य किए गए.

2 अक्टूबर 2024 (सर्वपितृ अमावस्या और शारदीय नवरात्रि): 2 अक्टूबर 2024 को साल का आखिरी सूर्य ग्रहण लगा. खास बात यह रही कि इसी दिन से 9 दिवसीय शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हुई और यह पितृपक्ष का आखिरी दिन भी था. लेकिन ग्रहण रात 09:14 पर शुरू हुआ था. इसलिए दिन में ही सारे धार्मिक कार्य कर लिए गए.

2025 में कब-कब लगेंगे सूर्य और चंद्र ग्रहण

ग्रहण की तारीख	ग्रहण की संख्या	ग्रहण के नाम
शुक्रवार, 14 मार्च 2025	पहला ग्रहण	चंद्र ग्रहण (खग्रास)
शनिवार, 29 मार्च 2025	दूसरा ग्रहण	सूर्य ग्रहण (खंडग्रास)
रविवार, 7 सितंबर 2025	तीसरा ग्रहण	चंद्र ग्रहण (खग्रास)
रविवार, 21 सतिंबर 2025	चौथा ग्रहण	सूर्य ग्रहण (खंडग्रास)

30 को सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी

साल की आखिरी अमावस्या की तारिख, मुहूर्त, जान लें

अमावस्या जब सोमवार को हो तो उसका महत्व दोगुना बढ़ जाता है। इस साल की आखिरी अमावस्या सोमवार के दिन आ रही है, इससे सोमवती अमावस्या का शुभ संयोग बन रहा है। ये पौष अमावस्या होगी। पति की लंबी आयु, संतान प्राप्ति और पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए सोमवती अमावस्या पर व्रत करना शुभ फलदायी होता है।

कहते हैं कि इस तिथि पर पितरों का श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान कर दिया जाए तो जीवन के हर दुख, कष्टी दूर हो जाते हैं।सोमवती अमावस्या दिसंबर 2024 में कब है, नोट करें डेट, स्नान-दान मुहूर्त और महत्व।

सोमवती अमावस्या

साल की आखिरी सोमवती अमावस्या 30 दिसंबर 2024 को है। पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति के लिए अमावस्या के सभी दिन श्राद्ध की रस्मों को करने के लिए उपयुक्त हैं।

कालसर्प दोष निवारण की पूजा करने के लिए भी अमावस्या का दिन उपयुक्त होता है।

साल की आखिरी सोमवती अमावस्या मुहूर्त

पौष अमावस्या तिथि की शुरुआत 30 दिसंबर 2024 को सुबह 04 बजकर 01 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 31 दिसंबर 2024 को सुबह 03 बजकर 56 मिनट पर समाप्त होगी।

सोमवती अमावस्या क्यों सबसे खास है?

सोमवती अमावस्या के दिन शनि, कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए सबसे खास होता है। शनि की साढ़े साती और ढैय्या के दुष्प्रभाव से बचने के लिए सोमवती अमावस्या के दिन सरसों का तेल शनि देव को अर्पित करें। इस दिन दांपत्य जीवन के लिए दोनों पति पत्नी को एक साथ पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाना चाहिए। साथ ही 'ॐ पितृभ्य: नम:' मंत्र का जाप कम से कम 108 बार अवश्य करें। मान्यता है इससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पति-पत्नी के बीच रिश्ते ठीक होते हैं।

घर में करें ये वास्तु बदलाव अच्छा होगा आने वाला साल

जल्द ही नए साल की शुरुआत होने जा रही है। हर व्यक्ति की यह इच्छा रहती है कि उसका नया साल खुशियों से भरा हो। ऐसे में चलिए जानते हैं कि नए साल की शुरुआत से पहले आप अपने घर में वास्तु के अनुसार, कौन-से बदलाव कर सकते हैं, जिससे आपको सकारात्मक परिणाम देखने को मिलें।

इस दिशा में रखें तिजोरी

वास्तु के अनुसार, आपको अपनी तिजोरी को घर की उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में रखना चाहिए। इस दिशा को धन के देवता कुबेर और धन की देवी माता लक्ष्मी की दिशा माना जाता है। इस प्रकार आपको इस दिशा में तिजोरी रखने से काफी लाभ मिल सकता है।

घर में लगाएं ये चीजें

घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आप घर के ईशान कोण में प्रकृति से जुड़ी तस्वीरें जैसे उगते सूरज या नदियों की तस्वीर लगा सकते हैं। इसी के साथ रसोई के अग्नि कोण में लाल रंग का बल्ब लगाने से भी आपको बेहतर परिणाम देखने को मिलते हैं।

नमक से करें ये उपाय

आप आपके घर में नकारात्मकता व्याप्त हो गई है, तो इसके लिए रोजाना पानी में थोड़ा-सा नमक मिलाकर उससे पोछा लगाएं। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही शाम के समय घर के हर कोने में नमक रख दें और अगले दिन सुबह इसे बाहर फेंक दें। ऐसा करने से भी आपको नेगेटिव एनर्जी से मुक्ति मिल सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में गोल किनारों वाला फर्नीचर रखना शुभ माना जाता है। इसी के साथ टूटी-फूटी चीजों, बंद या खराब घड़ी, कबाड़ या फिर अनावश्यक वस्तुओं को घर से बाहर कर देना चाहिए। क्योंकि यह चीजें नेगेटिव एनर्जी को बढ़ावा देती हैं।

मायावी ग्रह राहु कब देता है सबसे ज्यादा अशुभ प्रभाव?

निजात पाने के लिए करें ये उपाय

ज्योतिष शास्त्र में राहु को मायावी ग्रह कहा जाता है। राहु और केतु दोनों वक्री चाल चलते हैं। वर्तमान समय में राहु मीन राशि में विराजमान हैं। वहीं, केतु कन्या राशि में विराजमान हैं। ज्योतिषियों की मानें तो राहु और केतु की कृपा बरसने से जातक को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करता है। साथ ही जातक को मनमुताबिक सफलता मिलती है। वहीं, राहु और केतु के अशुभ प्रभावों के चलते जातक को जीवन में कई प्रकार की परेशानियों से गुजरना पड़ता है। जातक लाख चाहकर भी अपने जीवन में सफल नहीं हो पाता है। भगवान शिव एवं जग के नाथ भगवान विष्णु की पूजा करने से राहु और केतु का प्रभाव कम होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि मायावी ग्रह राहु और केतु कब सबसे ज्यादा अशुभ प्रभाव देता है और कैसे राहु के अशुभ प्रभावों को समाप्त करें?

ज्योतिषियों की मानें तो सूर्य, चंद्रमा या गुरु के साथ राहु और केतु की युति होने पर जातक को जीवन में नाना प्रकार की परेशानियों से गुजरना पड़ता है। गुरु के साथ राहु-केतु के रहने पर गुरु चांडाल दोष लगता है। कुंडली में गुरु चांडाल दोष बनने से सभी प्रकार के शुभ कार्यों में बाधा आती है। मांगलिक कार्य पर ग्रहण लग जाता है। लाख चाहकर भी कार्य में सफलता नहीं मिलती है। यह दोष कुंडली के किसी भाव में राहु और गुरु के साथ रहने पर बनता है। गुरु चांडाल दोष लगने पर निवारण अनिवार्य है। अनदेखी करने से जातक का जीवन कष्टमय व्यतीत होता है।

गुरु चांडाल दोष

गुरु चांडाल दोष लगने पर योग्य पंडित जी से निवारण कराएं। वहीं, गुरु चांडाल दोष के प्रभाव को कम करने के लिए प्रतिदिन स्नान-ध्यान के बाद गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके साथ ही गुरुवार के दिन लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय विष्णु चालीसा का पाठ करें। रोजाना पीले रंग के चंदन का टीका माथे पर लगाएं। तुलसी की माला से भगवान विष्णु के नामों का मंत्र जप करें। इन उपायों को करने से गुरु चांडाल दोष का प्रभाव कम या समाप्त होता है।

सर्दियों में हड्डियों की देखभाल जरूरी

ठंड के समय लोगों को अपने जोड़ों व हड्डियों का खास ख्याल रखना पड़ता है जैसा कि बच्चे, कमजोर और उम्रदराज लोग क्योंकि ठंड इन लोगों के शरीर में मौजूद विटामिन डी को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है, जो स्वस्थ हड्डियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कैल्शियम और विटामिन डी हमें भोजन, पूरक आहार या सूरज से मिलते हैं जिससे बचपन से नौजवानी तक हड्डियां बनती हैं और अधेड़ उम्र से लेकर उसके बाद तक उन्हें सेहतमंद बनाए रखने में मदद मिलती है।

विटामिन डी की कमी

जब हमारी त्वचा सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणों के संपर्क में आती है तो हमारा शरीर विटामिन डी बनाता है, लेकिन सर्दियों में धूप कम देर तक रहने से यह काम साल के बाकी दिनों की तरह नहीं हो पाता। याद रखें कि हमारी हड्डियां कोई सख्त, जीवनरहित वस्तु नहीं हैं, बल्कि ये जटिल जीवित ऊतक हैं, जो हमेशा बदलते रहते हैं। अधेड़ अवस्था में हड्डियों का द्रव्यमान जितना बदलता है, उससे अधिक वह खोता है। यह प्रक्रिया 40 वर्ष के बाद तेज हो जाती है। ऐसे लोगों के लिए सर्दियां बहुत अहम होती हैं।

किन्हें है ज्यादा जोखिम

जिन लोगों को अधिक जोखिम रहता है वे हैं बच्चे, स्तनपान कराने वाली माताएं और वृद्ध, जिनकी त्वचा विटामिन डी बनाने का काम उतने कारगर तरीके से नहीं कर पाती। इस वजह से हड्डियों के रोग बढ़ जाते हैं जैसे सूखा रोग एवं हड्डियों का नाजुक होना - ऑस्टियोपोरोसिस जो विटामिन डी की कमी से होता है। 65 वर्ष के बाद महिलाओं और पुरुषों को 70 वर्ष के बाद नियमित रूप से बोन डेन्सिटी टैस्ट कराना चाहिए। इससे कम उम्र के लोगों को अपने डॉक्टरों से मिलकर जानना चाहिए की उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस होने का कितना जोखिम है।

खान-पान पर ध्यान

इसमें कोई शक नहीं की पूरक आहार बहुत अच्छा समाधान है, लेकिन सर्दियां कुछ अधिक की मांग करती हैं। इसलिए हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए नियमों का पालन करना चाहिए ताकि पर्याप्त कैल्शियम, खनिज व अन्य पोषक पदार्थ मिलते रहें और हड्डियों को होने वाली क्षति की पूर्ति होती रहे।

शारीरिक तौर पर सक्रिय रहें

वजन उठाने वाली कसरत, चलना, दौड़ना, सीढ़ियां चढ़ना, ये व्यायाम हर उम्र में हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में लाभदायक हैं। संतुलन बेहतर करने वाले व्यायाम जैसे नाचना, लोगों को उम्र बढ़ने पर गिर पड़ने से रोकने में सहायक होते हैं। हड्डियों को फिट रखने के लिए बच्चों को दिन में कम से कम 60 मिनट और व्यस्कों को 30 मिनट व्यायाम करना चाहिए।

पर्याप्त कैल्शियम व विटामिन डी

हड्डियां कैल्शियम से बनी होती हैं, लेकिन सिर्फ कैल्शियम का सेवन ही काफी नहीं, विटामिन डी भी चाहिए क्योंकि यह भोजन व पूरक आहार में से कैल्शियम के शरीर में अवशोषण को संभव बनाता है। विटामिन डी की कमी से हड्डियों का नुकसान होता है मांसपेशियों में कमजोरी आती है।

व्यायाम जो बढ़ाएं आपकी लंबाई

आपके व्यक्तित्व को निखारने में लंबाई की अहम भूमिका होती है। अक्सर ऐसा देखा जाता है जिन लोगों की लंबाई कम होती है वे काफी शर्मिंदगी महसूस करते हैं। जिसकी वजह से उनमें आत्मविश्वास की कमी देखी जा सकती है। यूं तो लंबाई कम होने के कई कारण हो सकते हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण रोल आनुवांशिक गुण अदा करते हैं। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी हाइट बढ जाए तो आप कुछ खास व्यायाम की मदद से इसे बढ़ा सकते हैं। अगर आप नियमित रुप से इन व्यायामों को अपनाएं तो निश्चित रूप से ये सहायता कर सकता है।

लटकना या बास्केटबॉल

जमीन से सात फुट पर एक छंड गाड़े और उस पर जितनी देर हो सके उतनी देर तक रोज लटकें। इससे रीढ़ की हड्डी लचीली बनेगी और आपकी लंबाई बढ़ेगी। आप चाहें तो बास्केटबॉल भी खेल सकते हैं इससे भी हड्डियों पर दबाव पड़ता है जिससे वे खिंचती हैं और आपकी लंबाई बढ़ने में मदद मिलती है।

ताड़ासन

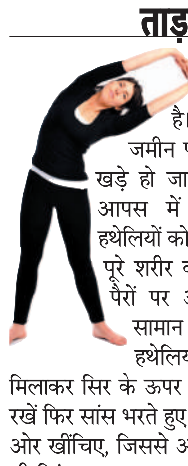

ताड़ासन से लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके लिए सबसे पहले जमीन पर कंबल बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें फिर सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और छाती में भी खिंचाव आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। कुछ देर रुकने के बाद सांस छोड़ते हुए हाथों को वापस सिर के ऊपर ले आएं। इस आसन को प्रतिदिन 10-12 बार करें।

शीर्षासन

दोनों घुटने जमीन पर टिकाते हुए फिर कोहनियां जमीन पर टिकाएं। फिर हाथों की अंगुलियों को आपस में मिलाकर ग्रिप बनाएं, तब सिर को ग्रिप बनी हथेलियों के पास भूमि पर टिका दें। इससे सिर को सहारा मिलेगा। फिर घुटने को जमीन से उपर उठाकर पैरों को लंबा कर दें। फिर धीरे-धीरे पंजे टिके दोनों पैरों को पंजों के बल चलते हुए शरीर के करीब अर्थात माथे के नजदीक ले आते हैं और फिर पैरों को घुटनों से मोड़ते हुए उन्हें धीरे से ऊपर उठाते हुए सीधा कर देते हैं तथा पूर्ण रूप से सिर के बल शरीर को टिका लेते हैं। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद पुनः उसी अवस्था में आने के लिए पहले पैर घुटने से मोड़ते हुए धीरे-धीरे घुटनों को पेट की तरफ लाते हुए पंजों को भूमि पर रख देते हैं। फिर माथे को भूमि पर टिकाकार कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद सिर को भूमि से उठाते हुए वज्रासन में बैठकर पूर्व स्थिति में आ जाए।

पशिचमोत्सान

इसे करने से आप न सिर्फ कई स्वास्थ्य समस्याओं से दूर रहेंगे बल्कि आपका शरीर लचीला होगा। इसके लिए सबसे पहले सीधे बैठ जाएं और दोनों पैरों को फैलाकर एक सीध में रखें। दोनों पैर सटाकर रखें। दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाएं और कमर को बिल्कुल सीधा रखें। फिर झुककर दोनों हाथों से पैरों के दोनों अंगूठे पकड़ने की कोशिश करें।

भुजंगासन

भुजंगा, जिसे इंग्लिश में कोबरा कहते है और चूंकि यह दिखने में फन फैलाए एक सांप जैसा पोज बनता है इसलिए इसका नाम भुजंगासन रखा गया है। इसके लिए पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब दोनों हाथ के सहारे शरीर के कमर से ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ उठाएं, लेकिन कोहनी आपकी मुड़ी होनी चाहिए। हथेली खुली और जमीन पर फैली हो। अब शरीर के बाकी हिस्से को बिना हिलाए-डुलाए चेहरे को बिल्कुल ऊपर की ओर करें। कुछ समय के लिए इस पॉस्चर को यूं ही रखें। यह आसन आपकी मांसपेशियों के लिए काफी फायदेमंद है।

सर्दियों का खाना-खजाना आपके लिए

प्रकृति सर्दी के मौसम में शरीर को अपने तरीके से गर्म रखती है। यह ऊष्मा शरीर के अंदर से उत्पन्न होती है, खाना खाने से शरीर का तापमान बढ़ता है और शरीर बाहरी वातावरण से मुकाबला कर पाने में सक्षम होता है। हालांकि कुछ खाद्य पदार्थों में शरीर को गर्म रखने की क्षमता ज्यादा होती है। भोजन गर्म रखने के प्रभाव को 'डाइट इंडयूस्ड थर्मोजेनेसिस' कहा जाता है।

सभी अनाज और दालें

आटा, चावल, ज्वार, बाजरा का इस्तेमाल आप दलिया बनाने में कर सकते हैं। सर्दी के मौसम में दालें और फली जैसे कि बीन, सोयाबीन, सूप आपको गर्म रखने में मददगार होते हैं।

मसाले, जड़ी-बूटी और चटनी: सर्दी के मौसम में आप काली मिर्च, लहसुन, हल्दी, दालचीनी, लौंग को अपनी रोजाना की डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह आपको गर्म तो रखते ही हैं, साथ ही इनमें हाइटोन्यूट्रिएंटस, एंटी माइक्रोबिएल का गुण भी होता है। इनके इस्तेमाल से सर्दी, कफ और साइनसाइटिस में भी राहत मिलती है। अदरक पाचन शक्ति को मजबूत करती है। इसके प्रयोग से दमा और लगातार रहने वाले कफ से भी आराम मिलता है।

अन्य मसाले और चटनी: मैथी, अजवाइन, बथुआ, जायफल आदि गर्म रखने में कारगर होते है। यह मसाले आपके शरीर में पाचक एंजाइम्स की संख्या को बढ़ाने के लिहाज से बेहतर होते हैं।

द्रव्य: कई द्रव्य जैसे सूप, मसाला चाय, हरी चाय, कहवा आपके शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाते हैं।

दही: सर्दियों के मौसम में दही आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में सहायक होता है। कोशिश करें कि आर्टिफिशियल और फ्लेवर्ड दही के स्थान पर कम फैट वाले दही का ही सेवन करें।

मेवे: बादाम, मूंगफली, अखरोट, तिल आदि सर्दी के मौसम में लाभकारी होते हैं। इनमें विटामिन, प्रतिरोधी क्षमता वाले केमिकल, हृदय के लिए उपयोगी फैट होते हैं। साथ ही यह आपके शरीर के तापमान को संतुलित रखने में भी कारगर होते हैं।

शहद और गुड़: इनमें शरीर को गर्म रखने की क्षमता होती है। यह चीनी के स्थान पर प्रयोग में लाए जा सकते हैं।

पानी: सर्दी में आपका दिमाग इस बात के सिग्नल कम देता है कि आपको प्यास लगी है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि खुद को हाइड्रेटेड रखें। इसलिए पानी जरूर पीते रहें।

फल और सब्जियां

फल और सब्जियां जाड़े के मौसम में इंफेक्शन से बचाते हैं। फलों में जाइलीटोल या अन्य शुगर होते हैं जो जाड़े में बेहद फायदेमंद होते हैं।

अवसाद से बढ़ता है असमय मौत का खतरा

अवसाद को गंभीर मानसिक स्थिति माना जाता है। इसका असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर पड़ता है जिसके चलते उसकी निजी और व्यावसायिक जिंदगी के पटरी से उतरने का खतरा बना रहता है।

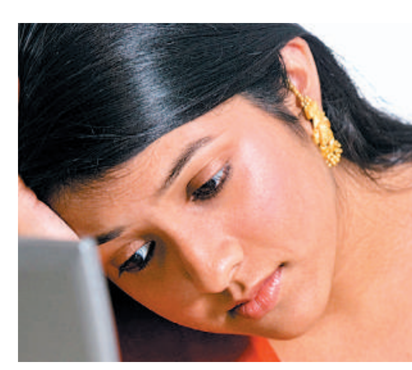

लेकिन, अब अवसाद का एक बड़ा खतरा सामने आया है। ताजा शोध बताता है कि अवसाद के कारण असमय मौत का खतरा भी बढ़ जाता है। सदमे का शिकार अवसादग्रस्त व्यक्ति की असमय मौत का खतरा सदमे या अवसाद का सामना नहीं करने वालों की तुलना में तीन गुना होता है। तीन में से एक व्यक्ति सदमे के कारण अवसादग्रस्त होते हैं। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें परिवार के सदस्य अपने प्रियजन की जान बचाने में मददगार हो सकते हैं। अवसाद और दिल के दौरे के बीच समान कड़ी है। लेकिन कम ही लोगों को सदमा, अवसाद और मौत के इस जुड़ाव बारे में जानकारी है। अध्ययनकर्ताओं ने 25 से 74 वर्ष की उम्र के 10,550 लोगों पर यह अध्ययन किया।

हैकर से बचाएं अपना फेसबुक अकाउंट

2006 में जब मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक सोशल नेटवर्किंग साइट को क्रिएट किया था तब शायद उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा कि उनकी बनाई यह साइट पूरे विश्व में प्रयोग की जाने वाली सबसे बड़ी सोशल नेटवर्किंग साइट बन जाएगी। मगर कहते हैं न जो जितना मशहूर हो जाता है उसके दुश्मन भी उतने ही अधिक बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ फेसबुक के साथ भी हो रहा है।

इस समय अंदाजन 500 मिलियन के करीब पूरी दुनिया में फेसबुक को प्रयोग करने वाले यूजरों की संख्या है जिसमें सभी उम्र के लोग मौजूद है। हाल ही में पूरे विश्व में लोगों के फेसबुक अकाउंट हैक होने की खबरे आ रहीं थी। खबरों के मुताबिक फेसबुक एकाउंट पर स्पैम का हमला हुआ है जिसके तहत लोगों को अपने अकाउंट में अश्लील तस्वीरें दिखने लगी है। आकड़ों के मुताबिक अब तक कुल 60 लाख फेसबुक अकाउंट इस हमले से प्रभावित हो चुके हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीको के बारे में बताएंगे जिससे आप अपने फेसबुक अकाउंट को हैक होने से बचा सकते हैं।

अपने अकाउंट को सुरक्षित रखने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

- अक्सर फेसबुक पर हमे कई मैसेज आते रहते हैं जिन्हें हम बिना देखें एक्सैप्ट कर लेते हैं जो हैंकिंग का सबसे बड़ा कारण बनते है इसलिए भूल कर भी किसी अंजान मैसेज का क्लिक न करें।
- अगर आप किसी ग्रुप को ज्वाइन करना चाहते है तो उस ग्रुप से जुड़े सदस्यों के बारे में पूरी जानकारी लें ले वरना ऐसा न हों वह ग्रुप हैकरों द्वारा बनाया गया फेक ग्रुप हो और आप उनके फैलाए जाल में फंस जाएं।
- आपके फेसबुक अकाउंट में आ रहे ऐड पर बिना सोचे-समझें क्लिक न करें और न ही किसी कंपनी के सवाल-जवाब पर अपनी पर्सनल जानकारी को शेयर करें।
- अगर आपके पास किसी अंजान व्यक्ति का मेल या अजीबो-गरीब नाम से मेल आए तो उसे खोलने से बचें।
- एक बात का ध्यान रखें चैटिंग के दौरान अगर आपके दोस्तों ने कोई अननोन लिंक भेजा है जो उस पर क्लिक न करें। अक्सर आपके द्वारा क्लिक किया गया लिंक ऑटोमेटिक कंप्यूटर में जावास्क्रिप्ट लैंग्वेज द्वारा बिना आपको बताए आपके दोस्तों को यह लिंक भेज देगा जिससे आपके दोस्त भी हैकिंग का शिकार हो जाएंगे।

आईटी सेक्टर में जॉब ही जॉब...

विभिन्न सर्वेक्षणों से यह बात सामने आई है कि आईटी सेक्टर में जॉब की कोई कमी नहीं है। देश में ही नहीं, ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए विदेशों में भी नौकरी के अवसर बने हुए हैं। बस जरूरत है तो अपनी रुचि पहचान कर उसका विशेषज्ञ बनने की। अगर आप भी आईटी सेक्टर में करियर का सपना बुन रहे हैं तो आपको कुछ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पर मजबूत पकड़ बनानी होगी। दरअसल ये लैंग्वेज मोबाइल एप और वेबसाइट्स बनाने से लेकर डेटा एनालिसिस जैसे कई कार्यों में मददगार होती हैं।

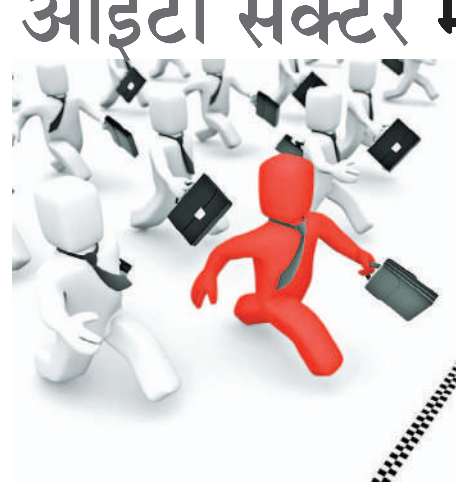

जावास्क्रिप्ट

इस समय नए-नए व उपयोगी एप्स बनाने में जावास्क्रिप्ट की बड़ी भूमिका है। जावा और जावास्क्रिप्ट में सिर्फ नाम की ही समानता है। जावास्क्रिप्ट का इस्तेमाल वेब एप्स बनाने में किया जाता है। मॉडर्न वेब को बनाने में जावास्क्रिप्ट का इस्तेमाल बखूबी किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल करने वालों को बस एक शिकायत रहती है कि इसकी वजह से वेबसाइट की ब्राउजिंग धीमी हो जाती है। इसके अलावा आज जावास्क्रिप्ट का इस्तेमाल वेब पेजेज में फॉर्म्स ऑथेंटिकेशन, ब्राउजर डिटेक्शन और डिजाइन इम्प्रूव करने में किया जा रहा है। आपके फेवरेट ब्राउजर क्रोम एक्सटेंशंस, एपल के सफारी एक्सटेंशंस, एडोब एक्रोबैट रीडर और एडोब क्रिएटिव सूट जैसी एप्लिकेशंस जावास्क्रिप्ट कोडिंग के बिना अधूरी हैं। मशहूर एप्स और ब्राउजर को तो आपने कई बार इस्तेमाल किया होगा, क्यों न इनके अपग्रेड हो रहे सफर में शामिल हुआ जाए।

पीएचपी

आज अधिकतर वेबसाइट्स पीएचपी पर बनाई जाती हैं। याहू, फेसबुक, वर्डप्रेस जैसी कई कंपनियों ने न सिर्फ अपनी वेबसाइट्स इसी लैंग्वेज में बनाईं, बल्कि साइट के रखरखाव में भी इसी लैंग्वेज का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप भी चाहते हैं कि ऐसी किसी बड़ी कंपनी में बतौर प्रोफेशनल जुड़ें तो लैंग्वेज की जानकारी इन कंपनियों में जॉब पाने का एक माध्यम बन सकती है। वेबसाइट्स बनाने के लिए पीएचपी बहुत ही कॉमन लैंग्वेज है। हालांकि कई प्रोग्रामर्स ऐसे भी हैं, जिन्हें प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के तौर पर पीएचपी पसंद नहीं। हाई-स्पीड स्क्रिप्टिंग और ऑगमेंटेड कंपाइलिंग कोड प्लगिंग्स जैसी खासियतों के चलते इस लैंग्वेज का फ्यूचर ब्राइट है। पीएचपी से जुड़े कोर्स कर लेने के बाद आप वेब डिजाइनर और वेब डेवलपर जैसे पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। दरअसल पीएचपी सर्वर स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज है, जिसका इस्तेमाल वेब डेवलपमेंट के साथ आम प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में भी होता है। ओपन सोर्स होने की वजह से पीएचपी का आज 24 करोड़ से ज्यादा वेबसाइट्स और 20 लाख वेब सर्वर्स में इस्तेमाल हो रहा है। वेब डिजाइनर के रूप में आप शुरुआत में 15 हजार से 20 हजार रुपए पा सकते हैं। अनुभव के बाद अच्छी सेलरी मिलती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सी

सी सबसे पुरानी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में से एक है। यहां तक कि कंप्यूटर की थोड़ी बहुत जानकारी रखने वाले के लिए भी सी जाना-पहचाना नाम है। आज भी बहुत सी आईटी कंपनियों में सी प्रोग्रामर की बहुत डिमांड है। इस लैंग्वेज को 70 के दशक में विकसित किया गया था।

इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि 1978 में द सी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज नाम की 800 पन्नों की एक किताब तक छप गई। यह किताब आज भी मशहूर है। सी लैंग्वेज को सीखने और इसमें एक्सपर्ट होने के बाद आपके लिए देश-विदेश में जॉब की कोई कमी नहीं होगी। आप इस क्षेत्र में काफी आगे तक जा सकते हैं।

विजुअल बेसिक

विजुअल बेसिक लैंग्वेज को माइक्रोसॉफ्ट ने डेवलप किया है। विजुअल बेसिक लैंग्वेज प्रोग्रामिंग को आसान करती है। इसमें ग्राफिक एलिमेंट दिया गया है, जिसे ड्रैग और ड्रॉप करके प्रोग्रामर प्रोग्राम में कुछ बदलाव कर सकता है।

रूबी

डेवलपर्स की चहेती बनी इस लैंग्वेज में कोडिंग करना बेहद आसान है। मजेदार बात है कि इसकी कोडिंग को याद रखना भी मुश्किल नहीं है। इस लैंग्वेज का इस्तेमाल विशेषत: वेब एप्स बनाने में ही किया जाता है। प्रोग्रामर का बेस्ट फ्रेंड मोटो लिए यह लैंग्वेज अपनी विशेषताओं को बयां करती है। शुरुआती दौर में इसे सीख कर रोजगार पाने में आसानी रहती है।

पायथन

पायथन को 1989 में डेवलप किया गया था। इसके कोड्स पढ़ने में काफी आसान हैं, इसलिए डेवलपर्स इस प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को काफी पसंद करते हैं। कई प्रोग्रामर्स का कहना है कि ये प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सीखने और प्रोग्रामिंग की शुरुआत करने वालों के लिए सबसे आसान लैंग्वेज है।

सीएसएस

वेबसाइट की फॉर्मेटिंग व ले आउट डिजाइनिंग में यह लैंग्वेज मददगार होती है। इसका पूरा नाम है कासकेडिंग स्टाइल शीट। वेबसाइट्स और मोबाइल एप्स के मेन्यू इसी भाषा के जरिए लिखे जाते हैं। यह जावा स्क्रप्टि और एचटीएमएल के साथ बेहतर तालमेल बिठाती है। आप इस लैंग्वेज को एक अतिरिक्त लैंग्वेज के तौर भी जरूर सीखें। आपके सीवी में यह एक अतिरिक्त योग्यता को दर्शाएगा। गूगल डाटा एनालिसिस करने के लिए इसका ही इस्तेमाल करता है।

अच्छी सेलरी

अगर आप फ्रेश ग्रेजुएट हैं और अपनी वर्तमान जॉब से संतुष्ट नहीं हैं तो किसी एक भाषा को सीख कर अपने करियर को रफ्तार दे सकते हैं। एप डेवलपर की औसत सैलरी जहां 35 हजार है, वहीं सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में उतरे युवाओं को शुरुआत में 30 से 35 हजार रुपए सैलरी मिल रही है। वर्तमान में सी, जावा आदि लैंग्वेज की जानकारी अधिक वेतन दिला रही है। क्षेत्र में बढ़ता अनुभव देश में ही नहीं, विदेश में भी अवसरों के द्वार खोलता है। धुरंधर डेवलपर्स के अनुभव को देखें तो सभी का अनुभव 10 वर्ष से कम है।

जावा

आज इस लैंग्वेज का इस्तेमाल न सिर्फ कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में किया जाता है, बल्कि मोबाइल फोन आदि की एप्लिकेशन में भी इसके बगैर काम नहीं चलता। दरअसल जावा ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज है। इसे क्लाइंट-साइड लैंग्वेज भी कहा जाता है, क्योंकि ईजी कमांड्स, ईजी कोड्स होने की वजह से यह क्लाइंट-साइड वेब ब्राउजर में इस्तेमाल की जाती है। जावा कोर्स करके आप वेब डेवलपर, प्रोग्रामर जैसी जॉब के लिए कोशिश कर सकते हैं। इस प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की सहायता से एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर बनाना आसान होता है। जावा एक बड़ी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है, इसीलिए कंपनी ने इसे कई भागों में बांटा हुआ है। यानी आप बतौर प्रोग्रामर्स जिस वर्ग से संबंधित सॉफ्टवेयर का विकास करना चाहते हैं, उसी में विशेषज्ञता हासिल करें। जावा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी व सुरक्षा है। आज दुनियाभर में यह सबसे लोकप्रिय प्रोग्रामिंग लैंग्वैज है। आज हर दिन नई-नई एप सामने आ रही हैं। इन एप को बनाने में जावा की अहम भूमिका होती है।

ऑब्जेक्टिव सी

सी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज काफी पुरानी और एक सफल लैंग्वेज रही है। इसी से प्रेरित होकर बाद में इससे मिलते-जुलते नाम से अन्य लैंग्वेज भी विकसित की गई। इन्हीं में से एक है ऑब्जेक्टिव सी। सी से प्रेरित होकर बनी इस लैंग्वेज में कई नए एडवांस फीचर जोड़े गए। अगर आप चाहते हैं कि भविष्य में आईफोन के एप्स बनने में आपकी भी भूमिका हो तो यह लैंग्वेज आपके करियर को ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। दरअसल इस लैंग्वेज का इस्तेमाल आमतौर पर आईफोन की एप्स बनाने में किया जा रहा है। वैसे एपल कंपनी ऑब्जेक्टिव सी के साथ अपनी बनाई हुई लैंग्वेज का भी इस्तेमाल करती है। यूं समझें कि ऑब्जेक्टिव सी आपको एक बेहतरीन करियर देने के लिए बनी है।

पर्ल

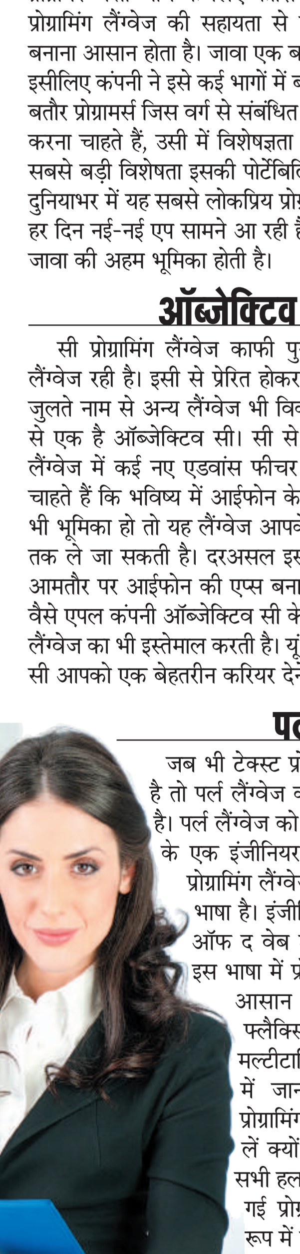

जब भी टेक्स्ट प्रोसेसिंग की बात आती है तो पर्ल लैंग्वेज को ही याद किया जाता है। पर्ल लैंग्वेज को 80 के दशक में नासा के एक इंजीनियर ने बनाया था। बतौर प्रोग्रामिंग लैंग्वेज यह एक प्रभावशाली भाषा है। इंजीनियर्स इसे द डक्ट टेप ऑफ द वेब टैग नाम से जानते हैं। इस भाषा में प्रोग्रामिंग करना न सिर्फ आसान है, बल्कि काफी फ्लैक्सिबल भी है। पर्ल को मल्टीटास्किंग लैंग्वेज के रूप में जाना जाता है। सिस्टम प्रोग्रामिंग की कितनी ही मुश्किलें क्यों न हों, पर्ल लैंग्वेज में सभी हल हैं। इस भाषा में लिखी गई प्रोग्रामिंग पर्ल स्क्रप्टि के रूप में जानी जाती है। पर्ल की कई खूबियां हैं, जो अपनी समकक्ष भाषाओं से बेहतर दिखती हैं। नेटवर्क एक्सपर्ट्स के लिए इस लैंग्वेज को सीखना बेहद जरूरी होता है।

लॉजिस्टिक में छिपे भविष्य के लिए नए अवसर

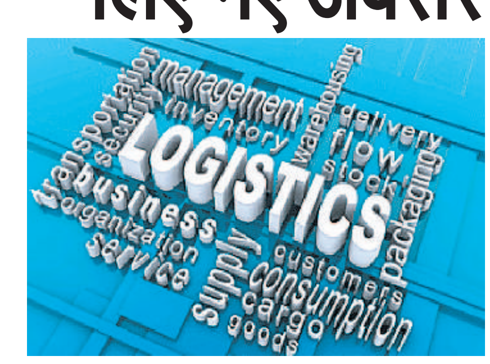

आज की तारीख में लॉजिस्टिक्स दुनिया भर के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कॅरियर विकल्पों में से एक है। भारत में तो यह विशेष रूप से तीव्र विकास कर रहा है। यदि विभिन्न संसाधनों की आपूर्ति तथा वितरण व्यविस्थत ढंग से नहीं होती तो दुनियाभर का सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा अस्त-व्यस्त हो सकता है। हर कंपनी लॉजिस्टिक्स का प्रयोग करती है फिर चाहे वहां एक फुल-टाइम लॉजिस्टिक्स मैनेजर की नियुक्ति न भी की गई हो। भारत में लॉजिस्टिक इंडस्ट्री का मूल्य 130 अरब से अधिक आंका गया है। ऐसे में अगर आप में देश-विदेश से जुड़े ग्राहकों से व्यवहार करने का कौशल है, अगर आपका सम्प्रेषण कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) में अच्छे हैं और आप मेहनत में यकीन करते हैं तो लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक बेहतरीन कॅरियर आपकी ही प्रतीक्षा कर रहा है।

अपॉर्चुनिटीज...

इन दिनों इस फील्ड में अनगिनत संभावनाएं मौजूद हैं। इस तरह रोजगार के लिए युवाओं के पास कई प्रकार के विकल्प खुले रहते हैं। खास बात है कि ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आई तेजी ने लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ा दी हैं। ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियां प्रोडक्ट बुकिंग तो ऑनलाइन करती हैं, लेकिन उत्पादों की सही पैकिंग से लेकर ग्राहकों तक उसकी सुरक्षित आपूर्ति की सारी जिम्मेदारी लॉजिस्टिक्स का काम करने वालों के कंधों पर ही होती है।

क्वालिफिकेशन...

इस क्षेत्र के लिए अंडरग्रैजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट दोनों प्रकार के कोर्स मौजूद हैं। अंडरग्रैजुएट कोर्स 3 वर्षीय और पीजी कोर्स 4 महीने से 2 वर्ष तक होता है। 10वीं कक्षा के बाद भी यह कोर्स किया जा सकता है। ज्यादातर कोर्स दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से किए जाते हैं। लॉजिस्टिक मैनेजमेंट में एमबीए कोर्स 2 वर्ष का फुलटाइम कोर्स है।

वर्किंग एरिया...

एक लॉजिस्टिक्स मैनेजर का काम किसी भी कारोबार या संगठन के कामकाज के लिए आवश्यक सामग्री व कच्चे माल की आपूर्ति के साथ शुरू होता है। विभिन्न सामग्री की आपूर्ति तथा निर्मित होने वाले उत्पादों या सेवाओं को उनकी मांग के अनुसार उनकी मंजिलों तक पहुंचाने यानि उपयुक्त वितरण जैसे कार्यों में तालमेल बैठाना उनका ही काम होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को ल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय हैं ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी को सरप्राइज़ जरुर दें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल–कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें, जो आपको सुकून दें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आपका काम दरकिनार हो सकता है– क्योंकि आप अपने प्रिय की बांहों में ख़ुशी, आराम और उल्लास महसूस करेंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बहुत रोमांचक काम कर सकते

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. एक–दूसरे का नज़रिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ। इसे औरों के सामने न लाएँ, नहीं तो बदनामी हो सकती है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। अपने वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। आपका कोई क़रीबी आज काफ़ी अजीब मूड में होगा और उसे समझना लगभग असंभव साबित होगा। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी लेकिन साथ ही रिश्तों में मजबूती आएगी। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें– ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। सावधान रहें, कोई आपसे दिल्लगी या फ़्लर्ट करके अपना उल्लू सीधा कर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 14 दिसंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 05:00 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 03:55 तक
योग : सिद्ध प्रात: 08:26 तक
करण : वणिज सायं 05:00 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27, , सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीदत्त जयंती , पिशाच मोचन श्राद्ध , शनि रोहिणी अमृत सिद्धि योग रात्रि 03:35 तक , भद्रा सायं 05:00 से रात्रि 03:43 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसान सम्मेलन – पशुपालकों को सीएम भजनलाल शर्मा ने 200 करोड़ की सहायता राशि का किया सीधा हस्तान्तरण

अजमेर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा अन्नदाता किसान धरती माता का सच्चा सपूत है। जब किसान खुशहाल समृद्ध होगा तभी विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। हमारी सरकार किसान–पशुपालक के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए हमने आज किसान सम्मेलन आयोजित किया है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जब भी किसानों के हित की बात आएगी, राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी मिलेगी।

मुख्यमंत्री शर्मा राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर ङ्कनिभाई जिम्मेदारी–हर घर खुशहालीफ की थीम पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के क्रम में शुक्रवार को अजमेर में आयोजित

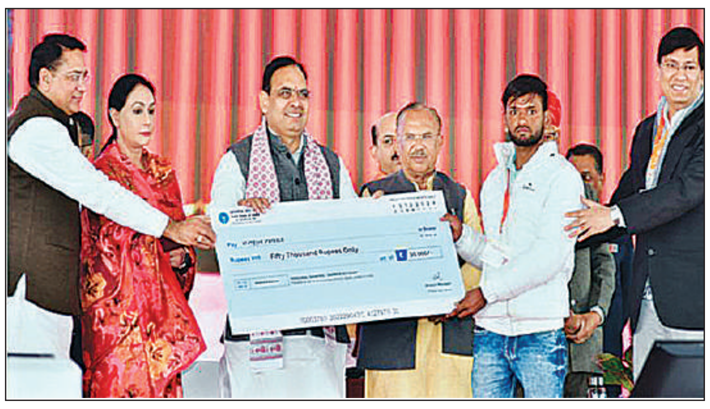

राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक किसान परिवार में जन्मा हूं। मैंने हल चलाया है और खेती का सारा काम किया है। मैं किसानों के दर्द को भली भांति समझता हूं। इसीलिए हमारी सरकार ने 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य तय किया है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए किसानों का हित सबसे पहली प्राथमिकता है। उनके मन में किसानों का भला करने की अद्भुत इच्छाशक्ति और संकल्प है। प्रधानमंत्री ने महान किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया है, जो ये दर्शाता है कि वे किसानों के प्रति कितना सम्मान रखते हैं। श्री शर्मा ने किसानों को किसान दिवस (23 दिसम्बर) की बधाई देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही किसान दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की पीड़ा और आकांक्षाओं को समझते हुए पिछले एक साल में राज्य सरकार ने किसान हित में अनेक फैसले लिए हैं। हमने ईआरसीपी परियोजना का एमओयू कर इस पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। शेखावाटी क्षेत्र में भी पानी की कमी को पूरा करने के लिए ताजेवाला से यमुना का पानी लाने के लिए लंबे समय से लंबित एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैं। हमारी सरकार अनेक अन्य महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं पर एक साथ काम कर रही है। जिससे राज्य के किसानों की पैदावार बढ़ सके। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही धौलपुर लिफ्ट परियोजना का भी शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही, भूजल के रीचार्ज के लिए प्रवासी राजस्थानी के सहयोग से भी एक नए कार्यक्रम ङ्ककर्मभूमि से मातृभूमिफ की शुरुआत की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राइजिंग समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में 58 हजार करोड़ रुपये निवेश के ढाई हजार से अधिक एमओयू किए हैं। हमारी सरकार द्वारा 30 लाख किसानों को 20 हजार करोड़ रूपये का अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण, 8 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड, 26 हजार सोलर संयंत्रों की स्थापना, 31 स्थानों पर फूड पार्क के लिए भूमि आवंटन, 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन, गेहूं, मूंग, मूंगफली तथा सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीद, पीएम किसान समृद्धि केन्द्र की स्थापना जैसे निर्णय किए गए हैं। जिससे खुशहाल किसान, समृद्ध किसान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा।

अब तक 87 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ राजस्थान समूचे देश में शीर्ष पर : टी. रविकान्त

उदयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने आगामी वर्ष के लिए 100 से अधिक मेजर मिनरल ब्लॉकों के ई–नीलामी की आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में अब तक 33 मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई नीलामी की जा चुकी है और अब तक 87 मजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी कर राजस्थान समूचे देश में पहले स्थान पर आ गया है।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त शुक्रवार को उदयपुर में खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी लाने के साथ ही अधिक से अधिक मेजर मिनरल ब्लॉक तैयार कर ई–नीलामी पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉक व प्लॉटों के लिए डेलिनियेशन से लेकर आवश्यक सभी तैयारियों का रोडमैप बनाना होगा।

माइनर मिनरल ब्लॉकों की ऑक्शन प्रगति की समीक्षा करते हुए टी. रविकान्त ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 890 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र के 429 माइनर मिनरल प्लॉट व क्वारी लाइसेंस प्लॉटो की ई नीलामी की जा चुकी है जिससे राज्य सरकार को नीलामी की प्रीमियम राशि 40 प्रतिशत के रुप में 182 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलमाी प्रक्रिया जारी है और इस वित्तीय वर्ष में माइनर मिनरल ब्लॉकों की ई–नीलामी का भी नया रेकार्ड कायम किया जाएगा।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने अधिकारियों को कहा कि हमें यहीं तक सीमित नहीं रहना है अपितु माइनिंग सेक्टर को और अधिक उंचाइयों पर ले जाना है। उन्होंने कहा, अधिकारियों को फील्ड में अधिक सक्रिया रहना होगा ताकि अवैध खनन, परिवहन व भण्डारण गतिविधियों को प्रभावी तरीके से रोक कर राजकीय राजस्व में होने वाली छीजत को रोका जा सके। उन्होंने राजस्व लक्ष्यों की शतप्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने और नवाचारों को प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने मिनरल ब्लॉकों की तैयारी से लेकर ऑक्शन प्रक्रिया तक की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।अतिरिक्त निदेशक महावीर प्रसाद मीणा ने विस्तार से विभागीय प्रगति की जानकारी दी। एसएमई मेजर सतीश आर्य और एसएमई माइनर कमलेश्वर बारेगामा ने मेजर व माइनर मिनरल्स के ब्लॉक व प्लॉट तैयारी, डेलिनिएशन व अन्य जानकारी दी।अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान व मुख्य कार्यकारी आरएसएमईटी एनपी सिंह ने आरमेट की गतिविधियों से अवगत कराया। एसजी राजकुमार मीणा ने बीडिंग प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील कुमार वर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

भाजपा उम्मीदवार रेखा शर्मा बनी निर्विरोध राज्य सभा सांसद, विपक्ष ने किया चुनाव से किनारा

चंडीगढ़, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार रेखा शर्मा राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनी गई हैं। उनका निर्विरोध चुने जाना भारतीय लोकतंत्र की एक अनूठी मिसाल पेश करती है। आपको बता दे कि हरियाणा के लिए राज्य सभा की एक सीट के लिए हुए उप चुनाव विपक्ष के द्वारा कोई उम्मीदावर नहीं उतारा गया था। इस दौरान शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और पूर्व विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता मौजूद रहे।

रिटर्निंग अधिकारी आईएएस अशोक कुमार मीणा ने रेखा शर्मा को जीत का सर्टिफिकेट सौंपा।राज्य सभा के चुनाव के लिए आज नामांकन का अंतिम दिन है। नामांकन प्रक्रिया के तहत भाजपा ने रेखा शर्मा को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाया था। उनके अलावा किसी अन्य दल या व्यक्ति ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। नतीजतन, रिटर्निंग ऑफिसर अशोक मीणा ने औपचारिक रूप से उन्हें निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंप दिया।रेखा शर्मा महिला आयोग की अध्यक्ष रही है। उनका राजनीतिक करियर और समाज के प्रति उनके योगदान ने उन्हें इस महत्वपूर्ण पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बनाया। भाजपा के भीतर उनका सम्मान और पार्टी नेतृत्व का उन पर भरोसा उनकी जीत का एक प्रमुख कारण है।इस तरह का निर्विरोध चुनाव भाजपा के लिए एक बड़ी राजनीतिक सफलता मानी जा रही है।

शिक्षक व एएसआई भर्ती पेपर लीक प्रकरण में शिक्षक लोकेश शर्मा गिरफ्तार

दौसा, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। शिक्षक और एए–सआई भर्ती पेपर लीक प्रकरण में एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सरकारी शिक्षक लोकेश शर्मा उर्फ लोकेश आर्यन को गिरफ्तार कर लिया।

एसओजी की टीम ने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी स्कूल, छतरी वाली ढाणी से लोकेश शर्मा को हिरासत में लिया और जयपुर ले गई। इस कार्रवाई के बाद स्कूल और पूरे शहर में हड़कंप मच गया।

पेपर लीक मामले में पहले गिरफ्तार हुए आरोपी रिंकू शर्मा डेरा की पूछताछ में लोकेश शर्मा का नाम सामने आया। एसओजी के अनुसार, लोकेश शर्मा पेपर लीक प्रकरण में मुख्य सरगना है। आरोप है कि उसने पेपर बेचकर आठ लोगों की नौकरियां लगवाई हैं।

लोकेश शर्मा सामाजिक कार्यों में सक्रिय होने और कई व्हाट्सएप ग्रुप चलाने के लिए जाना जाता था। एसओजी इस मामले में लंबे समय से उस पर नजर रख रही थी।

दौसा जिले में पेपर लीक मामलों का नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय है। अब तक इस प्रकरण में रिंकू शर्मा, लोकेश शर्मा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी के बाद एसओजी को अन्य आरोपियों तक पहुंचने की उम्मीद है।

घग्गर नदी का पानी न पीने योग्य और न ही सिंचाई के योग्य : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि घग्गर नदी का पानी न तो पीने योग्य है और न ही सिंचाई के योग्य क्योंकि हरियाणा राज्य में कुल घुलित ठोस पदार्थ (टीडीएस) 198–1068 मिलीग्राम प्रति लीटर (एमजी/एल) और पंजाब में 248–2010 मिलीग्राम/एल की सीमा में देखे गए। इतना ही नहीं दोनों ही राज्यों का दावा है कि उनके राज्यों में सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई है। सांसद सैलजा ने संसद में जल शक्ति मंत्री के समक्ष घग्घर नदी को लेकर कुछ सवाल उठाए थे जिसके जवाब में मंत्री ने साफ कहा कि इस नदी का पानी पीने और सिंचाई के योग्य नहीं है।

सांसद कुमारी सैलजा ने संसद में जल शक्ति मंत्री से पूछा था कि क्या पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के कुछ हिस्सों से गुजरने वाली घग्गर नदी का पानी पीने और सिंचाई के लिए उपयुक्त है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; क्या उक्त नदी के पानी का परीक्षण किया गया है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इसका टीडीएस स्तर क्या है; क्या उक्त नदी प्रदूषित/दूषित पाई गई है और इसका पानी पीने और सिंचाई के लिए

अनुपयुक्त है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इस मुद्दे को हल करने की क्या योजना है?

इसके जवाब में जल शक्ति मंत्री ने कहा कि नवंबर 2022 में सीपीसीबी द्वारा प्रकाशित अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, घग्गर नदी पर दो प्रदूषित खंड; पंजाब और हरियाणा राज्यों में एक–एक खंड की पहचान की गई है। वर्ष 2023 के लिए घग्गर नदी के जल गुणवत्ता निगरानी परिणामों के आधार पर, सीपीसीबी ने सूचित किया है कि हरियाणा राज्य में कुल घुलित ठोस पदार्थ (टीडीएस) 198–1068 मिलीग्राम प्रति लीटर (एमजी/एल) और पंजाब में 248–2010 मिलीग्राम/एल की सीमा में देखे गए। साथ ही, घग्गर नदी इस अवधि के दौरान वर्ग ई (सिंचाई, औद्योगिक शीतलन) के लिए नामित सर्वोत्तम उपयोग जल गुणवत्ता मानदंड का अनुपालन करती पाई गई। सतही जल, जल की गुणवत्ता के आधार पर, इसे पीने के प्रयोजनों के लिए उपयुक्त बनाने के लिए पारंपरिक उपचार और कीटाणुशोधन की आवश्यकता होती है।

मंत्री ने कहा कि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और स्थानीय निकायों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए प्राप्तकर्ता जल निकायों या भूमि में निर्वहन करने से पहले सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों का आवश्यक उपचार सुनिश्चित करें। देश में गैर–गंगा बेसिन में नदियों के संरक्षण के लिए, यह मंत्रालय राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयासों को पूरक बना रहा है। इस योजना के तहत घग्गर नदी के संरक्षण के लिए पंजाब के विभिन्न शहरों में प्रतिदिन 15 मिलियन लीटर (एमएलडी) सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई।

नारायण सेवा संस्थान की मानव सेवा के लिए एक मज़बूत वैश्विक सहभागिता

उदयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल ही में नारायण सेवा संस्थान को इंटरनेशनल सोसायटी फॉर प्रोस्थेटिक्स एण्ड ऑर्थोटिक्स (आईएसपीओ) के सहयोग से आयोजित ग्लोबल पार्टनरशिप एक्स्चेंज (जीपीएक्स) समिट में वैश्विक सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह समिट उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान के बड़ी स्थित सेवा महातीर्थ में

दिनांक 12 दिसम्बर को ऑन लाइन आयोजित की गई, जिसमें नारायण सेवा संस्थान के साथ इटली, स्वीडन, जर्मनी, यूएसए, भारत व बांगलादेश आदि देशों की 10 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भाग लिया।

इस ग्लोबल पार्टनरशिप एक्सचेंज समिट में नारायण सेवा संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, सेवक प्रशांत अग्रवाल ने संस्थान की परंपरा और उद्धेश्य को साझा किया। संस्थान के उपाध्यक्ष मनोज बारोट ने संस्थान के प्रमुख उद्देश्य गॉट लिम्ब्स्जो कि सन् 2030 तक वैश्विक स्तर पर 1 लाख दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की।

संस्थान के प्रोस्थेटिक्स एण्ड ओर्थोटिक्स विभाग के प्रमुख डॉ मानस रंजन साहू ने उन्नत प्रौद्योगिकी और प्रोस्थेटिक्स एण्ड ओर्थोटिक्स के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए जा रहे व्यापक कार्यों को दर्शाया, जो कि नारायण सेवा संस्थान के कार्यों के वैश्विक प्रभाव को और अधिक प्रमुख बनाता है।अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स सोसाइटी (आईएसपीओ) एक वैश्विक मान्यता प्राप्त संगठन है जो दुनिया भर के पेशेवरों को एक साथ लाता है, ताकि दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार हो सके। इसका उद्देश्य प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के क्षेत्र में ज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देना है, जिससे विकलांग व्यक्तियों के लिए पहुंच और समावेशन सुनिश्चित हो सके।

महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दुबई से वासेपुर के कुख्यात ने भेजा संदेश

पटना (एजेंसियां)। बिहार के बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर को एक बार फिर आतंकियों के निशाने पर है। दुबई में छुपा झारखंड राज्य के कुख्यात अपराधी विक्की ने महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति को यह धमकी एक पत्र के जरिए मिली है।

महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बिहार, झारखंड और दिल्ली समेत अन्य राज्यों की पुलिस एक्टिव हो गई। साथ ही आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार करने में जुट गई है। पुलिस सुत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक महाबोधि मंदिर को बम से उठाने की धमकी झारखंड राज्य के धनवाद जिले के वासेपुर का कुख्यात अपराधी प्रिंस खान ने दी है। वहीं, धमकी मिलने के बाद गया पुलिस की एक टीम धनबाद पहुंचकर प्रिंस खान के घर में छापेमारी कर पूरी तलाशी ली है। झारखंड राज्य के कुख्यात अपराधी प्रिंस इन दिनों दुबई में छिपे होने की खबर है।

महाबोधि मंदिर प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक बताया उन्हें एक पत्र मिला है, जिसमें महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने पत्र में पाकिस्तानी एजेंसी का भी जिक्र किया गया है। धमकी भरा पत्र में वासेपुर के कुख्यात अपराधी प्रिंस खान का नाम भी शामिल है। महाबोधि मंदिर उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिलने के बाद गया पुलिस की एक टीम सब इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में झारखंड राज्य के धनबाद जिला पहुंची। इस दौरान झारखंड पुलिस भी बिहार पुलिस का साथ दिया और टीम ने वासेपुर मोहल्ले में प्रिंस खान के घर छापेमारी कर पूरी तलाशी लिया। पुलिस के साथ-साथ बोधगया मंदिर प्रशासन भी यह पुष्टि नहीं कर पाई है कि धमकी भरा पत्र कुख्यात अपराधी प्रिंस खान ने ही भेजा है। या किसी और ने नाम का इस्तेमाल किया है। बिहार पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियां भी इस मामले को गंभीरता से ले रही है और पूरी सावधानी बरत रही है।

वहीं कुख्यात अपराधी प्रिंस खान झारखंड राज्य के धनबाद और बोकारो जिले में कारोबारियों को डरा धमकाकर रंगदारी मांगने का काम करता था। उस पर जमीन एक कारोबारी की हत्या का आरोप है। कई मामलों में वांछित धनबाद पुलिस को उसकी तलाश है। पुलिस सुत्रों के मुताबिक कुख्यात अपराधी प्रिंस खान दुबई में रहकर बोधगया मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। जिसके बाद धनबाद पुलिस ने प्रिंस खान के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया। साथ ही उसका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया गया।

इस संबंध में गया पुलिस के आलाधिकारी और बोधगया मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के एक भी सदस्य कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। हालांकि इसे लोग किसी शरारती तत्वों से भी जोड़ कर देख रहे हैं।

मालूम हो कि आतंकवादियों द्वारा बीते सालों महाबोधि मंदिर में बम धमका कर पूरे देश को हिला कर रख दिया था। वहीं ऐसे मामलों को देखते हुए बिहार पुलिस ने महाबोधि मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दी है।

वहीं मामले की सत्यता की जांच के लिए देश के विभिन्न सुरक्षा एजेंसी जांच में जुट गई है।

सीएम नीतीश कुमार ने 109 मुफ्त औषधि वाहनों को किया रवाना

अब स्वास्थ्य केंद्रों में नहीं होगी दवा की कमी

पटना (एजेंसियां)। बिहार के प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अब दवा की दिक्कत नहीं होगी। जिला मुख्यालय से फौरन गांव-गांव में मौजूद स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाइयां पहुंचायी जाएंगी। इसके लिए बिहार सरकार ने 109 मुफ्त औषधि वाहनों की सौगात दी है। इस वाहन से दवाएं तुरंत पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरवार को एक अणे मार्ग से स्वास्थ्य विभाग के मुफ्त औषधि वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के माध्यम से निःशुल्क औषधि वितरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं में और बेहतरी आयेगी। कुल 109 मुफ्त औषधि वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। इन मुफ्त औषधि वाहनों को प्रथम एवं द्वितीय स्तर पर संचालित किया जाएगा। 38 जिला मुख्यालयों से प्रखंड मुख्यालय तक 38 मुफ्त औषधि वाहन चलाए जाएंगे। वहीं बाकी बचे वाहनों को प्रखंड से पंचायत स्तर तक चलाया जाएगा। पहले स्पर पर जिला ओषधि केंद्र से स्वास्थ्य केंद्रों में दवाएं पहुंचाई जाएंगी। वहीं द्वितीय स्तर पर प्रखंड से पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाई पहुंचाई जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डे, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बंधन बैंक के शाखा प्रबंधक की संदेहास्पद मौत, मामले की जांच में जुटी पुलिस

जहानाबाद (एजेंसियां)। बैंक प्रबंधक की संदेहास्पद स्थिति में मौत होने के बाद मोहल्ले में अचानक सन्नाटा सा पसर गया है। घटना की सूचना पाकर जहानाबाद नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन प्रारंभ कर दिया है।

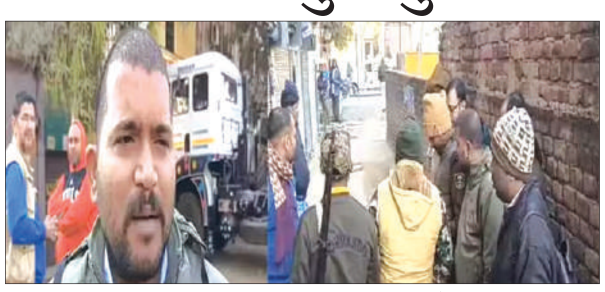

फिलहाल, मृतक के परिजन का आने का इंतजार नगर थाना की पुलिस कर रही है। मौत कैसे हुई, किस परिस्थिति में हुई इसकी अभी जांच चल रही है। वैसे लोगों का कहना है कि बैंक प्रबंधक कभी-कभार जहानाबाद में एक किराए के कमरे में रहते थे। अधिकांशत वह पटना चले जाते थे। मामला जहानाबाद जिला मुख्यालय के नगर थाना क्षेत्र के मखदुमावाद मोहल्ले में संदेहास्पद स्थिति में बंधन बैंक के शाखा प्रबंधक की मौत हुई है।

मृतक व्यक्ति 40 वर्षीय अभिजीत कुमार पटना के कंकड़बाग मोहल्ले के डॉक्टर कॉलोनी के निवासी थे और प्रतिदिन पटना से आकर ड्यूटी करते थे।

शाम को अपने घर पटना लौटकर चले जाते थे। बुधवार को बैंक का काम निपटाकर पटना जा रहे थे। रेलवे स्टेशन पर पहुंचे तो उससे पहले ट्रेन खुल चुकी थी, जिसके कारण वह पटना नहीं जा सके। बैंक के एक परिचित ग्राहक धर्मेंद्र कुमार के घर पर चले गए और उसी के यहां खाना खाकर सो गए। सुबह जब काफी देर तक नहीं उठे तो धर्मेंद्र के घर परिवार को लोग कमरे में देखने के लिए गए तो देखा की मृत पड़े हुए हैं।

इस घटना की सूचना नगर थाने के पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु सदर अस्प-ताल भेज दिया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जांच के बाद ही घटना के बारे में स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा, जिस कमरे में मौत हुई है। उस कमरे को पुलिस ने सील कर दिया है और फॉरेंसिक की टीम को बुलाया जा रहा है। उससे जांच कराया जाएगा। जांच के बाद घटना के बारे में स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। पुलिस के मुताबिक, मृतक के परिवार को सूचना दे दी गई है। परिवार के आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकेगा।

बेगूसराय डीएम को महिलाओं ने बनाया बंधक सरकार पर भड़कीं, सात थानों की पुलिस मौजूद रही

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आ रही है। जहां ग्रामीणों ने डीएम साहब को बंधक बना लिया है। इसके बाद पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो गया है। घटना स्थल पर सात थाने की पुलिस मौजूद है और लोगों को समझाने में लगी हुई है। इसके बाद कुछ लोग प्रसाशन की बात मान रहे हैं। लेकिन औसतन लोग उनकी बात मानने से इंकार कर रहे हैं। इस तरह की अभी तक सूचना मिल रही है।

दरअसल, बेगूसराय के अपना आशियाना हटाए जाने से नाराज लोग जमकर बवाल कर रहे हैं। इनका कहना है कि यदि इनका आशियाना हटाना है तो फिर पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए, उसके बाद ही कुछ किया जा सकेगा। लिहाजा आशियाने की मांग को लेकर झुग्गी झोपड़ी के लोगों ने डीएम तुषार सिंगल को बंधक बना लिया। इसके बाद बेगूसराय जिले के आधा दर्जन थाना सहित सभी पुलिसकर्मी डीएम को छुड़ाने के लिए पहुंचे हैं। हालांकि, झुग्गी झोपड़ी के गरीब मजदूर अपनी मांग पर अड़े हुए हैं और डीएम तुषार सिंगल को अभी भी बंधक बन हुए हैं।

बताया जा रहा है कि डीएम साहब पुस्तकालय का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उसी दौरान उनको बंधक बनाया गया है। इधर, बेगूसराय के एसपी घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। साथ ही सात थानों की पुलिस भी घटना स्थल पर मौजूद है। लोगों को समझाने की कोशिश की जा रही है। पूरा क्षेत्र छावनी में तब्दिल हो गया है। बता दें, अतिक्रमण को लेकर के झुग्गी झोपड़ी के लोगों ने बेगूसराय संग्रहालय के पास डीएम का पहले तो घेराव किया। इसके बाद बंधक बना लिया है। लोग करीब दो घंटा भर से डीएम के सामने अपनी मांग रख रहे हैं। हालांकि, काफी मशक्कत के बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा भीड़ को हटाया गया। उसके बाद डीएम के गाड़ी को वहां से निकाल कर रवाना किया गया।

मौके पर मौजूद सदर एसडीएम राजीव कुमार, मुख्यालय डीएसपी रमेश प्रसाद सिंह,सदर डीएसपी सुबोध कुमार, नगर थाना अध्यक्ष अरुण कुमार, लोहिया नगर थाना अध्यक्ष जितेंद्र राम सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। आपको बताते चलें कि लोहिया नगर रेलवे लाइन किनारे हजारों की संख्या में घर बनाकर महादलित परिवार रह रहे थे और जिला प्रशासन और रेल प्रशासन के द्वारा रेलवे लाइन किनारे बसे महादलित परिवार को हटाने का नोटिस दिया था। नोटिस के बाद आज जिला प्रशासन और रेल प्रशासन के द्वारा झुग्गी झोपड़ी में बसे महादलित परिवारों को घर को उजाड़ने के लिए पहुंचे थे। तभी लोगों ने जमकर हंगामा और विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि हंगामा देख सभी पुलिस पदाधिकारी बिना घर उजड़े हुए लौटना पड़ा।

लोगों ने बताया है कि कई वर्षों से बसे हुए हैं। उन्होंने बताया है कि जब वोट का समय आता है तो सभी लोग वोट मांगने के लिए आते हैं लेकिन गरीब को बसाने की वजह गुजरने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया है कि गरीबों के साथ नाइंसाफी हो रही है। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग करते हैं कि जितने भी महादलित परिवार रेलवे लाइन किनारे बसे हुए हैं उनका घर दिया जाए तभी यहां से हटाया जाए। अगर हम लोगों का मांग नहीं पूरी होगी तब तक हम लोग इसी जगह बसे रहेंगे जिससे मेरी जान क्यों ना चला जाए।

सीआरपीएफ जवान का घर किराए पर लेकर दिवंगत जदयू जिला उपाध्यक्ष का बेटा कर रहा था शराब का कारोबार, गिरफ्तार

सहरसा (एजेंसियां)। उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना पर सहरसा शहर के मीर टोला में छापेमारी कर लगभग 127 लीटर विदेशी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान सत्यम कुमार उर्फ राजा के रूप में हुई है, जो जदयू के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं शहर के थाना चौक स्थित दुर्गा मंदिर के संस्थापक स्वर्गीय सुरेश लाल के पुत्र हैं।

बता दें कि कारोबारी बगल में सीआरपीएफ में पदस्थापित अजय आनंद के खपरैल घर का दो कमरा किराया पर लेकर कारोबार करता था। इधर, शराब कारोबार और छापेमारी की सूचना मिलते ही लोगों के बीच कई तरह की चर्चा शुरू हो गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि पिता जिस पार्टी में थे, उसी पार्टी के द्वारा बिहार में शराबबंदी लागू किया गया। थाना चौक पर दुर्गा मंदिर स्थापित कर उन्होंने समाज में अपनी अलग पहचान और सम्मान पाया था।

उत्पाद निरीक्षक संजीत कुमार ने बताया कि कुछ दिनों से कारोबार की सूचना मिल रही थी। उसके बाद उसके ऊपर नजर रखी जा रही थी। बुधवार की देर रात जानकारी मिली कि कारोबारी शराब का कारोबार कर रहा है और अभी छापेमारी करने पर भारी मात्रा में विदेशी शराब पकड़ा सकता है, जिसके बाद टीम बना कर छापेमारी की गई तो विभिन्न ब्रांड के 126.720 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ।

इंस्पेक्टर संजीत कुमार ने बताया कि कारोबारी के किराए के मकान से रॉयल स्टैग ब्रांड का विदेशी शराब की 750 एमएल का 36 बोतल, ऑफिसर्स चॉइस ब्रांड का विदेशी शराब का 180 एमएल का टेट्रा पैक 554 पीस बरामद हुआ है। कमरे को सील कर दिया गया है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय सहायक आयुक्त मद्यनिषेध के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, माह दिसम्बर में एक से दस दिसंबर तक मद्यनिषेध विभाग द्वारा कुल 882.36 लीटर शराब बरामद किया गया। इसमें देशी चुलाई शराब 767.00 लीटर, विदेशी शराब 110.760 लीटर, कोरेक्स 4.60 लीटर जब्त किया गया है। इसके साथ पांच अवैध चुलाई अड्डा पर जावा महुआ 76.505 किलोग्राम घटना स्थल पर विनष्ट किया गया। ड्रोन के द्वारा अड्डों पर छापामारी में सहयोग लिया जाता है। इसके साथ ही मधेपुरा, खगड़िया, सुपौल, दरभंगा से आने वाले वाहनों को सख्ती से जांच किया जाता है। साथ ही अभी तक इस माह में कुल 59 अभियोग दर्ज किया गया, जिसमें 44 पीने वाला, 16 परिवहन, होम डिल्वरी, बेचने वाला अभियुक्त है।

पटना में घूम रहे दो फर्जी पुलिस वाले गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। पटना में दो फर्जी पुलिस वाले गिरफ्तार हुए हैं। दोनों गुजरात महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कई राज्य के लोगों को अपनी ठगी का शिकार बन चुके हैं। गुरुवार को पटना पुलिस की विशेष जांच अभियान के दौरान गांधी मैदान के पास दोनों को गिरफ्तार किया गया।

बताया जा रहा है कि रहमत और मासूम राजधानी पटना के कई थाना क्षेत्र में ठगी की घटना को फर्जी पुलिस बनकर अंजाम देते थे। इस बार भी वह राजधानी पटना में ठगी की घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे। लेकिन, वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गए। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए पटना सेंट्रल एसपी स्वीटी सरावत ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष वाहन चेकिंग अभियान के तहत मध्यप्रदेश के रहने वाले रहमत और मासूम नाम के ठग को गिरफ्तार किया गया है। रहमत के पास एक फर्जी एमपी का पुलिस आई कार्ड बरामद हुआ है। जिसके सहारे घटना को लगातार अंजाम देता था। जांच में पता चला कि यह दोनों फर्जी पुलिस बनकर गुजरात, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में लोगों को अपना ठगी का शिकार चुके हैं। पूछताछ के बाद यह भी खुलासा हुआ है कि दोनों ईरानी गिरोह के बड़े सक्रिय सदस्यों से अपना संपर्क रखते हैं। अन्य सदस्यों की तलाश पुलिस की जारी है। पुलिस ने उनके पास से एमपी का एक जाली पुलिस आई कार्ड, महाराष्ट्र का फर्जी आधार कार्ड, एक एंड्रॉयड फोन, एक की पैड फोन बरामद किया है।

दीया से घर में लगी आग से झुलसी अधेड़ महिला की मौत, लाखों का सामान भी जला

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में देर रात को दीये से घर में आग लगने से एक बड़ा हादसा हुआ है, जिसके बाद एक-एक कर चार घर जलकर राख हो गए। सभी घर एक ही परिवार का बताया गया है। घटना जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के भदाई गांव की बताई गई है। वहीं, इस दौरान अपने घर के सामान को निकालने के दौरान एक 62 वर्षीय महिला कुंती देवी की झुलस जाने से मौत हो गई है।

घटना को लेकर मृतका महिला के परिजन ने बताया कि देर को खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए थे। इसी दौरान में घर के दीये से आग लग गई और तभी जिसके बाद हम सब जागे और घर के सामान को जल्दी-जल्दी निकालने लग गए। इसी दौरान मैं और मेरी मां भी सामान को निकालने में लगी हुई थी। तभी आग ने पूरे घर को घेर लिया और इसमें वो फंस गई, जिसके बाद किसी भी तरह उन्हें निकालकर बाहर लाया।

इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

ज्यादा झुलस जाने से उनकी मौत हो गई और वहीं इस दौरान सब परिवार के चार घर जल गए और लाखों रुपये का भी सामान जल चुका है। वहीं, इस दौरान सभी परिवार को लाखों का नुकसान हुआ है। परिजनों ने कहा, अगर समय पर अग्निशमन विभाग की टीम आई होती तो मां की जान बच जाती।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com